खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शनिवार, 02 नवंबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-6 | अंक-302

प्यू रिसर्च सेंटर के शोध से जनसंख्या असंतुलन उजागर

2050 तक मुस्लिम बहुल देश बन जाएगा भारत

- जनसंख्या कानून नहीं होने से अल्पसंख्यक बन गए बहुसंख्यक
- पाकिस्तान, बांग्लादेश अफगानिस्तान से खत्म हो जाएंगे हिंदू

नई दिल्ली, 01 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी शोध संस्था प्यू रिसर्च सेंटर द्वारा द फ्यूचर ऑफ वर्ल्ड रीजन्स शीर्षक से किए गए शोध में सामने आया है कि वर्ष 2050 तक भारत मुस्लिम प्रधान देश बन सकता है। अध्ययन में सामने आया है कि अगर इसी तरह से मुस्लिम आबादी बढ़ती रही तो भारत मुस्लिम आबादी के मामले में इंडोनेशिया को पीछे छोड़ देगा। भारत में जनसंख्या नियंत्रण का कोई कानून नहीं लागू किया गया, जिसका नतीजा है कि देश में मुस्लिम अब अल्पसंख्यक से बहुसंख्यक हो गए हैं।

प्यू रिसर्च सेंटर की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में मुस्लिमों की आबादी तेजी से बढ़ेगी। जबकि, पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान जैसे मुस्लिम देशों में हिंदुओं की जनसंख्या में और अधिक गिरावट आएगी। हिंदुओं के इस्लामिक धर्मांतरण, पलायन और गिरते प्रजनन दर हिंदुओं की जनसंख्या में गिरावट का सबसे बड़ा कारण बन रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2010 में पाकिस्तान में हिंदुओं की संख्या 1.6% थी, जो 2050 तक और अधिक गिरकर 1.3 प्रतिशत से भी कम हो जाएगी। ऐसा ही हाल बांग्लादेश में भी होने वाला है, जहां पर 2010 में हिंदुओं की आबादी करीब 8.5 फीसदी थी जो 2050 तक घटकर केवल 7 फीसदी रह जाएगी। अफगानिस्तान में हालात और भी अधिक ▶10 पर

सनातन आस्था को लेकर हुआ महत्वपूर्ण फैसला

तिरुपति मंदिर में सिर्फ हिंदू काम करेंगे

- बीआर नायडू टीटीडी के नए अध्यक्ष नियुक्त किए गए
- दूसरे विभागों में भेजे जाएंगे गैर हिंदू कर्मचारी: टीटीडी

नई दिल्ली, 01 नवंबर (एजेंसियां)। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) बोर्ड के नवनियुक्त अध्यक्ष बीआर नायडू ने कहा है कि भगवान वेंकटेश्वर के निवास तिरुपति मंदिर में काम करने वाले सभी लोग हिंदू होने चाहिए। उन्होंने कहा कि वे आंध्र प्रदेश की सरकार से बात करेंगे कि दूसरे धर्म के कर्मचारियों का क्या किया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे कर्मचारियों को दूसरे विभागों में भेजा जा सकता है या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) दी जा सकती है।

बीआर नायडू ने कहा, तिरुमाला में काम करने वाला हर व्यक्ति हिंदू होना चाहिए। यह मेरा पहला प्रयास होगा। इसमें कई मुद्दे हैं। हमें इस पर विचार करना होगा। भगवान वेंकटेश्वर के अनन्य भक्त नायडू ने कहा कि वह टीटीडी बोर्ड के अध्यक्ष नियुक्त किए जाने को सौभाग्य मानते हैं। इसके लिए उन्होंने आंध्र प्रदेश के सीएम एन चंद्रबाबू नायडू को धन्यवाद दिया।

बीआर नायडू ने आरोप लगाया कि वाईएसआर कांग्रेस की पिछली सरकार के दौरान तिरुमाला में कई अनियमितताएं हुईं। उन्होंने कहा कि अब मंदिर की पवित्रता की रक्षा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि वे कर्तव्य पूरी ईमानदारी ▶10 पर

राष्ट्रीय एकता दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी की उद्घोषणा

देश में रहेगा एक संविधान, एक नागरिक कानून और एक चुनाव

- जम्मू कश्मीर में पहली बार संविधान के तहत ली गई शपथ
- एक चुनाव एवं एक नागरिक कानून पर तेजी हो रहा है काम
- विकास और विश्वास श्रेष्ठ भारत के निर्माण को गति देता है
- हमारी हर योजना, नीति और नीयत में एकता की शक्ति है

नई दिल्ली, 01 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात के केवड़िया में राष्ट्रीय एकता दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह उद्घोषणा की कि एक देश, एक संविधान का संकल्प पूरा करने के बाद अब सरकार देश में एक देश, एक चुनाव और एक देश, एक समान नागरिक संहिता को लागू करने की दिशा में काम कर रही है। इस वर्ष के राष्ट्रीय एकता दिवस आयोजन की बैकग्राउंड थीम छत्रपति शिवाजी महाराज का रायगढ़ किला है।

प्रधानमंत्री ने संबोधन में अपनी सरकार के एकता की दिशा में किए गए प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने आज बहुत से विषयों को पूरे राष्ट्र में एक समान लागू किया है। इसमें स्वास्थ्य सुविधा, पहचान पत्र, राशन, बिजली ग्रिड जैसे विषय शामिल हैं। आज पूरे देश में एक संविधान समान रूप से लागू है। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री ने अनुच्छेद-370 हटने के बाद इस बार पहली बार पदभार ग्रहण करते समय संविधान की शपथ ली है।

प्रधानमंत्री के भाषण में देश से नक्सलवाद का खात्मा, पूर्वोत्तर में अलगाववादियों को मुख्यधारा में शामिल करना और आतंक को करारा जवाब देने जैसे विषय भी शामिल रहे। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने एकता दिवस पर एकता शपथ दिलाई और एकता दिवस परेड का अवलोकन किया। इस परेड में नौ राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश की पुलिस, चार केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल, एनसीसी और एक मार्चिंग बैंड की 16 मार्चिंग टुकड़ियां शामिल हुईं। विशेष आकर्षणों में एनएसजी की हेल मार्च टुकड़ी, बीएसएफ और ▶10 पर

गृह मंत्रालय से उजागर हुई परेशान करने वाली जानकारी

विदेश गए यूपी के 2946 लोग लापता

लापता लोगों में 527 महिलाएं, लखनऊ के 106 लोग शामिल

गृह मंत्रालय ने दिए जांच के आदेश, चार ट्रैवेल एजेंटों पर केस

लखनऊ, 01 नवंबर (एजेंसियां)। विजिटर वीजा पर विदेश गए उत्तर प्रदेश के 2946 लोग गायब हैं। विदेशों में गायब यूपी के 2946 लोगों में 527 महिलाएं शामिल हैं। गायब हुए लोगों में से 106 लोग लखनऊ के हैं। गृह मंत्रालय के सक्रिय होने के बाद मुकदमे दर्ज किए गए हैं। गृह मंत्रालय का कहना है कि उत्तर प्रदेश के 2946 लोग विजिटर वीजा पर विदेश जाने के बाद वापस ही नहीं आए। गृह मंत्रालय ने इस मामले में कार्रवाई आगे बढ़ाने का निर्देश जारी किया है। लखनऊ, गोरखपुर, देवरिया और अमेठी में विदेश भेजने वाले एजेंटों पर मुकदमे दर्ज कराए गए हैं। कंबोडिया, वियतनाम, म्यांमार में लोगों से जबरन साइबर फ्रॉड कराने के मामले सामने आने के बाद जब गहराई से छानबीन की गई तब यह सनसनीखेज जानकारी गृह मंत्रालय के संज्ञान में आई।

एडीजी साइबर क्राइम बीके सिंह ने बताया कि यूपी में विदेश भेजने वाले 75 अधिकृत एजेंट हैं, जबकि 431 एजेंट अनधिकृत तरीके से यह काम कर रहे हैं। सभी जिलों के पुलिस कप्तान और कमिश्नरों को अधिकृत और अनधिकृत एजेंटों की लिस्ट भेज कर आवश्यक कार्रवाई के लिए लिखा है। 2946 लोगों में 527 महिलाएं और 2419 पुरुष हैं। मुख्यालय हर जिले में इनका सत्यापन करा रहा है, जिसमें से 800 का सत्यापन हो चुका है।

गृह मंत्रालय से मिले ब्यौरे के मुताबिक विदेश जाकर लापता होने वालों में सबसे ज्यादा 740 लोग गोरखपुर के हैं। वहीं देवरिया के 369, नोएडा के 251, लखनऊ के 106, गाजियाबाद के 200, कानपुर के 58, बाराबंकी के 11, वाराणसी के 32, आजमगढ़ के 80 लोग विदेशों में गायब हैं। हालांकि बीते दिनों 51 लोग वापस आए लेकिन यूपी से थाईलैंड गए करीब 2 हजार लोग वापस नहीं लौटे हैं। इसी तरह करीब 400 लोग वियतनाम, 230 कंबोडिया, 82 म्यांमार से वापस नहीं आए हैं। गृह मंत्रालय ने इस मामले की गहराई जांच पड़ताल का आदेश दिया है, ताकि यह पता चल सके कि गायब हुए लोग किस हाल में हैं और क्या कर रहे हैं।

भारतवर्ष ने हासिल की महत्वपूर्ण उपलब्धि

कच्चे तेल का सबसे बड़ा सप्लायर बना भारत

यूरोप को प्रतिदिन 20 लाख बैरल क्रूड ऑयल का निर्यात

नई दिल्ली, 01 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय रिफाइनरियों से यूरोपीय देशों को रिफाइंड कच्चे तेल के निर्यात में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। भारत ने यूरोप को प्रतिदिन 3.60 लाख बैरल रिफाइंड क्रूड का निर्यात किया है। अनुमान है कि अगले साल अप्रैल तक यह आंकड़ा बढ़कर 20 लाख बैरल के पार हो सकता है। भारत सऊदी अरब को पीछे छोड़ते हुए यूरोप का सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता बन गया है।

रूस-यूक्रेन युद्ध के समय यूरोप को भारत प्रतिदिन 1.54 लाख बैरल ईंधन का निर्यात करता था।युद्ध शुरू होने पर यह बढ़कर दो ▶10 पर

रिजिजू ने एलएसी पर सैनिकों के साथ मनाई दिवाली

हर भारतीय सीमा विकास पर गर्व करेगा

- चीनी सैनिकों से मिले केंद्रीय मंत्री, बात भी की
- डेमचोक में दोनों सेनाओं की गशत फिर शुरू हुई

नई दिल्ली, 01 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को भारत-चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चीन के सैनिकों से बात की। इस दौरान उन्होंने चीन से सैनिकों से कुछ सवाल भी पूछे। साथ ही भारतीय सैनिकों के साथ दिवाली मनाई। केंद्रीय मंत्री का चीनी सैनिकों से बात करते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

खराब मौसम के कारण तवांग नहीं जा सके रक्षा मंत्री

इटानगर, 01 नवंबर (एजेंसियां)। देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को वर्चुअल माध्यम से अरुणाचल प्रदेश के तवांग में सरदार वल्लभभाई पटेल की देश का वल्लभ प्रतिमा और मेजर रालेंग्नाओ बॉब खथिंग वीरता संग्रहालय को राष्ट्र को समर्पित किया। उन्हें तवांग जाना था, लेकिन खराब मौसम के कारण नहीं जा सके।

रक्षा मंत्री ने अपने ▶10 पर

उधर, लद्दाख के डेमचोक सेक्टर में भारत-चीन की सेनाओं की गश्त फिर से शुरू हो गई। गुरुवार को भारत-चीन की सेनाओं के बीच दिवाली पर मिठाइयों ▶10 पर

अंतरिक्ष की दुनिया में भारतवर्ष की धमक

लेह में भारत का पहला एनालॉग स्पेस मिशन शुरू

नई दिल्ली, 01 नवंबर (एजेंसियां)। भारत की अंतरिक्ष एजेंसी इसरो ने लद्दाख के लेह में पहले एनालॉग स्पेस मिशन की शुरुआत कर दी है। बताया गया है कि यह मिशन ह्यूमन स्पेस फ्लाइट सेंटर, एएकेए स्पेस स्टूडियो, यूनिवर्सिटी ऑफ लद्दाख, आईआईटी बॉम्बे के सहयोगात्मक प्रयास और लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद के समर्थन से शुरू हुआ है। इस मिशन के तहत इसरो लेह में ऐसा स्थान तैयार करेगा, जो कि दूसरे ग्रह की स्थितियों जैसी होगी। इसके जरिए इसरो पृथ्वी से दूर जगहों पर बेस स्टेशन में आने वाली चुनौतियों से निपटने की तैयारियां परखेगा।

इसरो ने लेह में जो पहला एनालॉग मिशन ▶10 पर

आपा के दंगाई नेता अमानतुल्ला का नया कारनामा

दंगा पीड़ितों के नाम पर चला रहा चंदा का धंधा

अवैध बैंक अकाउंट के जरिए कर रहा था हेराफेरी

नई दिल्ली, 01 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली दंगे के आरोपी आम आदमी पार्टी (आपा) के विधायक एवं दिल्ली सरकार का पूर्व मंत्री अमानतुल्लाह खान ने दिल्ली दंगा पीड़ितों के लिए धन जुटाने के नाम पर एक अवैध बैंक खाता खोल कर धन की हेराफेरी कर रहा था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अमानतुल्ला खान और उसकी पत्नी मरियम के खिलाफ पूरक आरोप पत्र दाखिल किया है। अमानतुल्ला ने दिल्ली वक्फ बोर्ड का अध्यक्ष रहते हुए यह गैरकानूनी जाल बट्टा फैलाया था।

दिल्ली के दंगा पीड़ितों को मदद देने के नाम पर चला रहे चंदा-धंधा में आए धन को अमानतुल्ला खान अवैध बैंक खाते में डालकर हेराफेरी कर रहा था। इसके अलावा अमानतुल्ला खान पर दिल्ली वक्फ बोर्ड में ग्रुप सी और ग्रुप डी के कर्मचारियों की अवैध नियुक्ति, वक्फ बोर्ड की सम्पत्तियों के किराएदारी के आवंटन में पद का दुरुपयोग, आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक सम्पत्ति रखने सहित कई गंभीर आरोप हैं।

ईडी धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए एक्ट) की विशेष अदालत के समक्ष अमानतुल्ला खान और उसकी दूसरी पत्नी मरियम सिद्दीकी के खिलाफ पूरक अभियोजन शिकायत दाखिल की। मनी लॉन्ड्रिंग का यह मामला 2016-21 के बीच दिल्ली वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में अमानतुल्लाह के कार्यकाल के दौरान की गई वित्तीय अनियमितताओं से संबंधित है।

ईडी ने कहा, दिल्ली दंगा पीड़ितों के नाम पर धन जुटाने के लिए खान ने दिल्ली वक्फ बोर्ड राहत समिति के नाम से एक अनधिकृत बैंक खाता खोला और जनता से प्राप्त धन निकाल कर अवैध खाते में जमा कर दिया। वहां से उस फंड में गड़बड़ी की गई। ▶10 पर

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की घोषणा

दुनियाभर में हिंदुओं के अधिकार की रक्षा होगी

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार की कड़ी निंदा

वाशिंगटन, 01 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति और दोबारा राष्ट्रपति बनने के दरवाजे पर खड़े डोनाल्ड ट्रंप ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार की कड़े शब्दों में निंदा की और कहा कि उनके राष्ट्रपति बनने के बाद वे बांग्लादेश समेत अन्य देशों में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ कारगर कदम उठाएंगे। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दिवाली पर दिए गए संदेश की चौतरफा तारीफ हो रही है। ट्रंप ने वादा किया कि पूरी दुनिया में हिंदुओं के अधिकारों की रक्षा होगी। ट्रंप ने कहा, मेरे राष्ट्रपति बनने के बाद हम भारत और मेरे अच्छे दोस्त प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपनी महान साझेदारी को और मजबूत करेंगे। उन्होंने कहा कि हम कट्टरपंथी वामपंथियों के धर्म-विरोधी एजेंडे के खिलाफ हिंदू अमेरिकियों की भी रक्षा करेंगे। हम आपकी स्वतंत्रता के लिए लड़ेंगे।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दिवाली के मौके पर हिंदू समुदाय के लोगों को अपनी शुभकामनाएं दीं और बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ बर्बर हिंसा की कड़ी निंदा की। ट्रंप ने फिर से राष्ट्रपति चुने जाने पर भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपने संबंधों को मजबूत करने की कसम खाई। उन्होंने पीएम मोदी को अच्छा दोस्त बताया। ट्रंप ने पहली बार बांग्लादेश के मुद्दे पर बात की है।

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, मैं हिंदुओं, ईसाइयों और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ बर्बर हिंसा की कड़ी निंदा करता हूं, जिन पर ▶10 पर

क्या आप जानते हैं?

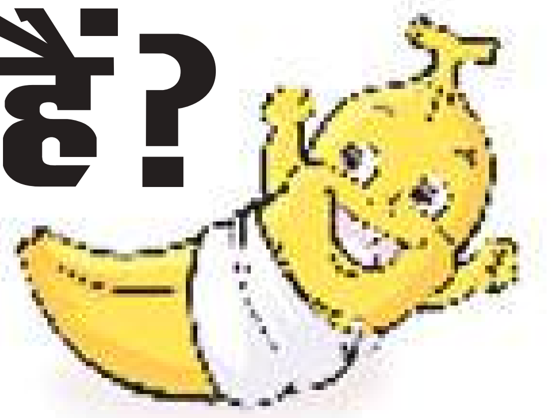

धरती पर अनगिनत चीजें मौजूद हैं, इसलिए इनके बारे में जानने को कितना कुछ है। आप एक फल या जानवर के बारे में पता करने जाएंगे और आपको उसके बारे में ढेरों तथ्य मिल जाएंगे।

पेड़ पौधों और फल-फूल से हमारा रोज़ का ही वास्ता पड़ता है। इनके बारे में सब कुछ तो नहीं पर कुछ-कुछ तो आप जानते ही होंगे। धरती पर अनगिनत चीजें मौजूद हैं, इसलिए इनके बारे में जानने को कितना कुछ है। आप एक फल या जानवर के बारे में पता करने जाएंगे और आपको उसके बारे में ढेरों तथ्य मिल जाएंगे। जैसे, उल्लुओं के समूह को 'पार्लियामेंट' कहते हैं। शुतुरमुर्ग की आंख उसके दिमाग से भी बड़ी होती है। जिराफ अपने कान अपनी 21 इंच लम्बी जीभ से साफ करता है। ऐसे ही और भी कई मजेदार तथ्य आपके लिए लेकर आए हैं हम। इन तथ्यों को आप भी जेहन में रखें और अपने दोस्तों को भी बताइए।

- विश्व का सबसे पुराना पेड़ स्वीडन में स्थित है, वह 9,550 वर्षों से मौजूद है।
- स्ट्रॉबैरी इकलौता ऐसा फल है, जिसके बीज उसके फल के बाहर लगे होते हें। इसके एक फल से 200 से ज्यादा बीज प्राप्त किए जा सकते हैं।
- पत्ता गोभी में 91 प्रतिशत, सेब में 84 प्रतिशत और ककड़ी में 96 प्रतिशत पानी होता है।
- सेब को पानी में डालने पर क्या होता है?...वह तैरने लगता हैं न। पानी पर इसके तैरने की वजह है इसमें 25 प्रतिशत हवा जो भरी होती है।
- टमाटर और आलू विश्व में सबसे ज्यादा उगाई जाने वाली सब्जियां हैं, जबकि प्याज का प्रयोग भोज्य पदार्थों को बनाने में सबसे ज्यादा किया जाता है।

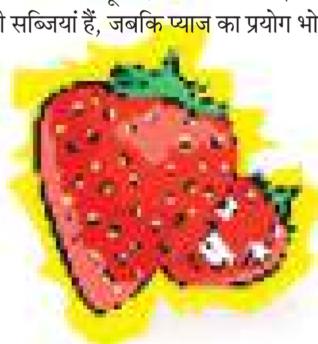

- गाजर का वास्तविक रंग जामुनी होता है। इसमें 'विटामिन ए' प्रचुर मात्रा में पाया जाता है, जो आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता और आंखों की रोशनी को बढ़ाता है। साथ ही आपकी स्किन को भी चमकदार बनाता है।
- अफ्रीका में पाई जाने वाली एलीफेंटा घास की लम्बाई इतनी होती है कि इसमें एक हाथी खुद को आसानी से छुपा सकता है। पते की बात तो यह है कि इसी वजह से इनका नाम एलीफेंटा घास पड़ा।
- यूं तो पानी आपके घर में भी जमा किया जाता ही होगा और पानी जमीन के भीतर भी रहता है। पर क्या आप जानते हैं, एक पेड़ ऐसा भी है जो अपने भीतर पानी एकत्रित कर सकता है। उसका नाम है 'बाओब ट्री'। यह अफ्रीका में पाया जाता है और 10,000-12,000 लीटर तक पानी संचित कर सकता है।
- पहले डीजल इंजन के बारे में तो सबको पता है, पर क्या आप जानते हैं कि इस इंजन में मूंगफली का तेल बतौर ईंधन इस्तेमाल किया गया था?
- पेड़-पौधे 90 प्रतिशत पोषण वातावरण से प्राप्त करते हैं, जबकि 10 प्रतिशत ही वे मीन से ग्रहण करते हैं।
- एक पेड़ से औसतन 1,70,000 पेन्सिलें बनाई जा सकती हैं।
- विश्व का सबसे लम्बा पेड़ सेकुआ (कैलीफोर्निया रेडवुड) है। इसकी लम्बाई तकरीबन 360 फीट होती है।
- एक पेड़ वर्ष भर में इतनी ऑक्सीजन छोड़ता है कि उससे एक परिवार वर्षभर सांस ले सकता है।
- केला बहुत ही पोषक और सुपाच्य फल होता है, इसलिए बच्चे के प्रथम आहार में इसे शामिल किया जाता है।
- ककड़ी फल है, सब्जी नहीं। ऐसा इसलिए क्योंकि इसके बीज फल के बीच में होते हैं।
- यदि आप थोड़े तनाव में हैं तो एक केला खा लीजिए, आप अच्छा महसूस करेंगे। केले में ऐसे रासायनिक तत्व पाए जाते हैं, जिन्हें खाने से आप तनावमुक्त और खुशी महसूस करते हैं।
- जापान और चीन में तरबूज मेजबान के यहां ले जाना अच्छा उपहार माना जाता है।
- दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ने वाला पौधा है बर्मा का जाइंट बैम्बू।

कविता

खट्टे हैं अंगूर!

एक लोमड़ी भूखी प्यासी,
चली ढूंढ़ने खाना।
दिनभर घूमी इधर-उधर पर,
मिला न उसको दाना।
एक बाग में चलते-चलते,
निकल गई वह दूर।
देखा उसने लटक रहे हैं,
बड़े-बड़े अंगूर।
पके-पके अंगूर देखकर,
मुंह में आया पानी।
उछलकूद कर पकड़ने लगी,
उन्हें लोमड़ी रानी।
मगर बड़ी ऊंचाई पर थे,
अंगूरों के गुच्छे।
आखिर उनको पकड़ न पाई,
हो गई थक कर चूर।
जाते-जाते बोली,
कितने खट्टे हैं अंगूर।

(आज सोनू ने मोनू को एक लोमड़ी की व्यथा सुनाई। अंगूर कैसे हो गया था खट्टा यह भी बताया।)

बिंदु से बिंदु मिलाओ

बच्चो, इस चित्र में अंक यूं ही नहीं दिए गए। अगर अंकों के साथ वाले बिंदुओं को आपस में मिलाओगे तो यहां पर खूबसूरत चित्र बन जाएगा। तो उठाइए पेंसिल...

रंग भरो

बच्चो, यह गोलू अपने रंग घर मे भूल आया है। क्या आप अपने रंगों से इसे सजा सकते हैं तो उठाइए अपने रंग और हो जाइए शुरू...

ये हुई ना बात

इस बार बरसात आई तो लोगों के मन भीगे हुए थे। हर बार उन्हें बारिशं मुसीबत लगती थी। दीपक की एक कोशिश ने सबके मन जीत लिए। पहले तो कोई उसके साथ खड़ा नहीं हुआ। क्या किया था दीपक ने ऐसा, पढ़िए यह कहानी...

दीपक आज खुशी-खुशी घर लौट रहा था, क्योंकि गर्मी की छुट्टियां हो गई थीं। वह रोज गांव से तीन मील दूर एक हाई स्कूल में पढ़ने जाया करता था। उसके साथ गांव के कुछ और भी बच्चे पढ़ने जाया करते थे। एक छोटी सी पगडंडी से होकर गुजरना पड़ता था, जिसमें छोटे-छोटे गड्ढे थे। इसलिए वह रास्ता काफी उबड़-खाबड़ था। अचानक एक दिन दीपक को ध्यान आया कि बरसात के दिनों में उन गड्ढों में पानी भर जाता है। रास्ता, तालाब बन जाता है। मेंढक टर्राने लगते हैं। मच्छर भिनभिनाने लगते हैं। पिछले साल गांव के चौधरी चाचा का पांव फिसल गया था और उन्हें कूल्हे में चोट भी लग गई थी। छह महीने तक बिस्तर पर ही रहे।

वहीं रामसिंह दूध वाले दद्दा की भैंस इधर आई, तो रास्ते में हुए इस कीचड़ वाले तालाब में फंस गई। काफी मुश्किल से उसे निकाला गया। एक बार तो बरसात के बाद तो गांव में हैजा ही फैल गया था।

दीपक ने सोचा क्यों न इन गर्मियों में इन गड्ढों को ही पाट दिया जाए। मन की बात उसने दोस्तों को बताई। उसके दोस्तों ने उसकी बात सुनते ही हंसी में उड़ा दी। कुछ ने तो दीपक का मजाक भी उड़ाया। एक ने उसके कंधे पर हाथ रखते हुए कहा 'अरे भई! क्या हम गांव वालों के नौकर हैं। एक तो साल भर कस के पढ़ाई की, अब बारी है आराम करने की, तो तू फावड़े चलवाएगा। हम तो मस्त सोएंगे और खेलेंगे। जा तू ही कर गांव की सेवा।'

ऐसे उत्तर और व्यवहार से दीपक का उत्साह ठंडा हो गया। पर उसने हार न मानी। उसको रवींद्रनाथ टैगोर की पंक्तियां याद आईं, 'तुम्हारी पुकार सुनकर कोई आए न आए, पर तुम अकेले ही अपनी राह पर चलते चलो।' उसने गांव के बड़ों को अपनी मंशा के बारे में बताया। कुछ लोगों का व्यवहार उसके दोस्तों की ही तरह था, तो कुछ ने उसका उत्साह बढ़ाया और उसके इस नेक काम में उसका साथ देने भी चल दिए।

अचानक दो से चार और चार से दस और दस से बीस लोगों की टोली बन गई। जिन लोगों ने दीपक की बात सुनकर उसका खिल्ली उड़ाई थी, अब वे भी धीरे-धीरे उसका हाथ बंटाने आ गए।

बरसात आने से पहले रास्ते के सारे गड्ढे पाट दिए गए। अबकी बरसात आई तो सब इसका आनंद उठा रहे थे। इस बार गांव के लोगों को न किसी बीमारी का भय न था और न ही उन्हें कोई असुविधा हुई। गांव वालों ने दीपक की सूझबूझ को सराहा और उसे सम्मानित भी किया। मुखिया जी उसे आशीर्वाद देते हुए बोले, 'दीपक, तूने गांव की बहुत बड़ी समस्या हल कर दी। तूने अपना नाम सार्थक कर दिया।'

भारतीय संस्कृति गीता, गंगा, गौ-माता और गोविंद के बगैर नहीं चल सकती: यादव

आगर मालवा, 01 नवंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारतीय संस्कृति गीता, गंगा, गौ-माता और गोविंद के बगैर नहीं चल सकती है। धरा पर गाय और गंगा ही हैं, जो ईश्वर को अत्यंत प्रिय हैं, इनके बिना भारतवर्ष के उत्कर्ष की कल्पना नहीं की जा सकती। डॉ. यादव शुक्रवार को कामधेनु गौ-अभ्यारण्य सालरिया जिला आगर-मालवा में एक वर्षीय वेदलक्षणा गौ-आराधना महोत्सव अन्तर्गत गोवर्धन पूजा कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री द्वारा शासन की जन-कल्याणकारी योजनाओं में लाभान्वित हितग्राहियों को मंच से हितलाभ का वितरण भी किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गौ-वंश सम्पूर्ण मानव जाति के लिए पूज्यनीय है। यह पर्व भारतीय जनमानस को अपनी जड़ों से जोड़े रखता है और प्रकृति के प्रति सम्मान की भावना को प्रदर्शित करता है। यह हमारी संस्कृति और परंपरा के संवर्धन का प्रतीक भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार भारतीय संस्कृति का संरक्षण एवं संवर्धन कर जन-कल्याण का कार्य कर रही है। डॉ यादव ने विधि-विधान, मंत्रोच्चार के साथ गोवर्धन पर्वत एवं गौ-माता का पूजन कर भगवान श्रीकृष्ण को छप्पन भोग लगाया। मुख्यमंत्री ने आगर-मालवा जिले के लिये 49 करोड़ रूपये से अधिक के विकास कार्यो का लोकार्पण तथा भूमि-पूजन किया। उन्होंने मध्यप्रदेश स्थापना दिवस की सभी को बधाई भी दी। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्ज्वलन कर एवं कन्या-पूजन कर किया। इस अवसर पर पशु-पालन मंत्री लखनसिंह पटेल, राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार गौतम टेटवाल, सांसद सुसनेर रोडमल नागर, विधायक मधु गेहलोत, श्री गोधाम महातीर्थ पथमेड़ा के पूज्य परमहंस प्रज्ञानानंद जी महाराज,जिला पंचायत अध्यक्ष मुन्नाबाई चौहान मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गौ-मूत्र से कैंसर जैसी बीमारी का उपचार पूरे संसार ने देखा है, गौ-माता के दूध से संसार के 200 से अधिक देशों में पूर्ति होती है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार भी गौ-सेवा के लिए सदैव प्रतिबद्ध है, त्यौहारों को लेकर शासकीय स्तर पर लगातार आयोजन हो रहे हैं। अब हम गौ-माता की पूजा कर रहे हैं, उन्होंने कहा कि सरकार ने महत्वपूर्ण फैसला लेते हुए गौ-शाला में गाय के आहार के लिए निर्धारित अनुदान को भी बढ़ाकर दोगुना कर दिया है। सभी गौ-शालाओं को संरक्षण देंगे। डॉ यादव ने कहा कि जो व्यक्ति 10 से अधिक गौ-माता का पालन करेगा, उसे भी सरकार अनुदान देकर घर-घर गौसेवा के संकल्प को पूरा करेगी। उन्होंने कहा कि जो गाय पाले वे सभी गोपाल, जिनके घर में गाय का कुल उनके घर गोकुल, हमें घर-घर गोकुल बनाना है, सरकार ने हर घर में गौ-वंश बढ़ाने का निर्णय लिया है। गौ-माता में हमारे 33 करोड़ देवी-देवता भी विराजमान है। शासकीय स्तर पर गौ-शालाएं खुलेगी, जिनमें बुढ़ी, निराश्रित, अशक्त गौ-वंशों को पालने की जवाबदारी सरकार की होगी और इस संकल्प को संत समाज के सहयोग से पूरा किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में दुग्ध उत्पादन की लगभग 9 प्रतिशत आपूर्ति मध्यप्रदेश द्वारा की जाती है। सरकार का निर्णय है कि अगले पांच साल के अंदर नेशनल डेयरी डेवलेपमेंट बोर्ड के माध्यम से गौवंश की नस्ल सुधार कर दूध उत्पादन को बढ़ाकर देश में अग्रणी बनाना है।

उन्होंने कहा कि हम प्रदेश में ऐसी व्यवस्था करना चाहते है कि गायों को पालने वाले गौ-पालक बिना दूध देने वाली गौ-माता को गौ-शालाओं में छोड़ जाए। उन्होंने कहा कि आज वे गौ-अभयारण्य में चल रहे इतने वृहद स्तर पर पवित्र कार्य मे गौ-अभयारण्य में गौ-संवर्धन वर्ष को चरितार्थ किया है। शासन ने गुड़ी पडवा पर गौ-संवर्धन वर्ष मनाने की घोषणा की उसे सालरिया में चरितार्थ किया है। अभयारण्य में मालवी नस्ल की गायों को इतने अच्छे से पालने पर बहुत अच्छा लगा। उन्होंने कहा कि गौ-माता के लिए जल का प्रबंध जहाँ भी आवश्यक है, वहा करेंगे। उन्होंने कहा कि गोवर्धन पूजा के अवसर पर हम सभी मिलकर पर्यावरण-संरक्षण का संकल्प लें। वर्षा के लिए प्राकृतिक संतुलन का होना बेहद आवश्यक है, प्राकृतिक संसाधनों का सदुपयोग करते हुए, अपने आसपास की हरियाली को बढ़ाने का प्रयास करें।

जनता से असंभव वादे करना उनके साथ भयानक धोखा: मोदी

नई दिल्ली, 01 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आरोप पर पलटवार करते हुए शुक्रवार को कहा कि चुनाव जीतने के लिए जनता से असंभव वादे करना आम लोगों के साथ भयानक धोखा है। श्री मोदी ने एक्स पर अपनी पोस्ट में लिखा, कांग्रेस पार्टी इस बात को भली-भांति समझ रही है कि झूठे वादे करना तो आसान है लेकिन उन्हें सही ढंग से लागू करना कठिन या असंभव है।

अभियान दर अभियान वे लोगों से ऐसे वादे करते हैं, जिन्हें वे भी जानते हैं कि वे कभी पूरा नहीं कर पाएंगे। अब, वे लोगों के सामने बुरी तरह बेनकाब हो गये हैं।

उन्होंने कहा, किसी भी राज्य को देख लें जहाँ आज कांग्रेस की सरकारें हैं- हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना। इन राज्यों में विकास गतिविधियां और सरकारी कोष की हालत बद से बदतर होती जा रही है।

उनकी तथाकथित गारंटी अधूरी पड़ी है, जो इन राज्यों के लोगों के साथ एक भयानक धोखा है। ऐसी राजनीति के शिकार गरीब, युवा, किसान और महिलाएं होते हैं, जिन्हें न केवल इन वादों के लाभ से वंचित किया जाता है, बल्कि उनके लिए पहले से चलायी जा रहीं योजनाएं भी कमजोर पड़ जाती हैं।

मांडविया ने युवाओं से राष्ट्रीय युवा पुरस्कार के लिए आवेदन करने का आग्रह किया

नई दिल्ली, 01 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय युवा मामले एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने युवा भारतीयों से भारत के विकास और सामाजिक प्रगति में उनके असाधारण योगदान को मान्यता देते हुये प्रतिष्ठित राष्ट्रीय युवा पुरस्कार (एनवाईए) 2022-23 के लिये आवेदन करने का आग्रह किया है।

पत्र सूचना कार्यालय की विज्ञप्ति में बताया गया है कि राष्ट्रीय युवा पुरस्कार (2022-23) के लिये एक से 15 नवंबर, 2024 तक आवेदन दिये जा सकते हैं।

विज्ञप्ति में केंद्रीय युवा मामले एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने युवा भारतीयों से भारत के विकास और सामाजिक प्रगति में उनके असाधारण योगदान को मान्यता देते हुये प्रतिष्ठित राष्ट्रीय युवा पुरस्कार (एनवाईए) 2022-23 के लिए आवेदन करने का आग्रह किया है।

विज्ञप्ति में बताया गया है कि सभी क्षेत्रों में, चाहे वह खेल हो, समाज सेवा हो, विज्ञान हो या अनुसंधान हो, भारत के युवाओं की अद्वितीय भावना को उजागर करते हुये डॉ. मांडविया ने कहा कि ये पुरस्कार केवल एक सम्मान ही नहीं, बल्कि एक प्रगतिशील और समावेशी भारत को बढ़ावा देने में युवा नेतृत्व का उत्सव हैं। युवा मामले एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत युवा मामले विभाग, स्वास्थ्य, मानवाधिकारों को बढ़ावा देने, सक्रिय नागरिकता, सामुदायिक सेवा आदि विकास और सामाजिक सेवा के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य और योगदान के लिये व्यक्तियों (15-29 वर्ष की आयु के बीच) और संगठनों को राष्ट्रीय युवा पुरस्कार (एनवाईए) प्रदान करता है।

विज्ञप्ति में बताया गया है कि पुरस्कारों का उद्देश्य युवाओं को राष्ट्रीय विकास और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करना, युवाओं को समुदाय के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने और इस प्रकार अच्छे नागरिक के रूप में अपनी व्यक्तिगत क्षमता में सुधार करने के लिये प्रोत्साहित करना और समाज सेवा सहित राष्ट्रीय विकास के लिये युवाओं के साथ काम करने वाले स्वैच्छिक संगठनों द्वारा किए गये उत्कृष्ट कार्यों को मान्यता देना है।

राष्ट्रीय युवा पुरस्कार (2022-23) के लिये एक नवंबर से 15 नवंबर, 2024 तक गृह मंत्रालय के सामान्य पुरस्कार पोर्टल के माध्यम से आवेदन आमंत्रित किये जा रहे हैं। पुरस्कार पोर्टल का लिंक एचटीटीपीएस://अवार्डस.जीओभी.इन/ है। व्यक्तिगत पुरस्कार में एक पदक, एक प्रमाण पत्र और 1,00,000 रुपये तथा संस्था को 3,00,000 रुपये की नकद राशि प्रदान की जायेगी।

डॉ मांडविया ने एक्स पर लिखा, नमस्कार मेरे युवा साथियों, राष्ट्र निर्माण में आपके अनमोल योगदान को सम्मानित करने के लिये राष्ट्रीय युवा पुरस्कार - 2022-23 के लिये आवेदन की तारीख एक नवंबर से 15 नवंबर जारी हो चुकी है। आप सभी से आग्रह है कि इस अवसर का लाभ उठाये और अपने योगदान को राष्ट्र के सामने प्रस्तुत करें।

झूठी गारंटियों के लिए देश से माफी मांगें खड़गे और राहुल: रविशंकर

नई दिल्ली, 01 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री रवि शंकर प्रसाद ने शुक्रवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर निशाना साधा और चुनावी वादे वाले पाठ लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को पढ़ाने एवं देश से माफी मांगने की मांग की।

श्री प्रसाद ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, श्री खरगे को इस उम्र में जो ज्ञान आया है, हम उसका स्वागत करते हैं, लेकिन यह ज्ञान उनका थोड़ा पहले आ जाना चाहिए था। अच्छी बात ये है कि भले ही देर से आया, लेकिन आखिरकार ये ज्ञान उनको आया, तो जरूर कि झूठी गारंटियों के कारण कर्नाटक सहित सभी कांग्रेस शासित राज्य आर्थिक दिवालियेपन की कगार पर हैं। गौरतलब है कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार द्वारा महिलाओं की फ्री बस सेवा वाली गारंटी पर पुनर्विचार करने की बात पर कांग्रेस अध्यक्ष ने अपने नेताओं को नसीहत देते हुए कहा है कि घोषणा पत्र में उसी गारंटी की घोषणा कीजिए, जिसके लिए बजट हो या जिसके लिए वित्त प्रबंधन हो। हमें वो वादे करने चाहिए, जो पूरे किए जा सके। नहीं तो आने वाली पीढ़ी के पास बदनामी के अलावा कुछ नहीं बचेगा।

उन्होंने श्री खरगे पर निशाना साधते हुए कहा, खरगे जी, आपने जो स्वीकारोक्ति की है, इसका पहला पाठ श्री राहुल गाँधी को पढ़ाइये कि उतना ही ही वादा करें जो बजट के अनुरूप हो, नहीं तो झूठी गारंटियां बांटना बंद करें। श्री प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव में पांच झूठी गारंटियों की घोषणा की थी। इसमें एक भी गारंटी सही से जमीन पर उतरी नहीं है। इसके बावजूद हालत ये हो गई है कि कांग्रेस महिलाओं की फ्री बस सेवा देने वाली गारंटी को वापस लेने पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा,एक ओर कांग्रेस ऐसे वादे करती है जो पूरा करना तो दूर, चुनाव के बाद वादे से ही पलट जाती है और अपनी गारंटी वापस लेने लग जाती है, वहीं मोदी जी के नेतृत्व में जो भी गारंटी होती है, वह जमीन पर उतरती है और पूरी तरह से उतरती है। इसलिए जनता जानती है कि मोदी जी और भाजपा जो कहती है, करके दिखाती है। भाजपा ने किसान सम्मान निधि के तहत देश के 11 करोड़ किसानों को हर साल छह-छह हजार रुपए देने का वादा किया, तो उस वादे को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने जमीन पर उतारा और हर साल बिना किसी बिलंब के किसानों के खाते में पहुंचाया।

भाजपा नेता ने कहा कि जिस तरह से इंडिया गठबंधन के नेता महाराष्ट्र और झारखंड में घोषणाओं के अम्बार लगा रहे हैं, ऐसा प्रतीत होता है कि वे वहां भी जनता की आंखों में धूल झोंक रहे हैं। महाराष्ट्र एवं झारखंडकी जनता को भी यह समझना चाहिए कि कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष नेखुद अपनी पार्टी द्वारा घोषणाओं को पूरा नहीं करने की बात कही है।कांग्रेस पार्टी कोई घोषणा करे तो जनता को पूछना चाहिए कि इस घोषणा का आधार क्या है? ये घोषणाएं पूरी होंगी या नहीं?इस घोषणा को पूरा करोगे या नहीं करोगे? नहीं तो उन घोषणाओं का भी वही हाल होगा, जो हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना में हो रहा है। उन्होंने कहा, हिमाचल प्रदेश, तेलंगना और कर्नाटक की जनता के आंखों में धूल झोंकने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जी और पार्टी नेता राहुल गांधी को जनता से माफी मांगनी चाहिए। हरियाणा चुनाव में राहुल गाँधी द्वारा जलेबी की मैनुफक्चरिंग की बात कही गयी कि फैक्टरी में जलेबी बनेगी। हरियाणा की जनता कांग्रेस की झूठी गारंटियों को समझ गयीऔर कांग्रेस को नकार दिया।

श्री प्रसाद ने कहा कि कर्नाटक के विजयपुरा में किसानों की जमीन के रिकार्ड में रातोंरात वक्फ बोर्ड का नाम दर्ज कर दिया गया।तीन सप्ताह में किसानों के भूमि अभिलेख में किसानों के नाम काटकर वक्फ बोर्ड का नाम चढ़ा दिया गया। मीडिया को डॉक्यूमेंट दिखाते हुए उन्होंने कहा कि जब किसानों को इस बात की जानकारी मिली तो किसानों ने इस मामले को उठाया और विरोध प्रदर्शन किया।

श्री प्रसाद ने सवाल किया कि क्या राज्य सरकार का गजट (अधिसूचना) ऐसे ही बनता है? गजेट की त्रुटि की जानकारी कांग्रेस सरकार ने नहीं दी, बल्कि सूचना के अधिकार के तहत जानकारी मांगी गई। उस कर्नाटक में कांग्रेस सरकार की चोरी पकड़ी गयी। यह सिर्फ विजयपुरा में नहीं हुआ है, बल्कि कर्नाटक के कई और इलाकों से भी ऐसी ही ख़बरें हैं। उन्होंने कहा कि पिछले तीन सप्ताह में कर्नाटक में 433 किसानों को नोटिस दिया गया कि जमीन के बारे में एक सप्ताह में जवाब दो।

जब यह विवाद बढ़ने लगा तब कर्नाटक सरकार ने अपने गजट की त्रुटि के बारे में बताया और नोटिस को रद्द किया।

भाजपा ने कहा कि कर्नाटक में हावेरी के एक गांव के हिंदुओं को डर सता रहा है कि उनके एक हिन्दू मंदिर को वक्फ की संपत्ति बना दिया जाएगा।देशमें वक्फ बोर्ड को लेकर जब नया कानून आ रहा है, तो उसके पहले जहां भी संभव है, वहां वक्फ बोर्ड जमीन पर कब्जा करने में लग गया है। भारतीय जनता पार्टी जमीन पर कब्जा करने की प्रवृत्ति की कड़ी भर्त्सना करती है।गरीब किसानों की संपत्ति को अगर वक्फ के नाम जबरन चढ़ाने की कोशिश की जाएगी तो भारतीय जनता पार्टी खुलकर उसका विरोध करेगी।कांग्रेस पार्टी अगर हिंदुओं के मंदिर और उसकी संपत्ति को वक्फ की संपत्ति बनाने का षडयंत्र रचेगी तो भारतीय जनता पार्टी उसका खुलकर विरोध करेगी। कांग्रेस पार्टी वोटबैंक के नाम पर कुछ भी कर सकती है।

धामी ने नेपाल सीमा से सटे बनबसा में सैनिकों के संग मनाई दीपावली

चंपावत/नैनीताल, 01 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को नेपाल सीमा से सटे बनबसा में वीर सैनिकों एवं पूर्व सैनिकों से मुलाकात की और दीपोत्सव मनाया। उन्होंने शहीद वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि भी दी।

दीपावली मिलन समारोह में प्रतिभाग करते हुए श्री धामी ने कहा कि सरहदों पर सेना के सुरक्षा कवच के चलते ही देश में दीपावली के दिये रोशन होते हैं। सैनिक घर से दूर रहकर देश की सुरक्षा में तैनात रहते हैं। ऐसे में उनके बीच आकर दीपावली का त्योहार मनाना सौभाग्य की बात है। इस दौरान उन्होंने एसएसबी के जवानों, सीआईएसएफ के जवानों, पूर्व सैनिकों से भी भेंट की। मुख्यमंत्री ने अपने सम्बोधन में कहा कि दीपावली के शुभ अवसर पर आप सबके बीच में आकर मैं बहुत गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। कहा जाता है कि पर्व वहीं होता है, जहाँ परिवार होता है। सब मिलकर उत्सव मनाते हैं। पर्व के दिन अपने परिवार से दूर रहना अपने आप में कर्तव्यनिष्ठा की पराकाष्ठा है। यदि पूरे देश के लोग दीपावली मना रहे हैं वह निश्चित तौर पर सुरक्षित हैं, तो हमारे जवानों की बदौलत हैं, जो 24 घंटे देश की सीमा पर तैनात हैं। इस महत्वपूर्ण पर्व पर अपने परिवार से दूर रहने के बावजूद आपके उत्साह में कोई कमी नहीं है। मुझे जवानों की बीच रहकर अपार खुशी हो रही है। आप सभी का उत्साह देखकर मेरे अंदर भी नई ऊर्जा का संचार हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड के बलिदानी सैनिकों के परिजनों को मिलने वाली 10 लाख रुपए की धनराशि को बढ़ाकर 50 लाख रुपए करने का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि इस बार की दीपावली बहुत विशेष है, क्योंकि 500 वर्षों के बाद भगवान राम अपने घर बिराजे हैं। श्री धामी ने कहा कि पहले के समय में हम बड़ी संख्या में विदेश से हथियार खरीदते थे, लेकिन आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भर बन रहा है और आज 200 से भी अधिक सैन्य उपकरण हमारे ही देश में बनकर तैयार हो रहे हैं। जिसका इस्तेमाल भारत की सेना द्वारा किया जाता है। इस अवसर पर जिलाधिकारी नवनीत पाण्डे, एसएसबी के डीआईजी एके शर्मा, पुलिस अधीक्षक अजय गणपति एसएसबी, सीआईएसएफ के अधिकारी और जवान, पूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

भारतीय सैन्य टुकड़ी वज्र प्रहार में हिस्सा लेने के लिए अमेरिका रवाना

नई दिल्ली, 01 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय सेना की टुकड़ी अमेरिकी सेना के साथ संयुक्त विशेष बल अभ्यास वज्र प्रहार के 15वें संस्करण में हिस्सा लेने के लिए शुक्रवार को अमेरिका रवाना हुई।

यह अभ्यास 2 से 22 नवंबर तक अमेरिका के इडाहो में ऑर्चर्ड कॉम्बैट ट्रेनिंग सेंटर में आयोजित किया जा रहा है। इसी अभ्यास का पिछला संस्करण पिछले वर्ष दिसंबर में मेघालय के उमरोई में हुआ था। यह भारत और अमेरिकी सेना के बीच इस साल दूसरा अभ्यास होगा, इससे पहले सितंबर में राजस्थान में युद्ध अभ्यास 2024 हुआ था। संयुक्त अभ्यास में भाग लेने वाले दोनों देशों की टुकड़ियों में 45-45 कर्मी शामिल होंगे। भारतीय सेना की टुकड़ी का प्रतिनिधित्व विशेष बल इकाइयों द्वारा किया जाएगा और अमेरिकी सेना की टुकड़ी का प्रतिनिधित्व अमेरिका के ग्रीन बेरेट्स द्वारा किया जाएगा। अभ्यास वज्र प्रहार का उद्देश्य अंतर-संचालन, संयुक्तता और विशेष संचालन रणनीति के आपसी आदान-प्रदान को बढ़ाकर भारत और अमेरिका के बीच सैन्य सहयोग को बढ़ावा देना है। यह अभ्यास रेगिस्तानी, अर्ध-रेगिस्तानी स्थिति में संयुक्त विशेष बल अभियानों को अंजाम देने में संयुक्त क्षमताओं को बढ़ाएगा। यह उच्च स्तर की शारीरिक फिटनेस, संयुक्त योजना और संयुक्त सामरिक अभ्यास पर केंद्रित होगा।

अभ्यास के दौरान संयुक्त टीम मिशन, टोही मिशन की योजना बनाना, मानव रहित हवाई प्रणालियों का उपयोग, विशेष अभियानों का निष्पादन, संयुक्त टर्मिनल अटैक कंट्रोलर की कार्रवाइयां और विशेष अभियानों में मनोवैज्ञानिक युद्ध शामिल होंगे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज व्यापार मे व्यस्तता ज्यादा रहेगी साथ मे आमदनी मे बढोत्तरी होगी नौकरीपेशा जातकों को पदोन्नति के साथ स्थानांतरित किया जा सकता है. आप दोस्तों के साथ एक नया कारोबार शुरू कर सकते हैं और आपको उनका पूरा समर्थन मिलेगा. वित्तीय मामले आसानी से आगे बढ़ेंगे और शेयरों में कुछ निवेश भी किया जा सकता है. सामाजिक गतिविधियां बढ़ेंगी. आज आप यात्रा में किसी व्यक्ति विशेष से मिल सकते है अपने स्वास्थ्य को हल्के मे लेना हानिकारक हो सकता हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप को आज के दिन अपने व्यवहार मे कुछ बदलाव करना पडेगा जिससे काम पूरे होते हुए दिखेंगें आपका कोई सोचा हुआ काम पूरा हो जायेगा. छात्रों के करियर में आज के दिन नया बदलाव आयेगा. जो उनके भविष्य के लिए फायदेमंद होगा. आपकी सेहत बेहतर बनी रहेगी. आज आप की जानपहचान किसी स्त्री विशेष होगी, जो आप को लाभ पहुंचाएगी. कारोबार में कुछ लोग मददगार साबित होंगे. दोस्तों के साथ बेहतर दिन बीतेगा. भगवान शिव का पंचाक्षर मंत्र जप करें आप आसपास सकारात्मक वातावरण रहेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज महामृत्युंजय मंत्र का जप करें शिवजी का अभिषेक करें स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा आप को भोजन भी अपनी शारीरिक क्षमता से ही करना चाहिए । काम के मामले में आप भाग्यशाली रहेंगे. आपकी योजनाएं फलीभूत हो कर आप के हक में फैसला सुनाएंगी. गृहस्थ जीवन में जीवन साथी धार्मिक रवैया अपनाएगा. घर में कोई पूजा पाठ बड़े स्तर पर हो सकती है. प्रेम विवाह करने की योजना हैं तो अपनी कार्यवाही जारी रखें नये मुकाम पर पहुंचेंगे और भविष्य मे रिश्ते में गहराई आएगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज परिवार के साथ जरूरी यात्रा पर जा सकते हैं यात्रा का उद्देश्य पूरा होगा आप अपने कार्य स्थल पर वाहवाही लूटेंगे जो आपकी संतुष्टि को बढ़ाएगा. आर्थिक सन्दर्भ में त्वरित पैसा बनाने की योजनाओं या आकर्षक प्रस्तावों से दूर रहना बेहतर है. इससे आने वाले महीनों में समस्या हो सकती है. परिवार के सदस्यों के साथ कुछ गलतफहमी घरेलू माहौल को कड़वा बना सकती हैं बच्चों को मौसमी बिमारी से बचाना होगा बच्चों के शरीर का तापमान बढ़ सकता हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज के दिन को सफलताओं से भरना हैं तो शिवजी का कच्चे दूध से अभिषेक करें आपका दिन करवट लेगा आपको कुछ काम में किसी अनुभवी व्यक्ति से मदद मिल सकती है. परिवार के साथ डीनर का प्लान बना सकते हैं. पैसों के लेन– देन करने से आपको बचना चाहिए. अगर आप समय का सदुपयोग करेंगे, तो आपको फायदा जरूर मिलेगा. किसी तरह की पुरानी बातों पर ध्यान देने से आपको बचना चाहिए. कामकाज की स्थिति मजबूत रहेगी. आप को अपने व्यवसाय के प्रति जिम्मेदार होना होगा ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

दाम्पत्यजीवन की खुशहाली के लिए आप को दैनिक शिवपार्वती का पूजन करना चाहिए जिससे गृहस्थ जीवन खुशनुमा रहेगा । साझेदारी का कारोबारी सफलता देगा , बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा प्रेम जीवन बिता रहे लोग अपने रिश्ते के भविष्य को लेकर बहुत सोचेंगे और आज का दिन ज्यादातर सोचने में ही बिताएंगे.शरीर की तंदरुस्ती के लिए पौष्टिक आहार लेते रहें । हड्डियों का दर्द तकलीफ दे सकता हैं । गाय की सेवा करनी चाहिए ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

व्यापारियों के लिए कुछ तकलीफें बन सकती हैं. सरकारी कर्मचारियों के साथ मेलझोल बना कर रखें लाभदायक रहेगा आपके दुश्मन आपके लिए मुसीबतें खड़ी कर सकते हैं. आपकी आय कम हो सकती है और आपके निवेश ठहराव के चरण में जा सकते हैं. इस अवधि के दौरान व्यवसाय के संबंध में यात्रा उचित फल नहीं देगी. आपको शीघ्र पैसा कमाने की योजनाओं में निवेश करने से से बचना चाहिए. दोस्त मददगार नहीं रहेंगे. इसलिए आपको कमिटमेंट करने से पहले दो बार सोचना श्रेयकर रहेगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज सुबह उठते ही हथेलियों के दर्शन करें आपका दिन बेहतरीन रहेगा. पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे. थोड़ी–सी मेहनत करके आप अपने उद्देश्यों को आसानी से प्राप्त कर सकते हैं. आर्थिक स्थिति में काफी सुधार हो सकता है. व्यावसायिक कार्यों के लिहाज़ से आज का दिन बेहतर है. आप हर काम को धैर्य और समझदारी से पूरा करने की कोशिश कर सकते हैं. वैवाहिक जीवन खुशियों से भरा रहेगा. ऑफिस का बढ़िया माहौल आपको खुश कर सकता है.व्यायाम करते रहे तंदूरस्ती बरकरार रहेगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपके लिए समय अनुकूल नही हैं। नक्षत्र थोड़ा सा कमजोर है, इसलिए शांति और समझदारी से ही दिन गुजारना सही रहेगा. खर्चों में थोड़ी तेजी आने से मानसिक चिंताएं बढ़ेंगी लेकिन यह अल्पकालीन है, इसलिए ज्यादा परेशान मत हों. काम के मामले में आपकी सोच आपके काम आएगी. व्यापार भी तेजी से बढ़ेगा. सेहत उतार–चढ़ाव के बीच स्थिर रहेगी. प्रेम जीवन बिता रहे लोग आज के दिन को शांति से बिताएंगे और अपने प्रिय से खूब बातचीत करेंगे. गृहस्थ जीवन शांतिपूर्ण रहेगा.चींटियों को शक्कर डालें कर्ज मुक्त हो जांएगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

रोज सुबह उठते ही धरती माता को छूकर प्रणाम करें और फिर पश्चात धार्मिक कार्यों में संलग्न हो सकतें है, जिसके कारण आपकी सामाजिक लोकप्रियता में बढ़ोत्तरी संभव है. आपका पारिवारिक–जीवन आनंदित रहेगा और आप मानसिक रूप से शांत रहेंगे. आप दूसरों के लिए मददगार सिद्ध होंगे और लोग इसके लिए आपका बहुत सम्मान करेंगे.कर्म को महत्व देंना चाहिए आप का भाग्य आप को खुदबखुद मालामाल बन देगा ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज दिन सफल रहेगा व्यवसायिक रुप से आप सफल भी होंगे. घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा. आपको अचानक धन लाभ के अवसर प्राप्त होंगे. आपको किस्मत का पूरा–पूरा साथ मिलेगा. साथ ही दूसरे लोग आपके कामकाज से प्रभावित भी होंगे. आपकी तरक्की के नये रास्ते खुलेंगे. परिवार में मधुरता के साथ विश्वास भी बढ़ेगा. किसी खास व्यक्ति से आपकी मुलाकात होगी. परिवार की जरुरत पूरी होने के बाद धन को दान के रुप मे व्यय करना चाहिए धन की शुद्धि होगी संतति भी बढ़ेगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपने स्वभाव को सरल बनाए आप को मृदुभाषी होने की जरूरत हैं । जिससे आप का समय और दिन हर्षित रहेंगा. कामों में सफलता मिलेगी जिससे आपका आत्मबल बढ़ेगा. थोड़ा गुस्सा तो दिखाएंगे लेकिन जिद पकड़ना अच्छा नहीं. गृहस्थ जीवन सामान्य रहेगा और प्रेम जीवन बिता रहे लोग परिजनों के विरोध का सामना कर सकते हैं, इसलिए थोड़ी सी सावधानी रखें और मर्यादा ना लांघें.रोज सुबह चहलकदमी करते रहें शरीर निरोगी रहेगा।

शनिवार का पंचांग

दिनांक : 02 नवंबर 2024 , शनिवार
विक्रम संवत : 2081
मास : कार्तिक, शुक्ल पक्ष
तिथि : प्रतिपदा रात्रि 08:24 तक
नक्षत्र : विशाखा अहोरात्र
योग : आयुष्मान प्रात: 11:17 तक
करण : किंस्तुघ्न प्रात: 07:24 तक
चन्द्रराशि : तुला रात्रि 11:23 तक
सूर्योदय : 06:15 , सूर्यास्त 05:44 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:13 , सूर्यास्त 05:52 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:07, सूर्यास्त 05:44 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:05, सूर्यास्त 05:36 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रात: 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : बलि प्रतिपदा , गुजराती नववर्ष आरंभ , गोवर्धन अन्नकूट , जैन नव संवत् आरंभ

❊ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❊
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

इस वर्ष एक लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देंगे : भजनलाल

जयपुर, 01 नवम्बर (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि दीपावली उत्साह, उमंग और खुशी का पर्व है। श्री शर्मा ने शुक्रवार को राजस्थान में जयपुर के सांगानेर में प्रधान वाटिका में आयोजित दीपावली स्नेह मिलन समारोह में प्रदेशवासियों को दीपोत्सव की शुभकामनायें देते हुए कहा कि यह त्योहार व्यक्ति के मन में उमंग, उल्लास और खुशी लेकर आता है। उन्होंने कहा कि 500 वर्षों के इंतजार के बाद अयोध्या में रामलला का दिव्य और भव्य मन्दिर बना है, इसलिये इस वर्ष की दीपावली खास है।

श्री शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार बने 10 महीने हो चुके हैं, इस दौरान जो परिवर्तन आया है, वह सभी ने देखा है। पानी की आवश्यकता की पूर्ति के लिये पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) यमुना जल समझौता हुआ। मानसून में अच्छी वर्षा से राज्य के बांध भी भरे हैं। किसान खुशहाल है, क्योंकि फसलों का अच्छा दाम मिल रहा है। उन्होंने कहा कि हम राज्य की आठ करोड़ जनता के लिये काम करते हैं। इस वर्ष जो बजट पेश किया गया, उसमें सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में विकास कार्यों के लिये बजट दिया गया है। बजट खर्च से लेकर विकास कार्यों के लिये भूमि आवंटन के कार्य किये गये हैं। पांच वर्ष में चार लाख सरकारी नौकरी एवं इस वर्ष एक लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देंगे।

श्री शर्मा ने कहा कि इसका लाभ उठाने के लिये युवा तैयारी करें, क्योंकि दो वर्ष का भर्ती कलेण्डर भी निकाला गया है। कैबिनेट में 90 हजार भर्तियां निकालने का मार्ग प्रशस्त हुआ है, आने वाले समय में इनकी भी विज्ञप्तियां आयेंगी। साठ हजार चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भर्ती होने से युवाओं को रोजगार का अवसर मिलेगा। निजी क्षेत्र में भी छह लाख से अधिक नौकरियों के अवसर उपलब्ध कराये जायेंगे। उन्होंने कहा कि नौ से 11 दिसम्बर तक राइजिंग राजस्थान निवेशक सम्मेलन आयोजित होने जा रहा है। विदेशों से, प्रवासी राजस्थानियों एवं उद्योगपतियों से हमें समर्थन मिल रहा है। राज्य में निवेश आकर्षित किया जा रहा है। निवेश करने वाले हर व्यक्ति की मदद के लिये सरकार तैयार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें कार्य करने की ताकत सांगानेर

दिवाली उत्साह, उमंग और खुशी का पर्व

विधानसभा क्षेत्र से मिलती है। समारोह में जयपुर ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर, उपमहापौर पुनीत कर्णावट, संत प्रकाशदास महाराज, विधानसभा संयोजक प्रकाश तिवाड़ी, मण्डल अध्यक्ष अशोक और भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं आमजन मौजूद रहे। प्रस्तुतियों से दर्शकों का दिल जीता। पारंपरिक नृत्य और गीतों के माध्यम से हरियाणवी संस्कृति की झलक दिखाई गई, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य भगवान विश्वकर्मा जयंती और हरियाणा दिवस की गरिमा को बढ़ाते हुए सांस्कृतिक धरोहर को संजोना था।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कांग्रेस ने प्रदेश में बेरोजगारी को लेकर लोगों को बहकाने का काम किया। भाजपा ने आचार संहिता लगने से पहले 25 हजार युवाओं को नौकरी देने की घोषणा की थी, लेकिन कांग्रेस ने चुनाव आयोग में अर्जी लगाकर उसे रोकने का काम किया। हरियाणा में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनी है। डबल इंजन की सरकार विकास कार्यों को आगे बढ़ाने का काम करेगी और संकल्प पत्र में किए गए सभी वादों को पूरा किया जाएगा। पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने एक सवाल के जवाब में कहा कि गोहाना जिला बनाने की प्रक्रिया चल रही है। अगली बार गोहाना में किसी बड़े कार्यक्रम में आएंगे तो गोहानावासियों को तोहफा दिया जाएगा। जनता स्कूल बुटाना को विश्वविद्यालय बनाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि अगर गोहाना की जनता मांग करेंगी तो उस पर संज्ञान लिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के उस बयान आगे सत्य की जीत होगी पर भी कटाक्ष किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में भाजपा की जीत क्या सत्य की जीत नहीं है क्या। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, बाबा भीम राव आंबेडकर का कभी सम्मान नहीं किया। झूठ बोलने वालों को झूठ ही दिखाई देता है। जनता जनार्दन ने भाजपा को दिल खोलकर पूर्ण बहुमत दिया है। कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक व तेलंगाना में संकल्प पत्र के वादों को पूरा नहीं किया। अब महाराष्ट्र व झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत होगी।मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मंच से हाथ हिलाकर जनता का आभार व्यक्त किया और भाजपा के पदाधिकारियों और विधायकों के साथ जनता का अभिवादन किया। इस अवसर पर उनके साथ मंच पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण मिड्ढा, सोनीपत विधायक निखिल मदान, खरखौदा विधायक पवन खरखौदा, गन्नौर विधायक देवेंद्र कादियान, भाजपा जिलाध्यक्ष जसबीर दोदवा, गोहाना नगर परिषद चेयरपर्सन रजनी विरमानी, और भाजपा नेता देवेंद्र कौशिक मौजूद थे।

गोधरा कांड पर आधारित पुस्तक स्कूल पुस्तकालय से हटाई गई

जयपुर, 01 नवम्बर (एजेंसियां)। राजस्थान के स्कूलों में विवादित पुस्तकें हटाए जाने के मुद्दे ने राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने आरोप लगाया है कि गोधरा कांड पर आधारित अदृश्य लोग- उम्मीद और साहस की कहानियां पुस्तक में गलत तथ्यों का उल्लेख कर समाज में वैमनस्य फैलाने की कोशिश की गई थी। दिलावर ने कहा कि इस पुस्तक में गोधरा कांड के दौरान ट्रेन जलाने वालों का महिमामंडन करते हुए हिंदुओं को अपराधी की तरह प्रस्तुत किया गया है और तत्कालीन गुजरात सरकार पर भी भ्रामक जानकारी दी गई है।

मदन दिलावर ने कांग्रेस के पूर्व शिक्षा मंत्री गोविन्द सिंह डोटासरा पर आरोप लगाया कि उनके कार्यकाल में इस तरह की किताबों को जानबूझकर बच्चों के सिलेबस में शामिल किया गया था। वहीं, पूर्व मंत्री डोटासरा ने इन आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि उन्होंने इस पुस्तक का अनुमोदन

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कांग्रेस पर साधा निशाना

नहीं किया था और दिलावर पर झूठ बोलने का आरोप लगाया है। शिक्षा मंत्री दिलावर ने बताया कि समग्र शिक्षा राजस्थान द्वारा सरकारी स्कूलों के पुस्तकालय में भेजी गई दो विवादित पुस्तकें अदृश्य लोग (लेखक हर्ष मंदर) और जीवन की बहार (लेखक माधव गाडगिल) को वर्तमान सरकार ने हटाने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि इन पुस्तकों का चयन पूर्व कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में किया गया था और मौजूदा सरकार का इन चयन में कोई हाथ नहीं है।

वर्तमान सरकार द्वारा विद्यालय पुस्तकालयों में दो नई पुस्तकें जोड़ी गई हैं, वैक्सीन की गाथा' (लेखक सज्जन सिंह यादव) और राजस्थानी भाषा की पुस्तक चिड़ी को मोती लादीओ। दिलावर ने कहा कि वैक्सीन पर आधारित पुस्तक का उद्देश्य छात्रों को कोविड महामारी और वैक्सीन के प्रति जागरूक बनाना है, जबकि चिड़ी को मोती लादीओ का उद्देश्य राजस्थानी भाषा को बढ़ावा देना है। शिक्षा मंत्री ने जानकारी दी कि अदृश्य लोग पुस्तक में प्रकाशित गोधरा कांड से संबंधित सामग्री की कानूनी जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों का पालन किया जाएगा और आवश्यकता पड़ने पर कानून सम्मत कार्रवाई की जाएगी। इस मुद्दे पर प्रदेश में राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है और सभी की निगाहें इस पर टिकी हैं कि विवादित पुस्तकों को हटाए जाने पर सरकार क्या रुख अपनाती है और आगे की कार्रवाई कैसी रहती है।

हरियाणा दिवस पर अंबाला को मिली लोकल बस सेवा की सौगात

परिवहन मंत्री बोले- विदेशों की तर्ज बनेगा बस स्टैंड व शैल्टर, इलैक्ट्रिक बस भी चलाएंगे

चंडीगढ़, 01 नवम्बर (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने शुक्रवार को प्रदेशवासियों को हरियाणा दिवस की शुभकामनायें देते हुए अम्बाला छावनी और शहर के लाखों लोगों को 20 सालों के बाद हरियाणा दिवस के पावन अवसर पर लोकल बस सेवा की सौगात दी है।

इस लोकल बस सेवा की सफलता के बाद नागरिकों को इलेक्ट्रिक बस सेवा की सुविधा भी मुहैया करवाई जायेगी। इस इलेक्ट्रिक बस सेवा से प्रदूषण भी नहीं होगा। इस जिले के नागरिकों को चुनाव जीतने के बाद एस्केलेटर प्रोजेक्ट के बाद लोकल बस सेवा का दूसरा तोहफा दिया गया है। श्री विज ने अंबाला में आयोजित कार्यक्रम में अम्बाला छावनी और अम्बाला शहर के लिये विभिन्न मार्गों पर चलने वाली चार मिनी बसों को हरी झंडी दिखाकर लोकल बस सेवा का शुभारम्भ किया। उन्होंने कहा कि एक नवम्बर 1966 को पंजाब से अलग होने के बाद हरियाणा प्रदेश तरक्की की राह पर बहुत आगे निकल चुका है और अब बड़े भाई पंजाब पर तरस आने लगा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा दिवस पर शहर के लोगों को लोकल बस सेवा की सुविधा दी गयी है। यह बसें अम्बाला शहर से बोह, बब्याल वाया लघु सचिवालय अम्बाला छावनी, टांगरी बांध, बोह–बब्याल से अम्बाला शहर वाया टांगरी बांध अम्बाला छावनी और लघु सचिवालय, अम्बाला शहर से कलरहेड़ी वाया लघु सचिवालय अम्बाला छावनी, तोपखाना, डिफेन्स कॉलोनी तथा कलरहेड़ी से अम्बाला शहर वाया डिफेन्स कॉलोनी, तोपखाना, छावनी व लघु सचिवालय के रूट पर यह बस सेवा शुरू कर दी गयी हैं।

उन्होंने कहा कि इन बसों के बारे में लोगों के सुझाव भी आमंत्रित किये गये हैं। इन सुझावों के बाद बस के रूटों में और सुधार लाया जायेगा। यह बस सेवा हर घंटे के बाद लोगों को मिलेगी और 10 रुपये से लेकर 25 रुपये की राशि में लोग अपना सफर तय कर पायेंगें। इससे सालाना सफर करने वाले लोगों को करोड़ों रुपये का आर्थिक फायदा भी होगा, क्योंकि इस रूट पर अब लोगों को 60 रुपये से लेकर 80 रुपये देने पड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन रूटों पर विदेशों की तर्ज पर बस स्टैंड व बस शैल्टर भी बनाये जायेंगे।

परिवहन विभाग की तरफ से जनसूई हेड में छठे नए बस स्टैण्ड का निर्माण तीन करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है और 22 करोड़ रुपये की लागत से अम्बाल कार्यशाला और उपकेंद्र नारायणगढ़ में नये बस स्टैण्ड का निर्माण किया जायेगा। इतना ही नहीं अम्बाला शहर बस स्टैण्ड पर एक करोड़ 45 लाख रुपये की लागत से ग्राउंड लेवल पार्किंग का निर्माण कार्य शुरू हो गया है।

घर में घुसकर चलाई गोली, लड़की के हाथ में लगी, माता-पिता घायल

फतेहाबाद, 01 नवम्बर (एजेंसियां)। शहर के अग्रवाल कॉलोनी में दीपावली की रात को दिन में हुए मामूली विवाद को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़ गए। झगड़े में एक गुट ने दूसरे के घर में घुसकर हमला कर दिया और हवाई फायरिंग कर दी। इस दौरान एक लड़की के हाथ पर गोली लग गई। लड़की के अलावा उसके माता-पिता भी मारपीट में घायल हो गए। जिन्हें नागरिक अस्पताल लाया गया, यहां से रेफर कर दिया गया। शहर थाना प्रभारी प्रह्लाद का कहना है कि आरोपियों के खिलाफ हत्या प्रयास के आरोप में कार्यवाही की जा रही है।

अग्रवाल कॉलोनी निवासी 45 वर्षीय दिनकर गुरुवार दोपहर को भट्टू रोड पर एक किरना की दुकान पर खड़ा था। बताया जा रहा है कि इसी दौरान अंजलि कॉलोनी निवासी महिला के साथ किसी बात को लेकर उसका आपस में झगड़ा हो गया। झगड़े के बाद दोनों अपने-अपने घर चले गए। रात को दिनकर जब अपने घर पर परिवार के साथ था तो इसी दौरान घर के बाहर कार पर कुछ लोग आए। कार में वही महिला और दो-तीन अन्य युवक सवार थे और उन्होंने आकर मारपीट शुरू कर दी। जानकारी मिली है कि कार सवार युवकों ने गोली चला दी, जो दिनकर की बेटी चंदा के हाथ पर जा लगी। इस घटना में चंदा के अलावा उसके पिता दिनकर व मां मोती को भी चोटें लगी।

दीपावली पर अंबाला में 19 व पानीपत में 23 स्थानों पर लगी आग

सोनीपत/पानीपत/हिसार, 01 नवम्बर (एजेंसियां)। दीपावली पर्व पर हरियाणा के विभिन्न जिलों में आगजनी की कई घटनाएं सामने आईं, जिनमें लाखों रुपए की संपत्ति का नुकसान हुआ। हालांकि, इन घटनाओं में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, लेकिन संपत्ति के नुकसान ने कई व्यापारियों और घर मालिकों को आर्थिक झटका दिया।

पानीपत के संविधान चौक स्थित इंसार बाजार में एक अटैची सूटकेस के गोदाम में शुक्रवार सुबह आग लग गई, जिसमें गोदाम में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। दमकल विभाग की टीम ने समय रहते पहुंचकर आग पर 20 मिनट में काबू पा लिया, जिससे आग को फैलने से रोका जा सका। घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। सोनीपत के सेक्टर 17 स्थित ओमेक्स सिटी में एक चलती हुई डस्टर गाड़ी अचानक आग की चपेट में आ गई। गाड़ी में आग लगने के तुरंत बाद ड्राइवर ने कूदकर अपनी जान बचाई। दमकल विभाग ने मौके पर पहुंचकर आग को बुझाया। आग लगने का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है।

पटेल नगर के एक मकान में हारमोनियम बनाने की फैक्ट्री में दिवाली की रात अचानक आग लग गई। मकान में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर नष्ट हो गया। स्थानीय निवासियों ने दमकल विभाग को सूचना दी, जिसके बाद दमकल कर्मियों ने तुरंत आग पर काबू पाया। इस घटना में भी किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। हिसार के मोहल्ला सैनियान स्थित श्याम इलेक्ट्रॉनिक शोरूम की छत पर भीषण आग लग गई, जिसमें लाखों का नुकसान बताया जा रहा है। दिवाली के दिन गुरुवार को पटाखों तो कहीं शार्ट सर्केट के चलते अंबाला में करीब 19 जगह आग लगी। भीषण आग अंबाला सिटी के सेना नगर स्थित एक क्रॉकरी की चार मंजिला दुकान व सिटी के पुराना सिविल अस्पताल के पास एक मंदिर में

लोगों का करोड़ों का माल हुआ राख

बनाई गई पार्किंग में खड़ी गाड़ियों में लगी। पार्किंग में देखते ही देखते एक ऑटो सहित चार कारें धूं-धूं कर जल उठी। दमकल विभाग की गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर काबू किया। वहीं क्रॉकरी की दुकान में लगी आग को कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद काबू पाया। करीब 15 कर्मचारी और 5 गाड़ियां की मदद ली गई। उधर, उगाला गांव में भी घर में खड़ी ब्रेजा कार में आग लग गई थी व अगला हिस्सा जल गया था।

अंबाला कैंट में 10 जगह आग लगी और इसमें ज्यादा नुकसान नहीं हुआ। निकलसन रोड के पास बिजली की तारों व खुड्डा गांव के पास सड़क किनारे सरकंडों व बब्याल में खाली प्लाट की झाड़ियों व कैंट एसडीएम कार्यालय के पास खाली प्लाट की झाड़ियों व रानी बाग में दो दुकानों की छत पर रखे सामान व खोजकीपुर के पास झाड़ियों आग लगी।

हिसार के मॉडल टाउन एक्सटेंशन में शुक्रवार सुबह एक घर में आग लग गई, जिसमें लाखों रुपये का कीमती सामान जलकर राख हो गया। यह घटना सेक्टर 9 और 11 के पास स्थित मकान की दूसरी मंजिल पर हुई, जहां धुआं उठने पर पड़ोसियों ने मकान मालकिन ऊषा देवी को सूचना दी। ऊषा देवी उस समय डाबड़ा चौक के पास एक निजी अस्पताल में ड्यूटी पर थीं। दमकल विभाग को सूचना मिलने पर तुरंत एक गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। हालांकि, तब तक कमरे में रखा बेड, अलमारी, कपड़े और अन्य कीमती सामान पूरी तरह से जल चुका था। आग लगने से करीब एक लाख रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। ऊषा देवी ने बताया कि दिवाली की रात उन्होंने पूजा करने के बाद माता लक्ष्मी की ज्योत जलाई थी और ड्यूटी पर चली गई थीं। घर पर उस समय कोई नहीं था। अग्निकांड की वजह से पूरा कमरा जलकर राख हो गया।

शहर में दिवाली की रात को आगजनी की छह से सात घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें यह एक प्रमुख घटना है। पुलिस और दमकल विभाग मामले की जांच कर रहे हैं। पानीपत में अलग अलग 23 जगहों पर आग लगने की घटनाएं सामने आई हैं। जहां दमकल विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाने का काम किया है। हालांकि कुछ ऐसी जगहों पर भी आग लगी जहां कम आग लगने पर लोगों ने दमकल को सूचना देने की बजाए खुद ही आग पर काबू पा लिया हो। गनीमत रही कि किसी भी घटना में किसी को जान की हानि नहीं हुई। हालांकि कहीं किसान के खेतों और पराली में आग लगी तो कहीं फैक्टरी और गोदाम में आग लगने से लोगों का करोड़ों रुपये का नुकसान जरूर हुआ है। दिवाली पर ऐसी घटनाओं से निपटने के लिए दमकल विभाग ने पहले से पूरी टीम के 114 कर्मचारियों को तैनात किया था। इनमें से हर 12 घंटे 57 कर्मचारी तैनात थे। जिले में दमकल ने चारों दिशाओं में आसानी से आने जाने के लिए 14 केंद्र बनाए थे। इन केंद्रों पर 13 बड़ी फायर टेंडर गाड़ी और मशीनें, दो छोटी फायर टेंडर और दो बाइक भी बेड़े में शामिल की थी।

जानिए क्यों मनाया जाता है भाई दूज यह है इसकी कहानी और महत्व

भाई दूज का पर्व दीपावली के तीसरे दिन आता है। यह रक्षा बंधन के बाद महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है। यह दिन भाइयों और बहनों के बंधन को मनाता है और मजबूत करता है। इस दिन बहनें अपने भाइयों की लंबी उम्र, समृद्धि और खुशहाली की कामना करती हैं। इसके अलावा, वे तब तक उपवास रखती हैं, जब तक वे अपने भाई के माथे पर तिलक नहीं लगातीं।

यह दिन हिंदू कार्तिक महीने में शुक्ल पक्ष के दूसरे चंद्र दिवस पर पड़ता है। देश के दक्षिणी भाग में इस दिन को यम द्वितीया के रूप में मनाया जाता है। कायस्थ समुदाय में, दो भाई दूज मनाए जाते हैं। सबसे ज्यादा मशहूर दीवाली के बाद दूसरे दिन आता है। लेकिन कम प्रसिद्ध दीवाली के एक या दो दिन बाद मनाया जाता है। साथ ही इस दिन वे भगवान चित्रगुप्त की पूजा करते हैं और कलम दावत पूजा करते हैं।

भाई दूज –यह दिन दिवाली महोत्सव के पांचवें दिन मनाया जाता है। इस साल यह 2 नवंबर 2024 यानी शनिवार को मनाया जाएगा।

कथा और इतिहास

हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, राक्षस नरकासुर को मारने के बाद, भगवान कृष्ण अपनी बहन सुभद्रा से मिलने गए, जिन्होंने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने भगवान कृष्ण के माथे पर तिलक भी लगाया और तब से यह दिन भाई दूज के रूप में मनाया जाता है। एक और कहानी मृत्यु के देवता यम के इर्द-गिर्द घूमती है।

हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, मृत्यु के देवता यम ने इस दिन अपनी प्यारी बहन यमुना से मुलाकात की थी। अपनी बहन से स्वागत करने के बाद, यम ने घोषणा की कि जो कोई भी इस दिन अपनी बहन से तिलक प्राप्त करेगा, उसे लंबी आयु और समृद्धि प्रदान की जाएगी।

हिंदू ग्रंथों के अनुसार, यम द्वितीया पर अपनी प्यारी बहन यमुना से मिलने गए थे। देवी यमुना ने अपने भाई का तिलक और माला पहनाकर स्वागत किया। उन्होंने लंबे समय के बाद एक साथ भोजन किया और उपहारों का आदान-प्रदान किया। अपनी बहन से गर्मजोशी से स्वागत करने के बाद, यम ने घोषणा की कि जो कोई भी इस दिन अपनी बहन से तिलक प्राप्त करेगा, उसे लंबी आयु और समृद्धि प्रदान की जाएगी।

ऐसे करें भाई दूज पर तिलक रखें इन बातों का ध्यान

सनातन धर्म में भाई दूज का पर्व बेहद खास माना गया है। यह हर साल कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को मनाया जाता है। आमतौर पर यह दिन दीपावली के दो दिन बाद और गोवर्धन पूजा के एक दिन बाद आता है। यह पर्व भाई-बहन के बीच प्यार और पवित्र बंधन का प्रतीक है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस शुभ दिन पर बहनें अपने भाईयों के माथे पर तिलक लगाती हैं और उनके लिए स्वादिष्ट भोजन बनाती हैं, जबकि भाई उन्हें उपहार देते हैं और उनकी सदैव रक्षा करने का अमिट वादा करते हैं।

बता दें, इसे भैया दूज, भाऊ बीज, भात्र द्वितीया, भाई द्वितीया और भातृ द्वितीया के नाम से भी जाना जाता है, तो चलिए इस दिन से जुड़ी प्रमुख बातों को जानते हैं।

इन चीजों से करें भाई का तिलक

भाई दूज पर कुमकुम, केसर, हल्दी, चंदन आदि चीजों का तिलक करना उत्तम माना जाता है। ऐसे में आप इनमें से किसी भी चीज से तिलक कर सकते हैं, जिनका अपना-अपना महत्व है। ऐसी मान्यता है कि इन चीजों के तिलक से भाई को सुरक्षा, सफलता, समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य की प्राप्ति होती है। वहीं, तिलक के दौरान कुछ चीजों का भी ध्यान रखना चाहिए, तभी तिलक पूर्ण होता है।

तिलक के दौरान इन बातों का रखें ध्यान

भाई दूज के शुभ अवसर पर भाई के माथे पर तिलक करते समय इस बात का ध्यान रखें कि भाई का मुख उत्तर या उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर होना चाहिए। वहीं, बहन का मुख उत्तर-पूर्व या पूर्व दिशा की ओर होना चाहिए।

* तिलक के दौरान भाई को लकड़ी की चौकी पर बिठाएं, किसी कुर्सी या फिर खड़े होने के दौरान तिलक न करें।
* टीका करने के बाद भाई की कलाई पर मौली धागा जरूर बांधें और आरती करें।
* भाई दूज के दौरान शुभ मुहूर्त पर ही तिलक की रस्म पूर्ण करें।
* तिलक करने से पहले अपने भाईयों से बहनें उपहार न लें।
* इस दिन भाई और बहन सात्विक भोजन ही करें।
* इस मौके पर मांसाहार से बचें।

अंतिम लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस दिन भाई-बहन आपस में लड़ाई-झगड़ा न करें, क्योंकि यह बहुत ही शुभ दिन होता है।

गोवर्धन पूजा के दिन श्रीकृष्ण को लगाएं 56 भोग, करें इस चालीसा का पाठ

सनातन धर्म में गोवर्धन पूजा का खास महत्व है। यह पांच दिवसीय दीपोत्सव या रोशनी के त्योहार में से एक है, जो दीवाली के बाद आता है। वैदिक पंचांग के अनुसार, इस साल गोवर्धन पूजा 2 नवंबर, 2024 दिन शनिवार को मनाई जाएगी। ऐसी मान्यता है कि जो लोग इस दिन भगवान कृष्ण की पूजा करते हैं, उन्हें सुख और समृद्धि की प्राप्ति होती है। साथ ही सभी प्रकार की समस्याओं से मुक्ति मिलती है, तो आइए इस दिन से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण बातों को जानते हैं।

कान्हा जी को अर्पित करें ये छप्पन भोग

56 भोग की लिस्ट में पंजीरी, माखन-मिश्री, खीर, रसगुल्ला, जलेबी, रबड़ी, जीरा-लड्डू, मालपुआ, मोहनभोग, मूंग दाल हलवा, घेवर, पेड़ा, काजू-बादाम बर्फी, पिस्ता बर्फी, पंचामृत, गोघृत, शक्कर पारा, मठरी, चटनी, मुरब्बा, आम, केला, अंगूर, सेब, आलूबुखारा, किशमिश, पकौड़े, साग, दही, चावल, कढ़ी, चीला, पापड़, खिचड़ी, बैंगन की सब्जी,

दूधी की सब्जी, पूड़ी, टिक्की, दलिया, देसी घी, शहद, सफेद-मक्खन, ताजी क्रीम, कचौरी, रोटी, नारियल पानी, बादाम का दूध, छाछ, शिकंजी, चना, मीठे चावल, भुजिया, सुपारी, सौंफ, पान और मेवा आदि चीजें शामिल हैं। भगवान कृष्ण को इन्हें अर्पित करके आप उनकी पूर्ण कृपा प्राप्त कर सकते हैं।

।।श्री गिरिराज चालीसा।।

बंदहु वीणा वादिनी, धर गणपति कौ ध्यान ।
महाशक्ति राधा सहित, कृष्ण करौ कल्याण ।
सुमिरन कर सब देवगण, गुरु-पितु बारम्बार ।
वरणों श्री गिरिराज यश, निज मति के अनुसार
जय हो जग बंदित गिरिराजा ।
ब्रज मण्डल के श्री महाराजा ।।
विष्णु रूप तुम हो अवतारी ।
सुन्दरता पर जग बलिहारी ।।
स्वर्ण शिखर अति शोभा पावें ।
सुर-मुनिगण दरशन कुं आवें ।।
शांत कंदरा स्वर्ग समाना ।
जहां तपस्वी धरते ध्याना ।।
द्रोणागिरि के तुम युवराजा ।
भक्तन के साधौ हौ काजा ।।
मुनि पुलस्त्य जी के मन भाये ।
जोर विनय कर तुम कूं लाये ।।
मुनिवर संग जब ब्रज में आये ।
लखि ब्रजभूमि यहां ठहराये ।।
बिष्णु-धाम गौलोक सुहावन ।
यमुना गोवर्धन वृन्दावन ।।
देव देखि मन में ललचाये ।
बास करन बहु रूप बनाये ।।
कोउ वानर कोंउ मृग के रूपा ।
कोउ वृक्ष कोउ लता स्वरूपा ।।
आनंद लें गोलोक धाम के ।
परम उपासक रूप नाम के ।।
द्वापर अंत भये अवतारी ।
कृष्णचन्द्र आनंद मुरारी ।।
महिमा तुम्हरी कृष्ण बखानी ।
पूजा करिबे की मन ठानी ।।
ब्रजवासी सब लिये बुलाई ।
गोवर्धन पूजा करवाई ।।
पूजन कूं व्यंजन बनवाये ।
ब्रज-वासी घर घर तें लाये ।।
ग्वाल-बाल मिलि पूजा कीनी ।
सहस्त्र भुजा तुमने कर लीनी ।।
स्वयं प्रकट हो कृष्ण पुजावें ।
माँग-माँग के भोजन पावें ।।
लखि नर-नारी मन हरषावें ।
जै जै जै गिरवर गुण गावें ।।
देवराज मन में रिसियाए ।
नष्ट करन ब्रज मेघ बुलाए ।।
छाया कर ब्रज लियौ बचाई ।
एकऊ बूँद न नीचे आई ।।
सात दिवस भई बरखा भारी ।
थके मेघ भारी जल-धारी ।।
कृष्णचन्द्र ने नख पै धारे ।
नमो नमो ब्रज के रखवारे ।।
कर अभिमान थके सुरराई ।
क्षमा मांग पुनि अस्तुति गाई ।।
त्राहिमाम मैं शरण तिहारी ।
क्षमा करौ प्रभु चूक हमारी ।।
बार-बार बिनती अति कीनी ।
सात कोस परिकम्मा दीनी ।।
सँग सुरभी ऐरावत लाये ।
हाथ जोड़ कर भेंट गहाये ।।
अभयदान पा इन्द्र सिहाये ।
करि प्रणाम निज लोक सिधाये ।।
जो यह कथा सुनें, चित लावें ।
अन्त समय सुरपति पद पावें ।।
गोवर्धन है नाम तिहारौ ।
करते भक्तन कौ निस्तारौ ।।
जो नर तुम्हरे दर्शन पावें ।
तिनके दुःख दूर ह्वै जावें ।।
कुण्डन में जो करें आचमन ।
धन्य-धन्य वह मानव जीवन ।।
मानसी गंगा में जो नहावें ।
सीधे स्वर्ग लोक कूं जावें ।।
दूध चढ़ा जो भोग लगावें ।
आधि व्याधि तेहि पास न आवें ।।
जल, फल, तुलसी-पत्र चढ़ावें ।
मनवांछित फल निश्चय पावें ।।
जो नर देत दूध की धारा ।
भरौ रहै ताकौ भंडारा ।।
करें जागरण जो नर कोई ।
दुःख-दारिद्रय-भय ताहि न होई ।।
श्याम शिलामय निज जन त्राता ।
भुक्ति-मुक्ति सरबस के दाता ।।
पुत्रहीन जो तुमकूं ध्यावै ।
ताकूं पुत्र-प्राप्ति ह्वै जावै ।।
दंडौती परिकम्मा करहीं ।
ते सहजही भवसागर तरहीं ।।
कलि में तुम सम देव न दूजा ।
सुर नर मुनि सब करते पूजा ।।
।।दोहा।।
जो यह चालीसा पढ़े, सुनें शुद्ध चित्त लाय ।
सत्य सत्य यह सत्य है, गिरवर करें सहाय ।
क्षमा करहुँ अपराध मम, त्राहिमाम गिरिराज ।
देवकीनन्दन शरण में, गोवर्धन महाराज ।।
।। श्री गिरिराज चालीसा सम्पूर्ण ।।

गोवर्धन पूजा पर जरूरी है इस कथा का पाठ, इसके बिना अधूरा है व्रत

गोवर्धन पूजा का हिंदू धर्म में बड़ा ही धार्मिक महत्व है। इस पर्व को अन्नकूट के नाम से भी जाना जाता है। यह शुभ दिन भगवान कृष्ण की पूजा के लिए बहुत उत्तम माना जाता है। वैदिक पंचांग के अनुसार, श्री कृष्ण को समर्पित यह पर्व कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि को मनाया जाता है। इस साल गोवर्धन पूजा 2 नवंबर 2024 को मनाई जाएगी।

जिसका लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, तो आइए इस शुभ दिन को और भी खास बनाने के लिए गोवर्धन कथा का पाठ करते हैं, जिससे कृष्ण जी की कृपा प्राप्त हो सके।

गोवर्धन पूजा, तिथि और पूजन समय

हिंदू पंचांग के अनुसार, कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि की शुरुआत 01 नवंबर को शाम 06 बजकर 16 मिनट से होगी। वहीं, इस तिथि का समापन 02 नवंबर को रात 08 बजकर 21 मिनट पर होगा। ऐसे में गोवर्धन पूजा का पर्व 02 को मनाया जाएगा। इस दिन पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 06 बजकर 34 मिनट से 08 बजकर 46 मिनट तक रहेगा।

गोवर्धन पूजा की कथा

सनातन धर्म में गोवर्धन पूजा का खास महत्व है। इस दिन भगवान कृष्ण की पूजा होती है। इस शुभ दिन को लेकर कई पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं। हिंदू धर्मग्रंथ, भागवत पुराण के अनुसार, एक समय की बात जब गोकुलवासी इंद्र देव की पूजा करते थे, लेकिन एक दिन भगवान कृष्ण ने उन्हें भगवान इंद्र की पूजा न करने और गोवर्धन पहाड़ी की पूजा करने के लिए कहा।सभी लोगों ने कृष्ण की बात मानकर अन्नकूट की पूजा प्रारंभ कर दी। इस बात से भगवान इंद्र अति क्रोधित हो गए और उन्होंने मूसलाधार बारिश करना शुरू कर दिया, जिससे गोकुल में कोहराम मच गया। तब भगवान कृष्ण ने गोकुलवासियों को भगवान इंद्र के प्रकोप से बचाने के लिए पूरे गोवर्धन पर्वत को अपनी छोटी उंगली पर उठा लिया था। श्रीकृष्ण की दिव्य शक्तियों को पहचानकर इंद्र देव शांत हो गए और उन्हें अपनी गलती का एहसास हुआ, जिसके लिए उन्होंने क्षमा मांगी और बारिश बंद कर। तभी से गोवर्धन पर्वत की पूजा की शुरुआत हुई।

गोवर्धन पूजा क्यों की जाती है? क्या है अन्नकूट का संबंध? जानें श्रीकृष्ण और वृंदावनवासियों के बीच का संबंध

हिंदू धर्म में हर त्योहार का अपना महत्व माना गया है। दिवाली के अगले दिन गोवर्धन पूजा की परंपरा सदियों से चली आ रही है। हर साल कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि को गोवर्धन पूजा की जाती है। इस दौरान घर के बाहर गोबर से गोवर्धन पर्वत बनाया जाता है और उसकी पूजा की जाती है। गोवर्धन पूजा में गायों की पूजा का भी विशेष महत्व है। इस दिन भगवान कृष्ण ने वृंदावन के लोगों को वर्षा देवता इंद्र के प्रकोप से बचाने के लिए एक दिव्य कार्य किया था।

क्यों मनाया जाता है गोवर्धन पूजा का पर्व?

गोवर्धन पूजा का उत्सव भागवत पुराण में बताई गई पौराणिक कथाओं पर आधारित है। धार्मिक मान्यता है कि भगवान कृष्ण ने वृंदावन के लोगों से कहा कि वर्षा के देवता इंद्रदेव को प्रसाद चढ़ाने के बजाय गोवर्धन पर्वत की पूजा की जाए। जब इंद्रदेव को इस बारे में पता चला तो वे क्रोधित हो गए और उन्होंने वृंदावन पर मूसलाधार बारिश करनी शुरू कर दी। इस बारिश ने जल्द ही भयावह रूप ले लिया। इस बारिश से वृंदावन वासियों को बचाने के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी छोटी उंगली पर पूरा गोवर्धन पर्वत उठा लिया, जिससे लोगों और जानवरों की इस भारी आपदा से रक्षा कर सकें।

7 दिनों के बाद नीचे रखा पर्वत : गोवर्धन पर्वत के नीचे 7 दिन तक सभी वृंदावन के वासी बारिश से बचने के लिए उसकी छाया में रहे। इसके बाद ब्रह्माजी ने इंद्रदेव को बताया कि पृथ्वी पर भगवान विष्णु ने ही श्रीकृष्ण के रूप में जन्म लिया है। ऐसे में उनसे बैर लेना उचित नहीं। ये जानकर इंद्रदेव ने भगवान श्रीकृष्ण से माफी मांगी। फिर भगवान श्रीकृष्ण ने 7वें दिन गोवर्धन पर्वत को नीचे रखा। फिर श्रीकृष्ण ने हर साल गोवर्धन पूजा करके अन्नकूट उत्सव मनाने की आज्ञा दी। तब से लेकर अब तक गोवर्धन पूजा का उत्सव अन्नकूट के नाम से मनाया जाने लगा।

इन गुणों के चलते मां लक्ष्मी श्रीहरि को मान बैठी थीं पति, बेहद रोचक है वजह

हिंदू धर्म में भगवान विष्णु और लक्ष्मी माता की पूजा का विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जो साधक श्रीहरि विष्णु की पूजा भक्तिपूर्ण करते हैं, उन्हें वे प्रसन्न होकर मनचाहा वर प्रदान करते हैं। साथ ही उन जातकों के ऊपर माता लक्ष्मी की कृपा भी बनी रहती है। वहीं, आज हम भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी के विवाह को लेकर कुछ ऐसी रोचक बातें साझा करेंगे, जिसे जानकर आपको हैरानी होगी, तो आइए जानते हैं कि आखिर किन गुणों को देखकर धन की देवी मां लक्ष्मी ने श्रीहरि को अपना पति मान लिया था।

इन गुणों की वजह से मां लक्ष्मी ने किया था नारायण से विवाह

श्रीमद्भागवत पुराण के अष्टम स्कंध में लक्ष्मी माता के श्रीहरि के साथ विवाह को लेकर एक कथा है। इस पुराण में बताया गया है कि माता लक्ष्मी यह चाहती थीं कि किसी ऐसे उत्तम गुणों से युक्त पुरुष से उनका विवाह हो, जिनमें कोई कमी न हो, लेकिन इस पूर्ण जगत में उन्हें ऐसा कोई नहीं मिला, जो उन्हें पसंद आए।

हालांकि बहुत इंतजार और तलाश के पश्चात लक्ष्मी जी को वे सभी गुण जगत के पालनहार भगवान विष्णु में दिखाई दिए। इसलिए उन्होंने वर के रूप में विष्णु जी को चुन लिया। भगवान विष्णु में धर्म, प्रेम, त्याग और ऐश्वर्य आदि के गुण हैं। वे अनासक्त हैं। उन्होंने क्रोध और काम पर विजय प्राप्त कर ली है। उनके पास धर्म और प्रेम दोनों है।उनका ऐश्वर्य दूसरों पर आश्रित नहीं है। उनका मन सरल है। वे सृष्टि का पालन-पोषण करने वाले उदारमना हैं। यही वजह है कि धन की स्वामिनी ने उन्हें अपने स्वामी के रूप में स्वीकार कर लिया था।

देवी लक्ष्मी की कृपा हेतु करें ये कार्य

अगर आप मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त करना चाहते हैं, तो आपको उनकी श्रीहरि के साथ आराधना करनी चाहिए, क्योंकि मां वहां पर सदैव के लिए विराजमान होती हैं, जहां पर उनके साथ विष्णु जी की पूजा होती है। इसके साथ ही पूजा-पाठ और दान-पुण्य से जुड़े रहना चाहिए, क्योंकि यही वह चीजें हैं, जिससे आप देवी की कृपा प्राप्त कर सकते हैं।

इसके अलावा हरिप्रिया के इस मंत्र ''ॐ भूरिदा भूरि देहिनो, मा दक्षं भूर्या भर भूरि घेदिन्द्र दित्ससि । ॐ भूरिदा त्यसि श्रुतः पुरुत्रा शूर वृत्रहन् । आ नो भजस्व राधसि ।।'' का जाप करना चाहिए। इससे धन में वृद्धि होती है।

एडवांस बुकिंग में सिंघम अगेन पर भारी पड़ रही भूल भुलैया 3

बॉलीवुड की दो बड़ी फ्रेंचाइजी की फिल्में सिंघम अगेन और भूल भुलैया 3 इस दिवाली पर एक साथ रिलीज होने जा रही है। सिंघम अगेन रोहित शेट्टी की मल्टी स्टारर फिल्म है जिसमें अजय देवगन लीड रोल में हैं वहीं भूल भुलैया 3 में कार्तिक आर्यन लीड रोल में हैं। दोनों ही फिल्में 1 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। दोनों फिल्मों की कुछ सिनेमाघरों में एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है। आइए जानते हैं कितनी है दोनों फिल्मों की प्रीसेल।दोनों फिल्मों के लिए एडवांस बुकिंग शुरू हो गई है, लेकिन ये सीक्वेंस वाइज होगी और शुरुआत में केवल चुनिंदा पीवीआर-आईएनअ-ॊएक्स में ही होगी। इंडस्ट्री ट्रैकर सैकनिल्क के अनुसार भूल भुलैया 3 की प्री सेल सिंघम अगेन से एक दिन पहले शुरू हुई थी इसने 29 अक्टूबर को सुबह 3 बजे तक 34289 टिकटें बेच दी हैं, जिससे कुल 88।02 लाख रुपये की कमाई हुई है। इस बीच सिंघम अगेन की एडवांस बुकिंग भी शुरू हो गई जिसने कुछ घंटों के अंदर ही 18।46 लाख रुपये की 4901 टिकट बेचे हैं। ये शुरुआती आंकड़े ब्लॉक सीटों और ट्रैक किए गए शो को दर्शाते हैं।स्क्रीन स्पेस की लड़ाई में दोनों फिल्मों के बीच होड़ देखने को मिली और इसके परिणामस्वरूप, प्रीसेल सामान्य से देर से शुरू हुई। सिंघम अगेन को अलग-अलग जगहों पर टोटल शोकेसिंग का 56त्न हिस्सा मिलेगा, जबकि भूल भुलैया 3 को 46% हिस्सा मिलेगा, यह एक ऐसा विभाजन है जो आने वाले दिनों में सिनेमाघरों द्वारा धीरे-धीरे ज्यादा प्रीमियम और इंडिपेंडेंट स्क्रीन खोलने के साथ विकसित हो सकता है।

सिंघम अगेन को रोहित शेट्टी ने डायरेक्ट किया है इसमें अजय देवगन ने लीड रोल प्ले किया है। वहीं अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ, करीना कपूर, रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोणस, अर्जुन कपूर जैसे कलाकार इसमें अहम रोल प्ले कर रहे हैं। वहीं भूल भुलैया 3 में कार्तिक आर्यन लीड रोल में हैं वहीं विद्या बालन, माधुरी दीक्षित, तृप्ति डीमरी, विजयराज जैसे कलाकार अहम रोल प्ले कर रहे हैं। दोनों फिल्में दिवाली के मौके पर 1 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

जबरदस्त एक्शन और सस्पेंस से भरपूर सिटाडेल हनी बनी

वरुण धवन और सामंथा रुथ प्रभु का दिखा धांसू अवतार

पिछले लंबे समय से वरुण धवन और सामंथा रुथ प्रभु अपनी आने वाली वेब सीरीज सिटाडेल हनी बनी को लेकर चर्चा में हैं।यह प्रियंका चोपड़ा की अमेरिकी ड्रामा वेब सीरीज सिटाडेल का भारतीय संस्करण है, जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।अब निर्माताओं ने सिटाडेल हनी बनी का नया ट्रेलर जारी कर दिया है, जो जबरदस्त एक्शन और सस्पेंस से भरपूर है।ट्रेलर में वरुण और सामंथा जबरदस्त एक्शन करते हुए नजर आ रहे हैं।सीरीज के ट्रेलर की शुरुआत सामंथा द्वारा हमलावरों से अपनी बेटी को बचाने की जद्दोजहद के साथ होती है। अभिनेत्री बेटी के कानों में हेडफोन लगाने और उसे सुरक्षित रखने के लिए एक ट्रंक में छिपाती हैं।इसके बाद ट्रेलर में पता चलता है कि सामंथा को वरुण ने जासूस बनने की ट्रेनिंग दी थी, जो एक स्टंट आर्टिस्ट है। एक दिन वरुण, सामंथा के घर जाता है। किसी बात पर उनके बीच लड़ाई हो जाती है और इसके बाद सामंथा उसे बताती है कि वह उसकी बेटी का पिता है और उससे मिलवाती है।सिटाडेल: हनी बनीळ सीरीज का निर्देशन राज एंड डीके (राज निदिमोरु और कृष्णा डीके) ने किया है और इसे सीता आर मेनन ने राज एंड डीके के साथ मिलकर लिखा है। इस सीरीज में वरुण धवन और सामंथा रुथ प्रभु के साथ केके मेनन, सिमरन, साकिब सलीम, सिकंदर खेर, सोहम मजूमदार, शिवांकित परिहार और काशवी मजूमदार भी अहम रोल में हैं।सिटाडेल: हनी बनी हॉलीवुड में बनी सीरीज सिटाडेल की कॉपी है। सिटाडेल में प्रियंका चोपड़ा जोनस और रिचर्ड मैडेन मुख्य भूमिका में नजर आए थे। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान सामंथा रुथ प्रभु ने कहा था कि यह सीरीज दिखावटी नहीं है और हाई-टेक गैजेट्स और तकनीक से भरपूर है।उन्होंने कहा कि सीरीज के हर एक कैरेक्टर वास्तव में भरोसेमंद हैं, जो कि असाधारण परिस्थितियों में रखे गए सामान्य लोग हैं।अभिनेत्री ने आगे कहा सिटाडेल ने मुझे बहुत आकर्षित किया। मेरा यह भी मानना है कि शो

को नब्बे के दशक में सेट करना एक शानदार कदम था।वरुण और सामंथा के अलावा वेब सीरीज सिटाडेल हनी बनी में केके मेनन, सिमरन, साकिब सलीम, सिकंदर खेर, सोहम मजूमदार, शिवांकित परिहार और काशवी मजमुंदर जैसे सितारों ने भी अपनी अदाकारी का तड़का लगाया है।इस सीरीज का प्रीमियर 7 नवंबर, 2024 से ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर होने जा रहा है।इसके निर्देशक की कमान राज और डीके ने संभाली है, वहीं सीरीज की कहानी भी इन्होंने ही लिखी है।

नाना पाटेकर की वनवास 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी

पिछले लंबे समय से दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर अपनी आगामी फिल्म वनवास को लेकर चर्चा में हैं, जिसके निर्देशन की कमान गदर और गदर 2 के निर्देशक अनिल शर्मा ने संभाली है।इस फिल्म में अनिल के बेटे और अभिनेता उत्कर्ष शर्मा भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।अब वनवास का टीजर रिलीज हो गया है, जिसे प्रशंसक खूब पसंद कर रहे हैं। इस फिल्म की कहानी एक पिता और बेटे के रिश्ते पर आधारित है।वनवास इस साल क्रिसमस के खास मौके पर यानी 20 दिसंबर, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का सामना वरुण धवन और एटली की फिल्म बेबी जॉन से होगा, जो इस साल 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में

पिता और बेटे के रिश्ते पर आधारित है कहानी

रिलीज होगी।वनवास में पाटेकर और उत्कर्ष के अलावा खुशबू सुंदर, राजपाल यादव, सिमरत कौर रंधावा, मनीष वाधवा और अश्विनी कालसेकर समेत कई और कलाकार भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे।फिल्म में नाना पाटेकर और उत्कर्ष शर्मा का अभिनय एक बार फिर से दर्शकों को मनोरंजन देने का वादा करता है। टीजर से सामने आया फिल्म का हर संवाद दिल को छू जाता है।अनिल शर्मा की बेहतरीन कहानी और दमदार कलाकारों की टीम वनवास को शानदार तरीके से दर्शकों के सामने पेश करती है।

अनिल शर्मा 2023 में आई अपनी ब्लॉकबस्टर गदर 2 के साथ वापस लौटे हैं। सनी देओल और उत्कर्ष शर्मा की गदर 2 ने दुनिया भर में धूम मचा दी और बॉक्स ऑफिस पर कमाल दिखाने में कामयाब रही।गदर 2 हर मामले में कमाल रही। इस फिल्म ने सनी देओल के साथ अमीषा पटेल के करियर में नई जान फूंक दी। सनी देओल जल्द ही लाहौर 1947 में नजर आएंगे।

फेम के लिए मन्नारा ने लिया चोपड़ा सरनेम

आपको भी बता दे कि ये प्रियंका और परिणीति चोपड़ा की ही फ़ैमिली से आती हैं। मन्नारा- परिणीति और प्रियंका की ही कजिन सिस्टर हैं और बहनों की तरह की एक ऐक्टर भी लेकिन मनारा साउथ मूवीज की फेमस हिरोइन है। नहीं मिली बहन प्रियंका- परी जैसी सक्सेस बॉलीवुड में भी उन्होंने एंट्री ली थी लेकिन बहनों जैसे उनको सक्सेस नहीं मिल पाई। प्रियंका और परिणीति ने जहां बॉलीवुड में जगह बनाई, वहीं मनारा, साउथ इंडस्ट्री में ज्यादा फेमस रही हैं और अब वह बिग बॉस के घर में अपनी जगह बनाए हुए है हालांकि उन्हें वह ओवर एक्टिंग की क्वीन भी कहते हैं और इन दिनों तो वो अंकिता से लड़ाई करने की वजह से लाइमलाइट में है। चलिए मनारा की ज़िंदगी के कुछ षरलीी आपको बताते हैं।

मन्नारा भी पंजाब के अंबाला में ही 25 मई, 1991 को पैदा हुई हैं हालांकि मन्नारा की पढ़ाई दिल्ली से हुई हैं। मनारा का शायद आप रियल नेम नहीं जानते। मनारा का रियल नेम बार्बी हांडा है। फ़िल्मों में उन्होंने अपना नाम चेंज किया है। उन्होंने बीबीए की पढ़ाई करने के बाद फैशन डिजाइनर का कोर्स किया। मन्नारा , प्रियंका के पिता की बहन की बेटी हैं, यानी की वह प्रियंका की बुआ की बेटी लगती हैं। इस तरह से प्रियंका- परिणीति, उनकी ममेरी बहनें हुई। फिल्मों में आने से पहले मन्नारा ने मॉडलिंग से शुरुआत की थी और कई विज्ञापनों में भी काम किया। मनारा कत्थक डांसर भी है और इसके साथ वह हिप-हॉप, बैले और बॉलीवुड डांस भी जानती हैं। वह डाबर आमला हेयर ऑयल जैसी कई एड्स में नजर आ चुकी हैं। वह कोरियोग्राफर असिस्टेंट और फैशन डिजाइनर के तौर पर भी काम कर चुकी हैं। साल 2016 में उन्होंने इंडिया इंटरनेशनल जैज़ इवेंट को होस्ट किया था और रैंप पर बतौर शोस्टॉपर वॉक भी कर चुकी हैं।

बॉलीवुड में एंट्री लेते हुए साल 2014 में उन्होंने फिल्म जिद्द से डेब्यू किया था जो फ्लॉप रही, लेकिन फिल्म के गाने सुपरहिट रहे। इस फिल्म में उन्होंने काफी बोल्ड सीन दिए थे। साउथ फिल्मों में भी वो बोल्ड सीन्स के लिए फेमस रही हैं जिनसे मनारा को कोई आपत्ति नहीं रही। वह कुछ हिंदी फिल्मों में काम कर चुकी हैं, लेकिन खास तो वह तेलुगु फिल्मों में ही काम करती दिखी हैं। मनारा का किस को लेकर भी एक विवाद रहा। उन्होंने बिग बॉस 17 के ग्रैंड प्रीमियर पर सलमान खान को इस पर सफाई भी दी है। दरअसल, उनका एक वीड़ियो वायरल हो रहा था जिसमें डायरेक्टर बिना उनकी इजाजत गाल पर किस करते दिखे थे, इसके बाद वीडियो का वायरल हुई था। मनारा का इस वायरल वीडियो पर कहना है कि वो निर्देशक, उन्हें बेटी जैसे मानते थे और उनका अटेंशन गलत नहीं था लेकिन पब्लिक के सामने वो गलत तरीके से गया। मनारा ने हाल ही में वेब सीरीज में भी डेब्यू कर लिया है । नेटवर्थ की बात करें तो रिपोर्ट्स के मुताबिक मन्नारा की नेटवर्थ 10 करोड़ रु. है अपनी बहनों के मुताबिक तो ये काफ़ी कम है लेकिन मनारा धीरे-धीरे ग्रो कर रही हैं।

भोजपुरी अदाकारा आकांक्षा पुरी ने ब्लू बिकिनी में गिराई बिजली

साउथ और टीवी इंडस्ट्री में अपनी अदाओं से राज करने वाली एक्ट्रेस आकांक्षा पुरी आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने टीवी शो मीका दी वोटी में खूब लाइमलाइट बटोरी थी। इन सबके अलावा वो सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। खुद से जुड़े अपडेट्स शेयर करती रहती हैं।अदाकारा आकांक्षा पुरी ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर एक बेहद हॉट और बोल्ड वीडियो शेयर किया है, जिसने उनके फैंस को दीवाना बना दिया है। इस वीडियो में आकांक्षा ब्लू बिकिनी में स्विमिंग पूल में बेहद कातिलाना अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं। उनके खुले बाल और सन ग्लासेस उनके लुक को और भी आकर्षक बना रहे हैं। आकांक्षा के इस वीडियो को देखकर उनके फैंस उनके लुक की जमकर तारीफ कर रहे हैं। फैंस ने कमेंट्स में आकांक्षा को बेहद खूबसूरत और हॉट बताया है। कुछ फैंस ने तो उन्हें ब्लू बिकिनी बेबी तक कह डाला है।आकांक्षा पुरी की वीडियो पर लोग जमकर कमेंट्स कर रहे हैं। फोटोज में उनके एब्स को देखकर नेटिजन्स काफी एक्साइटेड हो गए हैं। यहां तक कि सेलेब्स भी खूब कमेंट्स कर एब्स की तारीफ कर रहे हैं। आकांक्षा के इस फोटोशूट ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है और यह तेजी से वायरल हो रहा है। 26 जुलाई, 1988 को इंदौर, मध्य प्रदेश में जन्मी आकांक्षा पुरी आज सफल एक्ट्रेस और मॉडल हैं। उन्होंने मीका सिंह के शो मीका दी वोटी से काफी सुर्खियां बटोरी थी। इस शो में मीका संग उनकी कैमिस्ट्री खूब चर्चा में रही थी।

दिवाली पर मुस्लिम महिलाओं ने उतारी भगवान राम की आरती

वाराणसी, 01 नवंबर (एजेंसियां)। दीपावली पर्व पर लमही स्थित सुभाष भवन में मुस्लिम महिलाओं ने भगवान राम की आरती उतारी। अपने हाथों से रंगोली भी बनाई। मुस्लिम महिला फाउंडेशन एवं विशाल भारत संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में जुटी मुस्लिम महिलाओं ने दीपावली के नाम पर नफरत फैलाने वालों को बड़ा संदेश भी दिया।

मुस्लिम महिलाओं ने भगवान श्रीराम की प्रतिमा को पुष्पों से सजाया और उर्दू में लिखी राम आरती का गायन करते हुए भगवान की आरती उतारी। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि पातालपुरी मठ के महंत बालक दास ने कहा कि भगवान राम ने सबको ह्रदय से लगाया और सबको स्वीकार किया। इसलिए प्रत्येक देश को अपने यहां राम के महान आदर्शों को अपना कर शांति स्थापित करें और नैतिक बल पर मानवता की रक्षा करें। मुस्लिम महिलाओं का यह प्रयास दिलों को जोड़ने वाला है।

मुस्लिम महिला फाउंडेशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष नाज़नीन अंसारी ने कहा कि शांति स्थापना के लिये अनिवार्य शर्त भगवान श्रीराम के आदर्श और रामराज्य हैं। रामराज्य की परिकल्पना लोगों को भेदभाव से मुक्त कर सकती है और सबको गले से लगाकर स्वीकार कर सकती है। इजराइल और फिलिस्तीन दोनों को भगवान श्रीराम के रास्ते पर चलना चाहिए। यदि भारत का मुसलमान सबके बीच में प्रिय होना चाहता है तो अपने घरों में राम के चरित्र की शिक्षा दे। मजहब केवल अलग है लेकिन भारत का हर मुसलमान पूर्वजों, परम्पराओं और संस्कृति से एक ही है। भगवान राम ही पूरी दुनिया के पूर्वज हैं। उनके रास्ते पर चलकर ही दिलों में प्रेम और भावना विकसित होगी।

विशाल भारत संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजीव ने कहा कि हिंदू और मुसलमानों के दिलों के बीच प्रेम और सद्भावना का रामसेतु बनाना होगा। प्रभु श्रीराम को लेकर दुनिया के लोग विचार कर रहे हैं।

अपने परिवार और देश को बचाने के लिए राम नाम का ही सहारा है। प्रेम, शांति और रिश्तों को मजबूत करने के लिये बचपन से राम के चरित्र की शिक्षा दे ताकि बच्चे भी अपने माता-पिता और बुजुर्गों की सेवा को अपना कर्तव्य समझें। राम के सिवा दुनिया के पास अब कोई रास्ता नहीं बचा है। हिंदू मुस्लिम संवाद केंद्र की चेयरपर्सन डॉ नजमा परवीन ने कहा कि नफरत को खत्म करने वाली संस्कृति सिर्फ भारत की संस्कृति है क्योंकि यहां की आत्मा में राम बसते हैं। जो देश या व्यक्ति राम से दूर होगा उसकी दुर्गति निश्चित है। कार्यक्रम में डॉ. अर्चना भारतवंशी, डॉ. मृदुला जायसवाल, आभा भारतवंशी, खुर्शीदा बानो, रौशन जहां, नूरजहां, हफिजुन्निशा, अजीजुन्निशा, सायना, नरगिस, रुकैया बीबी, जुलेखा बीबी आदि ने भागीदारी की।

मुस्लिम महिलाओं ने कहा, दीपावली का पर्व किसी एक धर्म तक सीमित नहीं है और अंधेरे पर रौशनी की जीत तो हर कोई मनाता है। मुस्लिम महिलाओं ने वाराणसी में इसका अनूठा उदाहरण पेश किया। मुस्लिम महिलाओं ने पूरी श्रद्धा के साथ प्रभु श्रीराम की आरती उतारी, उनके नाम के दीप प्रज्वलित किए। वाराणसी के लमही में मुस्लिम महिला फाउंडेशन पिछले कई साल से इसी तरह दिवाली का त्यौहार मनाता आ रहा है।

इस कार्यक्रम की जो तस्वीरें सामने आई हैं, जो वीडियो हुए हैं, उनमें मुस्लिम महिलाओं ने अपने हाथों पर खूबसूरत रंगोली भी लगा रखी हैं, उनकी तरफ से उर्दू में ही भगवान की राम की आरती की जा रही है। उन महिलाओं ने पूरी दुनिया को शांति का संदेश दिया है, राम के रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित किया है। इस समय क्योंकि रूस-यूक्रेन युद्ध जारी है, इजरायल और हमास में भी जंग छिड़ी है, ऐसे में इन मुस्लिम महिलाओं ने उन सभी देशों से भगवान राम के संदेश को समझने की अपील की है। उनका मानना है कि अगर राम का रास्ता समझ लिया गया तो युद्ध रुक जाएगा। मुस्लिम महिलाओं का यहां तक मानना है कि रामराज्य की जो परिकल्पना की गई है, वो सभी लोगों को भेदभाव से मुक्त करती है, सभी को गले लगाने की बात करती है। ऐसे में इजरायल और फिलिस्तीन जैसे देशों को भी उन्हीं के रास्ते पर चल देना चाहिए। वैसे इस समय इन मुस्लिम महिलाओं की राम आरती भी चर्चा का विषय बन गई है। उनकी उस आरती ने साबित कर दिया है कि भगवान राम कोई एक धर्म तक सीमित नहीं हैं।

छोटे मदरसों में अवैध फंडिंग की एटीएस ने शुरू की जांच

उत्तर प्रदेश के 473 मकतब कानून के घेरे में

लखनऊ, 01 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर और कैराना में मकतबों (छोटे मदरसे) में हो रही अवैध फंडिंग की जांच शुरू कर दी है। एटीएस मकतबों की कुल सम्पत्ति और उनकी फंडिंग समेत कुल आठ बिंदुओं पर पूछताछ कर रही है।

प्रदेश के 473 मकतबों की जांच की जा रही है। इनमें से अधिकांश मकतब बिना मान्यता के संचालित हो रहे हैं।

कुछ दिन पहले ही मुख्यालय ने सहारनपुर मंडल के 473 मकतबों की जांच के आदेश दिए थे। इसके साथ ही अब शामली और मुजफ्फरनगर के मकतब भी जांच के दायरे में हैं। इसकी जिम्मेदारी एटीएस देवबंद को दी गई है। जो मकतब जांच के घेरे में हैं उनमें शामली के 190, मुजफ्फरनगर के 165 और सह-ारनपुर के 118 मकतब शामिल हैं। जांच के लिए जिला अल्पसंख्यक अधिकारियों से रिकॉर्ड मांगे गए हैं।

एटीएस देवबंद की टीम ने सहारनपुर शहर के कई मकतबों पर जाकर जांच की। एटीएस की एक टीम शामली के कैराना भी गई और वहां के मकतबों में जांत पड़ताल की। पानीपत मार्ग पर स्थित मदरसा फलाहुल मुबीन और मदरसा फैज मसीहुल उम्मत में जाकर उसके संचालकों से एटीएस ने जानकारी हासिल की। टीम ने मदरसा संचालकों से इन मदरसों में पंजीकृत छात्र एवं छात्राओं की संख्या, इंफ्रास्ट्रक्चर, उनकी आय के स्रोत आदि के बारे में जानकारी हासिल की और जरूरी रिकॉर्ड खंगाले। इसके अलावा, एटीएस की टीम ने कस्बे के अलग-अलग मोहल्लों में स्थित करीब आधा दर्जन मकतब (छोटे मदरसों) की लगभग 6 घंटे तक गहन जांच-पड़ताल की।

शुरुआती जांच में कई मकतबों में खामियां पाई गई हैं, साथ ही उनके वित्तीय लेन-देन में भी संदेहजनक गतिविधियां देखी गई हैं। इस संबंध में राज्य सरकार को रिपोर्ट भेज दी गई है। इससे पहले, उत्तर प्रदेश सरकार ने पूरे राज्य में मदरसों का व्यापक सर्वेक्षण कराया था, जिसके तहत कई गैर-मान्यता प्राप्त मदरसों को बंद कर दिया गया था। सहारनपुर मंडल के अलावा पूर्वी उत्तर प्रदेश में आने वाले गोंडा जिले में भी कई मकतब चलते पाए गए हैं। यहां के अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने अपने जिले में चल रहे 20 मकतबों को बंद करने की सिफारिश शासन को भेजी है। यहां कुल 286 मकतब चलते पाए गए हैं जिसमें 19 गैर-मान्यता प्राप्त हैं। प्रदेश के हर जिले में अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारियों से मकतबों की जांच में सहयोग करने के लिए कहा गया है।

18 सितंबर 2022 को शासन के निर्देश पर शामली में स्थानीय प्रशासन ने गैर-मान्यता प्राप्त मदरसों का भौतिक सत्यापन कराया था। टीम में अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी और एसडीएम कैराना शामिल थे। इस दौरान मदरसों में शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं की संख्या, इंफ्रास्ट्रक्चर, आय के साधनों समेत कुल 11 बिंदुओं पर सर्वे किया गया था, जिसकी रिपोर्ट लखनऊ भेजी गई थी।

अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रिंका को सरकार देगी आर्थिक मदद

सीएम योगी से मिली किक बॉक्सर रिंका सिंह चौधरी

गोरखपुर, 01 नवंबर (एजेंसियां)। गत दो माह में विश्व कप और एशियन किक बॉक्सिंग में सिल्वर मेडल जीतने वाली गोरखपुर की रिंका सिंह चौधरी को आगामी अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं के लिए योगी सरकार आर्थिक मदद देगी। गोरखनाथ मंदिर में रिंका से मुलाकात करने के बाद इस संबंध में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देशित किया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय किक बॉक्सर को भरोसा दिया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए सरकार धन की कमी आड़े नहीं आने देगी।

गोरखपुर के खोराबार क्षेत्र स्थित गौरी मंगलपुर निवासी रिंका सिंह चौधरी ने 24 से 29 सितंबर तक उज्बेकिस्तान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय किक बॉक्सिंग विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल जीता। साथ ही उन्होंने कम्बोडिया में 6 से 13 अक्टूबर में आयोजित एशियन किक बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भी सिल्वर मेडल अपने नाम किया। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में अपने जीते इन दोनों मेडल के साथ रिंका सिंह चौधरी ने शुक्रवार को गोरखनाथ मंदिर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने रिंका के मेडल देखकर खूब उत्साह बढ़ाया और शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी।

मुलाकात के दौरान इस अंतरराष्ट्रीय किक बॉक्सर ने आगामी इंटरनेशनल टूर्नामेंट्स के लिए आर्थिक दिक्कत का जिक्र कर सहायता का अनुरोध किया। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि किसी भी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन पैसे की कमी से बाधित नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि रिंका की पूरी मदद की जाए। सीएम योगी ने रिंका को उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद देते हुए यह मंगलकामना की कि आगामी अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में वह गोल्ड मेडल जीतें।

शहीदों की स्मृति में रौशनी से नहाया भीम सरोवर

एक दीया शहीदों के नाम पर प्रज्ज्वलित हुए 11000 दीप

गोरखपुर, 01 नवंबर (एजेंसियां)। दीपावली के अगले दिन शुक्रवार को शहीदों की याद में गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित भीम सरोवर रोशनी से नहा उठा। यूं लगा मानो दीपकों की लौ देश के लिए प्राणों को न्योछावर कर देने वाले बलिदानियों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित कर रही हो। मंदिर के भीम सरोवर क्षेत्र में पहला दीपक मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने प्रज्ज्वलित किया और इसके बाद मुक्ताकाशी मंच पर अमर बलिदानियों के चित्र पर पुष्पार्चन कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

अवसर था शुक्रवार देर शाम गोरखनाथ मंदिर परिसर में एक दीया शहीदों के नाम कार्यक्रम का।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा भीम सरोवर के समीप दीप जलाकर और मुक्ताकाशी मंच पर शहीदों के चित्र पर पुष्पार्चन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किए जाने के साथ ही परिसर 11000 दीपों की आभा से जगमग हो उठा। भोजपुरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया (भाई) की तरफ से आयोजित इस कार्यक्रम में प्रज्ज्वलित दीयों की जगमग अद्भुत लग रही थी।

दीपों के प्रज्ज्वलित होने के बाद मंदिर परिसर के मुक्ताकाशी मंच पर सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री के समक्ष देशभक्ति और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद पर केंद्रित गीतों, नृत्य की प्रस्तुतियों ने जोश का संचार कर दिया। डॉ. राकेश श्रीवास्तव के संयोजन में शहीदों की याद में कार्यक्रम का शुभारम्भ संदीप पांडेय की टीम ने गणेश वंदना से की।

तत्पश्चात् श्रुति कसौधन ने प्रसिद्ध गीत ऐ मेरे वतन के लोगों की प्रस्तुति से पूरे माहौल को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। सा-त्विका ने बहुत ही भावपूर्ण देशभक्ति नृत्य प्रस्तुत किया। सारिका राय के निर्देशन में बच्चों द्वारा उत्कृष्ट देशभक्ति समूह नृत्य की प्रस्तुति की गई। वीर सेन सूफी द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति गीत पर सभी लोग झूम उठे।

विकास मिश्रा की भजन प्रस्तुति भी सराहनीय रही। संचालन शिवेंद्र पांडेय ने किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को 'भाई' के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राकेश श्रीवास्तव, संरक्षक ध्रुव श्रीवास्तव, सुरेश श्रीवास्तव, राकेश मोहन एवं पूनम सिंह द्वारा भगवान राम की प्रतिमा भेंट की गई।

बुंदेलखंड को एग्रो उत्पाद का केंद्र बनाने की तैयारी

बरुआसागर के अदरक को मिलेगा जीआई टैग

झांसी, 01 नवंबर (एजेंसियां)। बुंदेलखंड में कृषि और बागव-ानी को प्रोत्साहित कर उत्तर प्रदेश की योगी सरकार यहां के किसानों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजार से जोड़ने की कवायद कर रही है। योगी सरकार और नाबार्ड के संयुक्त प्रयासों से झांसी के एफपीओ को कठिया गेहूं का जीआई टैग हासिल हुआ है। अब झांसी जिले के ही एक एफपीओ के माध्यम से अदरक को जीआई टैग दिलाने के लिए आवेदन दाखिल किया गया है। उम्मीद है कि आने वाले कुछ समय में जीआई टैग मिल जाने के बाद यहां के अदरक उत्पादकों को बेहतर बाजार और मूल्य मिलने के साथ ही अदरक के उत्पादन में भी बढोतरी होगी।

जीआई टैग यानी जियोग्राफिकल इंडिकेशन टैग किसी क्षेत्र विशेष के खास उत्प-ादन या उपज को मान्यता प्रदान करता है। झांसी के एफपीओ के माध्यम से नाबार्ड और उद्यान विभाग ने प्रस्ताव तैयार कराकर आवेदन दाखिल कराया है। जीआई टैग का प्रस्ताव विशेषज्ञ की मदद से तैयार किया गया है। आवेदन का परीक्षण होने के बाद इसे जीआई टैग मिल जाएगा और कठिया गेहूं की तरह अदरख की पहचान भी बुंदेलखंड क्षेत्र की एक बड़ी उपलब्धि साबित होगी। उत्पादन की गुणवत्ता के मानकीकरण के कारण यहां के उत्पाद को बेहतर मूल्य हासिल होगा और इसकी डिमांड बढ़ जाएगी। बरुआसागर और आसपास के क्षेत्रों में काफी संख्या में किसान अदरख की खेती करते रहे हैं। इनकी संख्या बढ़ाने पर भी सरकार का जोर है।

नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक भूपेश पाल ने बताया कि झांसी के एक एफपीओ के माध्यम से अदरक के जीआई टैग के लिए आवेदन किया गया है। नाबार्ड और उद्यान विभाग मिलकर इस काम में मदद प्रदान कर रहा है। जीआई का प्रस्ताव तैयार करने के लिए विशेषज्ञ की मदद ली गई है। अदरक को जीआई टैगिंग दिलाने के लिए आवेदन दाखिल कर दिया गया है।

कट्टरपंथियों ने शिवलिंग और नंदी की प्रतिमा तोड़ी, इलाके में तनाव

लखनऊ, 01 नवंबर (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ से सटे मलिहाबाद के ढेकवा गांव में कट्टरपंथियों ने शिवलिंग और नंदी की प्रतिमा खंडित कर माहौल बिगाड़ने का प्रयास किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

कट्टरपंथियों सौ साल पुराने मंदिर में स्थापित शिवलिंग और नंदी की मूर्ति को खंडित करके नहर में फेंक दिया। जब ग्रामीण पूजा के लिए पहुंचे तो घटना का पता चला। सीसीटीवी कैमरे की मदद से आरोपियों के बारे में पता लगा रही है। कसमंडी चौकी के अंतर्गत ग्राम ढकवा गांव में देश की आजादी के काफी पहले से बने शिव मंदिर में कट्टरपंथियों द्वारा की गई इस करतूत से ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। पुलिस ने ग्रामीणों को कार्रवाई का आश्वासन दिया। छानबीन के दौरान मंदिर से कुछ दूरी पर स्थित नहर में दोनों खंडित शिवलिंग व मूर्ति पड़ी मिली। पुलिस मंदिर के निकट बने पंजाब सिंध बैंक के सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपियों के बारे में पता लगा रही है। कसमंडी चौकी इंचार्ज संजीव कुमार ने बताया कि त्यौहार में माहौल बिगाड़ने की कोशिश की गई है। मूर्तियां बरामद कर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच की जा रही है। मुकदमा दर्ज किया गया है।

सोशल मीडिया

करियर के नए विकल्प

टेक्नोलॉजी के बढ़ते दायरे ने न सिर्फ लोगों की जीवन शैली में भारी बदलाव किया है, बल्कि इसी से जुड़े ऐसे करियर ऑप्शंस भी सामने रखे हैं, जिनके बारे में आज से कुछ साल पहले शायद ही किसी ने सोचा होगा। युवाओं की पहुंच में हर वक्त रहने वाला सोशल मीडिया हो या फिर इन सोशल मीडिया को अपना बनाने वाले नए-नए एप्स। यही कारण है कि करियर के नए विकल्प तेजी से अपनी जगह बना रहे हैं।

मोबाइल एप्लिकेशन मैनेजर

एप्लिकेशंस बाजार प्रतिदिन तेज रफ्तार के साथ बढ़ रहा है। एप्लिकेशंस की लोकप्रियता और उत्पाद बढ़ने तथा ज्यादा से ज्यादा टैबलेट एवं स्मार्टफोन का इस्तेमाल होने से एप्लिकेशंस को खरीदने का काम भी बढ़ रहा है। इस कारण इस सेक्टर में रोजगार की संभावनाएं बढ़ रही हैं। वर्तमान स्थिति को देखें तो आने वाले दो साल के दौरान एप्लिकेशन बाजार देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। प्रोग्रामिंग कुशलताओं वाले आईटी प्रोफेशनलों के लिए इन ताजा संभावनाओं ने करियर को नया आयाम दे दिया है। मांग का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अकेले एप्पल ने जहां साल 2010 में 1.78 अरब डॉलर की एप्लिकेशंस बेचीं, वहीं अगले वर्ष ही ग्लोबल मोबाइल एप्लिकेशंस बिक्री का आंकड़ा 4 अरब डॉलर तक दर्ज किया गया।

एक वेबसाइट के मुताबिक, बीते दो साल में अगर नजर दौड़ाए तो पाएंगे कि शुरू के वर्ष की ही पहली तिमाही में 4,500 मोबाइल डेवलपर्स के पद अस्तित्व में आए, जो कि पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 101 फीसदी से अधिक है। नौकरियों के लिए वेबसाइट का इस्तेमाल करने वालों की संख्या में इस अवधि के दौरान 52 फीसदी का इजाफा दर्ज किया गया है, जो इस ओर इशारा करता है कि कुल रोजगार बाजार में मोबाइल एप्लिकेशंस डेवलपमेंट सेग्मेंट की वृद्धि दोगुनी है। मोबाइल उद्योग में एप्लिकेशंस का डिजाइन और डेवलपमेंट एक क्रांति के समान रहा है, इसीलिए मोबाइल फोन और एप्लिकेशंस डिजाइन एवं डेवलपमेंट क्षेत्र में कारोबार व रोजगार दोनों के बढ़ने की संभावनाएं मौजूद हैं। आईओएस, एंड्रॉयड व अन्य ऑपरेटिंग सिस्टम पर चलने वाली एप्लिकेशंस की बढ़ती मांग ने स्मार्ट फोन तथा अन्य स्मार्ट उपकरणों को अगली पायदान पर लाकर खड़ा कर दिया है, जिसकी वजह से अचानक कंपनियों में एक्सपर्ट्स की कमी हो गयी है।

सोशल मीडिया मैनेजर

सोशल मीडिया मैनेजर का काम कम शब्दों में प्रभावी ढंग से किसी ब्रांड को प्रस्तुत कर इंटरनेट यूजर को ब्रांड वैल्यू के प्रति आकर्षित करना है। बात इतने पर ही खत्म नहीं हो जाती। सोशल मीडिया मैनेजर ब्रांड के क्राइसिस सॉल्यूशन को भी बेहतर ढंग से सुलझाने में मददगार है यानी सोशल मीडिया मैनेजर का काम कस्टमर एवं क्लाइंट के बीच बेहतर संपर्क स्थापित करना है। फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब जैसी सोशल नेटवर्किंग साइट्स का नाम हर किसी के जेहन में रहता है। इसके अलावा लिंक्डइन को व्यावसायिक दृष्टि से बेहतर माना जाता है। आप इनमें से किसी भी साइट पर जाएंगे तो अधिकांश ब्रांड दिख जाएंगे। सोशल साइट्स पर कंपनियां एवं ब्रांड्स इन ब्रांड्स का प्रभावी एवं औपचारिक तरीकों से जिस तरह प्रमोशन कर रही हैं, उनके पीछे सोशल मीडिया मैनेजर का ही सबसे अहम रोल होता है।

एक सोशल मीडिया मैनेजर टू वे कम्युनिकेशन का काम करता है। वह इसके लिए सही चैनल तलाशता है, फिर अपने प्रोडक्ट को अर्थपूर्ण योजना के साथ लोगों के सामने पेश करता है। सोशल मीडिया मैनेजर न्यू मीडिया के तहत आता है। यह वेब जर्नलिज्म से ही जुड़ा है। सोशल मीडिया मैनेजर की मांग को देखते हुए कई संस्थानों ने इसके लिए बाकायदा अलग कोर्स भी शुरू किए हैं। हाल में इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने वैट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिल कर इंडिया का पहला सोशल मीडिया कोर्स शुरू किया है। किसी भी सोशल नेटवर्किंग साइट पर किसी ब्रांड की प्रस्तुति सोशल मीडिया यूजर के दिमाग पर पॉजिटिव एवं निगेटिव दोनों ही प्रभाव छोड़ सकती है। ऐसे में किसी ब्रांड के पॉजिटिव प्रभाव के लिए सही प्रस्तुति अहम होती है, जिसे सही तरीके से उस साइट पर एक निपुण व अनुभवी सोशल मीडिया मैनेजर ही प्रस्तुत कर सकता है।

> सोशल मीडिया का इस्तेमाल जिस तेजी से बढ़ा है, उसी तेजी से इसके विशेषज्ञों की मांग भी बढ़ रही है। कई ऐसे नए करियर विकसित हो गए हैं, जिनसे बड़े स्तर पर लोग अभी भी अनजान हैं। सोशल मीडिया में विशेषज्ञता रखने वाले कर्मियों के लिए गूगल, फेसबुक, लिंक्डइन व ट्विटर के अलावा विभिन्न मोबाइल व इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों और आईटी क्षेत्र में काम करने के अच्छे मौके हैं।

आज विश्व की कुल जनसंख्या के लगभग 50 प्रतिशत लोग 30 साल से कम उम्र के हैं, जिनमें से अधिकांश प्रतिदिन अपना कीमती वक्त सोशल नेटवर्किंग पर बिताते हैं। इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया की ताजा रिपोर्ट पर यकीन करें तो भारत में कुल इंटरनेट यूजर्स में से लगभग ढाई करोड़ युवा सोशल मीडिया साइट्स पर सक्रिय रहते हैं। किसी भी ब्रांड के प्रमोशन के लिए सोशल नेटवर्किंग साइट्स सबसे ज्यादा लोकप्रिय माध्यम बन गई हैं।

सोशल मीडिया ऑप्टिमाइजर

सोशल मीडिया ऑप्टिमाइजर आज हर बड़े संस्थान की बड़ी जरूरत बन चुके हैं। इनका काम होता है कि आप ने जो भी कार्य शुरू किया है, वह अधिक से अधिक ऐसे लोग तक पहुंचे, जो आपके संभावित ग्राहक हो सकते हैं।

कभी कंपनी का पेज बना कर तो कभी किसी प्रोडक्ट से लोगों को जोड़ कर एसएमओ अपना उद्देश्य पूरा कर ही लेते हैं। एसएमओ के प्रमुख कार्य में सबसे महत्वपूर्ण होता है कि दुनिया भर में मौजूद सोशल मीडिया साइट्स के जरिए किसी खास वेबसाइट व पोर्टल के लिए ट्रैफिक जुटाना यानी सोशल मीडिया के जरिए क्लाइंट वेबसाइट के लिए हिट्स बढ़वा कर रैंकिंग में सुधार करना। यह काम निजी तौर पर किया जा सकता है तो किसी कंपनी से जुड़ कर भी।

निजी तौर पर जुड़ने से फायदा यह होता है कि आप कई क्लाइंट लेकर अधिक पैसा कमा सकते हैं। कंपनी से जुड़े तमाम अपडेट्स को दुनियाभर में फैले उनके टारगेट ऑडियंस तक पहुंचाना ही एएएमओ का काम होता है। इन्हीं के बूते किसी भी पेज के लाइक करने वालों की संख्या लाखों-करोड़ों तक पहुंचती है।

दूध से महंगा हुआ पानी

बनाएं जल प्रबंधन में कॅरियर

दुनिया के लगभग हर महानगर में पानी दूध से महंगा बिक रहा है। यही वजह है कि मंगल और दूसरे ग्रहों पर पानी खोजने की कोशिशें जारी हैं। साथ ही आशंका जतायी जा रही है कि अगला विश्व युद्ध पानी को लेकर हो सकता है। बुद्धिजीवियों द्वारा की गई इस तरह की भविष्यवाणी के गहरे निहितार्थ होते हैं। आने वाले समय में मनुष्य के लिए सबसे बड़ी चुनौती पानी की होगी। कर्नाटक, तमिलनाडु, हरियाणा, दिल्ली, उड़ीसा, बिहार और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में पानी को लेकर लम्बे समय से तनातनी चल रही है। पानी की गहराती समस्या से निपटने के लिए देश की नदियों को आपस में जोड़ने की बात सरकार बड़ी गंभीरता से कर रही है। जल ही जीवन है, इसलिए इसके एक-एक बूंद की सुरक्षा के उपाय खोजे जा रहे हैं। इन चुनौतियों ने जन्म दिया है एक नए रोजगार जल प्रबंधन का।

जल प्रबंधन का मतलब है पानी का संचयन। इसमें सामान्य पानी, मीठा पानी, भारी पानी, खारा पानी, नदी, नाले, पोखर और तालाब के पानी की सुरक्षा संरक्षण शामिल है। ताकि मानव, पशु-पक्षियों और कल कारखानों के साथ-साथ सिंचाई आदि में पानी का इस्तेमाल किया जा सके। जल प्रबंधन के तहत कल कारखानों और प्रदूषित नदियों के पानी को पीने योग्य बनाने या फिर दोबारा उपयोग में लाने की बात के अलावा राजस्थान जैसे सूखाग्रस्त और रेतीले क्षेत्र में पानी की खोज और प्रबंधन, पानी के संग्रह या वर्षा जल के संचयन के लिए बड़े-बड़े हौज और टैंकों का निर्माण, जल संभरण तकनीकविदों की जिम्मेदारी में शामिल है। अब तो नदियों को आपस में जोड़ने की बात की जा रही है। बांध बनाए जा रहे हैं। हाइड्रोकोलिक वाटर का इस्तेमाल बढ़ रहा है और इसके साथ बढ़ रहा है जल प्रबंधन। इस प्रकार जल प्रबंधकों की मांगें बढ़ रही हैं।

अगर आपने 12वीं की परीक्षा भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित के साथ पास की है तो जल प्रबंधन के क्षेत्र में कॅरियर बना सकते हैं। बीएससी के बाद जलस्रोत से जुड़े पाठ्यक्रमों में दाखिला लिया जा सकता है। चयन लिखित परीक्षा के आधार पर होता है। दो वर्षीय एमटेक डिग्री के बाद भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, केन्द्रीय जल विभाग, सिंचाई विभाग, मौसम विभाग, पर्यावरण विभाग, सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फ्रेश वाटर आदि संस्थानों में बतौर वैज्ञानिक नौकरी मिल जाती है। इसके अलावा जल प्रबंधन के क्षेत्र में काम कर रही स्वयंसेवी संस्थाओं और विश्वविद्यालयों, अनुसंधान शालाओं आदि में भी रोजगार उपलब्ध हैं। जल प्रबंधन का पाठ्यक्रम इन विश्वविद्यालयों में उपलब्ध है-

- रूड़की विश्वविद्यालय, रूड़की।
- एमबीएम, इंजीनियरिंग कॉलेज, जोधपुर।
- रीजनल इंजीनियरिंग कॉलेज, कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई।
- तमिलनाडु एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, कोयम्बटूर।

फुटवेयर टेक्नोलॉजी

युवाओं में बना हॉट करियर

> अगर आप किसी के फैशन सेंस को सिर्फ उसके ड्रेसिंग स्टाइल से जज करते हैं, तो आपको अपना नजरिया बदलने की जरूरत है क्योंकि एक्सेसरीज के बिना स्टाइलिंग पूरी नहीं होती। अब तो फुटवियर भी सिर्फ आराम के लिए ही नहीं, बल्कि फैशन एक्सेसरीज के तौर पर इस्तेमाल किए जाते हैं। इससे इंडस्ट्री में नई कंपनियों के लिए जगह तैयार हुई है। साथ ही युवाओं को भी नए अवसर मिलने की संभावना बनने लगी है। आप भी फुटवियर टेक्नोलॉजी में करियर बनाकर हर दिन कुछ नया करने का मौका तलाश सकते हैं।

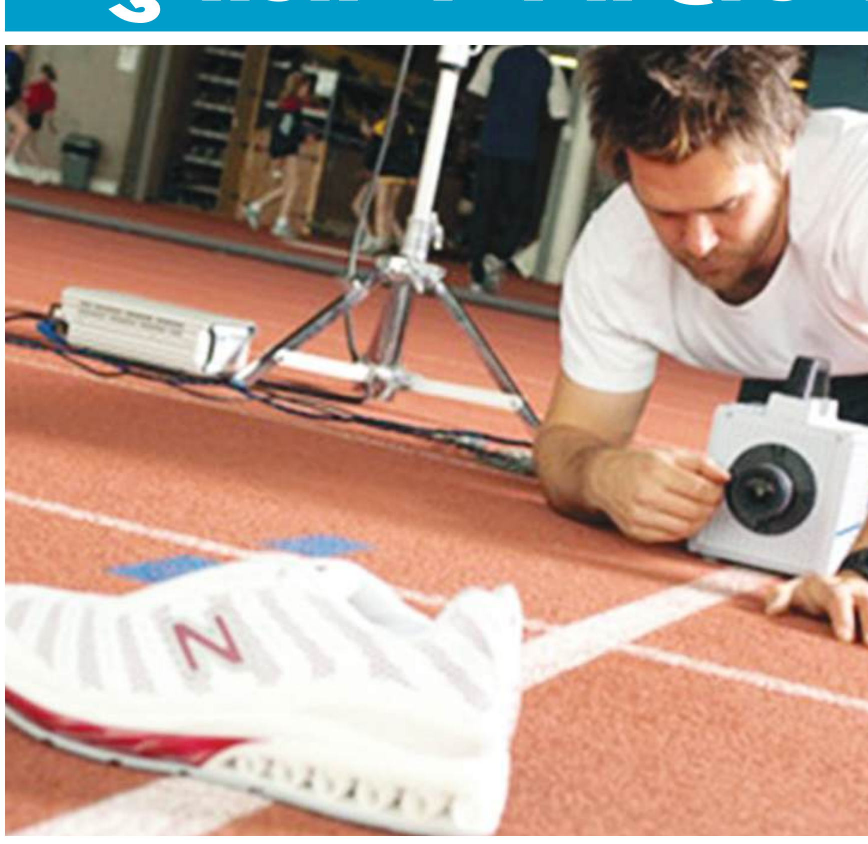

हाईटेक डिजाइनिंग

फुटवियर टेक्नोलॉजी में मार्केट की डिमांड और पॉपुलर डिजाइन्स को ध्यान में रखते हुए फुटवियर की नई डिजाइंस तैयार की जाती हैं। कई इंडस्ट्रीज अपने क्लाइंट्स के लिए फुटवियर कलेक्शंस भी तैयार करती हैं। यह

काम कम्प्यूटर एडेड डिजाइन द्वारा किया जाता है। डिजाइनर्स हाईटेक लैबोरेट्रीज और मशीन्स की मदद से यह काम करते हैं।

जरूरी कोर्स

इस फील्ड में करियर बनाने के लिए 12वीं में फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ्स या बायोलॉजी सब्जेक्ट्स होने जरूरी हैं। इसके बाद आप लेदर डिजाइन में बैचलर ऑफ डिजाइन, डिप्लोमा इन फुटवियर डिजाइनिंग एंड प्रोडक्शन, बीटेक इन फुटवियर टेक्नोलॉजी, डिप्लोमा इन फुटवियर टेक्नोलॉजी, सर्टिफिकेट कोर्स इन शू डिजाइनिंग एंड पैटर्न कटिंग, सर्टिफिकेट कोर्स इन फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन, डिप्लोमा इन लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिजाइन जैसे कोर्स कर सकते हैं।बैचलर्स करने के बाद आप मास्टर्स इन फुटवियर टेक्नोलॉजी भी कर सकते हैं।

भविष्य की संभावनाएं

ज्यादातर ग्रेजुएट्स डिजाइन असिस्टेंट्स के तौर पर इस फील्ड में प्रवेश करते हैं। आप किसी भी ब?ी कंपनी के साथ इंटर्नशिप करके अपना करियर शुरू कर सकते हैं। अनुभव प्राप्त होने के बाद आप चाहें तो फ्रीलांसिंग भी करके अपने क्लाइंट्स के लिए डिजाइन तैयार कर सकते हैं।

वर्क प्रोफाइल

इस फील्ड के प्रोफेशनल्स को रिसर्च एंड डेवलपमेंट, डिजाइन, मेन्यूफैक्चरिंग ऑपरेशंस, सेल्स एंड मार्केटिंग, रिटेल एंड होलसेल, क्वॉलिटी कंट्रोल और मैनेजमेंट जैसे डिपार्टमेंट्स में काम करना होता है। रिसर्च एंड डेवलपमेंट से जुड़े प्रोफेशनल्स अलग-अलग तरह के फुटवियर की डिजाइंस पर रिसर्च करते हैं और उनकी रिसर्च के आधार पर ही डिजाइनर्स डिजाइन तैयार करते हैं। इसके फाइनल होने के बाद प्रोडक्शन का काम शुरू होता है, जिसके बाद क्वॉलिटी चेकिंग होती है। इस तरह हर स्तर के लिए एक ट्रेंड और स्किल्ड प्रोफेशनल से काम लिया जाता है।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी
- फुटवेयर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट
- सेंट्रल फुटवेयर ट्रेनिंग सेंटर
- इंस्टीट्यूट ऑफ गवर्नमेंट लेदर वर्किंग स्कूल, मुंबई
- मुजफ्फरपुर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी

चाहिए ये स्किल्स

एक फुटवियर डिजाइनर में आने वाले ट्रेंड को पहचानने की क्षमता और फैशन की समझ होनी चाहिए। उसके अंदर

अपने आइडियाज को पेपर पर ड्रॉ करने की क्षमता भी होनी चाहिए। साथ ही यह भी अपेक्षित होता है कि उसमें सृजनात्मकता, कल्पनाशीलता और बेहतरीन कम्युनिकेशन स्किल्स मौजूद हों।

सैलरी कितनी?

इस फील्ड में शुरुआत में आपको 15-20 हजार रुपए की सैलरी मिलेगी, जो अनुभव के साथ बढ़ेगी। एक अनुभवी प्रोफेशनल को 10-12 लाख या उससे अधिक का भी पैकेज मिल सकता है। फ्रीलांस प्रोफेशनल्स की आय उनकी क्षमता पर निर्भर करती है।

कार्यक्षेत्र में दर्शाएं आत्मविश्वास

> ऑफिस में आपको कई ऐसे लोग मिल जाएंगे, जो अपनी कार्यशैली, क्षमता और प्लानिंग की बदौलत हर काम आसानी से और समय रहते पूरा कर लेते हैं। उनकी बातचीत की शैली और हाव-भाव में गजब का उत्साह दिखता है। ऐसे लोग सहकर्मियों के बीच में लोकप्रिय तो होते ही हैं, बॉस की नजर में भी उनकी छवि एक आत्मविश्वासी और ऊर्जावान प्रोफेशनल्स की बनती है। इस आत्मविश्वास की मजबूती के चलते वे बड़े से बड़ा टास्क लेने से भी नहीं घबराते।

दरअसल आत्मविश्वास भीतर से आता है। अब्राहम लिंकन कई बार चुनाव हारने के बावजूद अमेरिका के राष्ट्रपति बने, यह उनके मजबूत आत्मविश्वास का ही परिणाम था। ऑफिस में काम के दौरान आपका आत्मविश्वास तभी झलकेगा, जब आपकी सोच सकारात्मक रहेगी और काम के प्रति आपका नजरिया स्पष्ट रहेगा। कई ऐसे तरीके हैं, जिनके जरिए ऑफिस में आत्मविश्वास प्रदर्शित कर सकते हैं।

जो भी कहें, यकीन के साथ कहें

ऑफिस में मींटग या किसी जरूरी प्रोजेक्ट पर डिस्कशन के दौरान अकसर सभी लोगों की राय ली जाती है। आपको यदि कुछ बोलने का मौका मिले तो अपनी बात पूरे यकीन के साथ कहें। यह तभी संभव है जब आपका विजन स्पष्ट होगा या संबंधित जानकारी से पूरी तरह से लैस रहेंगे। कई शब्द मसलन 'मैं सोच रहा हूं कि... ' या ' मैं पूरी तरह से श्योर तो नहीं हूं पर...' आपकी कमजोरी दर्शाते हैं।

खुद पर भरोसा बढ़ाएंगे ये 7 टिप्स

- बातचीत के दौरान आई कॉन्टेक्ट बनाए रखें।
- कपड़े व बातचीत का तरीका ठीक रखें।
- समय के साथ खुद को अपडेट करते रहें।
- किसी भी काम की पहले स्ट्रेटजी बनाएं।
- अपनी क्षमताओं का आकलन करें।
- नकारात्मक लोगों से दूरी बनाकर रखें।
- अपना काम समय पर पूरा करने की कोशिश करें।

गलतियों से डरें नहीं, सीखें

आप काम करेंगे तो जाहिर सी बात है कि आपसे गलतियां भी होंगी। प्रजेंटेशन के दौरान भी कई बार शब्दों का उच्चारण गलत हो जाता है या बातचीत बीच में ही अटक जाती है। इससे घबराने की जरूरत नहीं है। भविष्य में इस तरह की गलतियां न हों, इसके लिए भी जरूरी चीजें सीखने का प्रयास करें।

बोलने से ज्यादा लोगों की सुनें

आपको कुछ बोलने या प्रजेंटेशन का मौका मिला है तो सिर्फ खुद ही बोलने में न लग जाएं, बल्कि औरों को बोलने का मौका दें या उनकी भी बात सुनें। हो सकता है कि उनके कुछ सुझावों से आपका काम आसान बन जाए या आपके काम को और मजबूती मिले। यदि आप उनको बोलने का मौका ही नहीं देंगे तो वे भी आपकी बात को गंभीरता से नहीं लेंगे।

रिस्क उठाने से न डरें

यदि आगे बढ़ना है तो रिस्क उठाने से पीछे न हटें। आप यह कदम तभी उठा सकेंगे, जब आप आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। कई ऐसे अवसर आते हैं, जब आपसे आगे बढ़कर किसी कठिन काम की जिम्मेदारी उठाने की उम्मीद की जाती है। ऐसे अवसरों का लाभ उठाएं और उत्साहपूर्वक काम करें।

संपादकीय

ब्रिक्स की सामूहिक ताकत

ब्रिक्स का 16वां शिखर सम्मेलन कई मायनों में सफल रहा। समूह के नेतृत्व और उनके मकसद भी सार्थक रहे। अब ब्रिक्स 10 सदस्य देशों का समूह हो गया है, क्योंकि ईरान, मिस्र, इथियोपिया, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब को नई सदस्यता दी गई है। करीब 30-35 अन्य देश भी ब्रिक्स से जुडऩा चाहते हैं, जिनमें पाकिस्तान भी उतावला है, लेकिन भारत ने उसकी संभावनाओं को खारिज करवा दिया है। यदि जी-7 पश्चिमी देशों का समूह है, तो ब्रिक्स 'ग्लोबल साउथ' का प्रतिनिधित्व करता है। पश्चिम और यूरोप की वर्चस्ववादी सत्ता के समानांतर अब ब्रिक्स की ताकतवर उपस्थिति भी है, लेकिन वह 'पश्चिम-विरोधी' नहीं है। ब्रिक्स नेतृत्व ने स्पष्ट किया है कि ब्रिक्स 'गैर-पश्चिम' समूह है, जिसमें करीब 450 अरब डॉलर की कुल अर्थव्यवस्था वाले देश हैं। दुनिया की करीब 45 फीसदी आबादी ब्रिक्स के दायरे में है, लिहाजा अब इसकी सामूहिक ताकत को समझा जा सकता है। जी-7 और ब्रिक्स के कुछ सदस्य जी-20 में भी शामिल हैं, लिहाजा ये समूह परस्पर सहयोगी हो सकते हैं, दुश्मन नहीं हो सकते। रूस में सम्पन्न ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का बुनियादी थीम था-वैश्विक विकास और सुरक्षा के लिए 'बहुपक्षीयवाद' को मजबूत करना। प्रधानमंत्री मोदी ने भी यह मुद्दा बार-बार उठाया और ब्रिक्स के विस्तार का भी आग्रह किया। रूस के ही एक गणराज्य की राजधानी कजान में ब्रिक्स का सम्मेलन कामयाब रहा, यह अपने आप में महत्वपूर्ण निष्कर्ष है। रूस यूक्रेन के साथ युद्ध में संलिप्त है, फिर भी वहां कोई अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन करना वाकई आश्चर्यजनक है। बहरहाल कजान सम्मेलन के बाद जो साझा घोषणापत्र जारी किया गया, उसमें कुछ मुद्दे पश्चिमी देशों की 'दादागीरी' के खिलाफ हैं और उनके चरित्र को भी चुनौती देते हैं। मसलन, अमरीका ने अकेले रूस पर करीब 20,000 प्रतिबंध थोप रखे हैं। ईरान पर भी पाबंदियां हैं। ब्रिक्स ने ऐसी आर्थिक, व्यापारिक और जबरन पाबंदियों को नकारा है। प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद पर, कुछ बड़े देशों के, दोहरे रवैये की भत्र्सना की है। उन्होंने किसी का भी नाम नहीं लिया, लेकिन दुनिया उन्हें जानती है। ब्रिक्स घोषणापत्र में आतंकवाद को भी शामिल किया गया है और साझी लड़ाई का आह्वान भी किया गया है, लेकिन आतंकवाद पर ही ब्रिक्स के कुछ देशों में, द्विपक्षीय स्तर पर, विरोधाभास भी हैं। सामूहिक स्तर पर उन्हें बेमानी माना गया है। संयुक्त राष्ट्र और सुरक्षा परिषद में व्यापक सुधार को भी मुख्य मुद्दा मान कर कजान घोषणापत्र में उल्लेख किया गया है। ब्रिक्स शुरुआत में आर्थिक और कारोबारी समन्वय के मुद्दों तक ही विमर्श करता था, लेकिन कजान सम्मेलन के दौरान इजरायल के हमलावर व्यवहार की निंदा और गाजा-पट्टी में उसके किए गए हमलों की भत्र्सना की गई है। इजरायल से तत्काल और स्थायी संघर्ष-विराम करने की मांग भी की गई है, लेकिन अक्तूबर, 2023 में हमास ने इजरायल पर जिस तरह का कातिलाना हमला किया था, घोषणापत्र में उसका कोई उल्लेख नहीं है। माना जाता है कि भारत ने जून, 2024 में विदेश मंत्रियों की बैठक में इस मुद्दे को रखा था, लेकिन ब्रिक्स देशों के मंत्रियों में सहमति नहीं बन पाई, लिहाजा हमास का हमला घोषणापत्र से बाहर ही रहा। हम हमास के उस हमले को 'बड़ा आतंकवाद' मानते हैं। उसी के कारण आज भी गाजा और लेबनान में युद्ध के हालात बने हैं। तबाहियां और बर्बादियां हो रही हैं, लेकिन विश्व का कोई भी संगठन और समूह युद्ध-विराम कराने में अभी तक सफल नहीं हुआ है। बहरहाल जो ब्रिक्स आर्थिक विषयों तक सीमित रहता था, वह अब भू-राजनीति, जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण, विज्ञान-प्रौद्योगिकी सरीखे विषयों पर भी विमर्श करता है और अपने सरोकार व्यक्त करता है। पश्चिम का मानना है कि जलवायु परिवर्तन को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का विषय होना चाहिए, क्योंकि इससे अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा और शांति पर असर पड़ सकता है, लेकिन भारत समेत अन्य विकासशील देशों का यह मानना है कि सुरक्षा परिषद की इसमें कोई भूमिका ही नहीं होनी चाहिए। ब्रिक्स की जो शुरुआती नीतियां थीं, आज तक उनमें कई बदलाव आ गए हैं। भारत अपने कारोबार, वैज्ञानिक और प्रौद्योगिक विस्तार के लिए पश्चिमी देशों से भी जुड़ा है।

ब्रिक्स नेतृत्व ने स्पष्ट किया है कि ब्रिक्स 'गैर-पश्चिम' समूह है, जिसमें करीब 450 अरब डॉलर की कुल अर्थव्यवस्था वाले देश हैं। दुनिया की करीब 45 फीसदी आबादी ब्रिक्स के दायरे में है, लिहाजा अब इसकी सामूहिक ताकत को समझा जा सकता है। जी-7 और ब्रिक्स के कुछ सदस्य जी-20 में भी शामिल हैं, लिहाजा ये समूह परस्पर सहयोगी हो सकते हैं, दुश्मन नहीं हो सकते। रूस में सम्पन्न ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का बुनियादी थीम था-वैश्विक विकास और सुरक्षा के लिए 'बहुपक्षीयवाद' को मजबूत करना। प्रधानमंत्री मोदी ने भी यह मुद्दा बार-बार उठाया और ब्रिक्स के विस्तार का भी आग्रह किया। रूस के ही एक गणराज्य की राजधानी कजान में ब्रिक्स का सम्मेलन कामयाब रहा, यह अपने आप में महत्वपूर्ण निष्कर्ष है।

मोदी और शी जिनपिंग यूक्रेन-रूस संघर्ष में मध्यस्थ की भूमिका निभा सकते हैं

चीन से समझौता अहम, लेकिन भरोसे की ज्यादा अपेक्षा

ललित गर्ग

भारत-चीन दोनों देशों के रिश्तों में एक बर्फ सी जम गई थी, वह बर्फ अब पिघलती-सी प्रतीत हो रही है। दोनों देश रूस के कजान शहर में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की पूर्व संध्या पर पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी पर गश्त लगाने पर एक समझौते पर पहुंचे हैं। दोनों देशों के बीच लम्बे समय से चले आ रहे तनाव के बादल अब छंट सकते हैं। सीमा विवाद से जुड़े इस फैसले के गहरे कूटनीतिक व सामरिक निहितार्थ हैं।

गलवान संघर्ष के बाद भारत-चीन दोनों देशों के रिश्तों में एक बर्फ सी जम गई थी, वह बर्फ अब पिघलती-सी प्रतीत हो रही है। दोनों देश रूस के कजान शहर में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की पूर्व संध्या पर पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी पर गश्त लगाने पर एक समझौते पर पहुंचे हैं। दोनों देशों के बीच लम्बे समय से चले आ रहे तनाव के बादल अब छंट सकते हैं। सीमा विवाद से जुड़े इस फैसले के गहरे कूटनीतिक व सामरिक निहितार्थ हैं। लेकिन इस फैसले का अन्तर्राष्ट्रीय राजनीतिक समीकरणों पर भी गहरा प्रभाव पड़ेगा, इससे दुनिया की महाशक्तियों के निरंकुशता को नियंत्रित किया जा सकेगा, ब्रिक्स समूह को ताकतवर बनाने के प्रयासों में सफलता मिलेगी। यह घटनाक्रम उस विश्वास को भी मजबूती देगा, जिसमें कहा जा रहा है कि मोदी और शी जिनपिंग यूक्रेन-रूस संघर्ष में मध्यस्थ की भूमिका निभा सकते हैं। इन आशा एवं सकारात्मक दृष्टिकोणों के बावजूद एक बड़ा प्रश्न चीन के पलटूराम नजरिये को लेकर निराश भी करता है। भारत को गहरे तक इस बात का अहसास है कि बीजिंग को सीमा समझौतों की अवहेलना करने की पूरानी आदत है। उसने अनेक बार भारत के भरोसे को तोड़ा है। पूर्व के अनुभवों से ऐसी आशंकाओं से इनकार नहीं किया जा सकता है। हालिया फैसले का भी ऐसा ही कोई हश्र न हो जाये, इसके लिये भारत को फूंक-फूंक कर कदम रखने की जरूरत है। भारत-चीन दोस्ती महत्वपूर्ण ही नहीं, बल्कि उपयोगी भी है। यह दोनों देशों के हित में होने के साथ दुनिया में शांति, स्थिरता, सौहार्द एवं आर्थिक विकास की भी जरूरत है। इसीलिये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने दोस्ती की तरफ कदम बढ़ाते हुए हाथ मिलाये हैं और सौहार्दपूर्ण बातचीत के लिये टेबल पर बैठे हैं। गलवान संघर्ष के चार साल बाद आखिरकार दोनों देश निकट आये है, परस्पर वार्ता का गतिरोध दूर हुआ है, दुनिया को कुछ सकारात्मक एवं आशाभरा दिखाने की संभावनाएं बढ़ी है। इस गतिरोध के चलते दोनों देशों के बीच लगातार तनाव एव संघर्ष का माहौल बना रहा है, व्यापारिक गतिविधियां रूक-सी गयी थी, एक बेहद जटिल भौगोलिक परिस्थितियों में दोनों देशों की सेनाओं को चौबीस घंटे तैयार रहने की स्थिति में खड़ा कर दिया था। लेकिन अब ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में दोनों देशों के

निकट आने के घटनाक्रम से एक बड़ा संदेश भी दुनिया में जाएगा कि दोनों देश बातचीत के जरिये अपने मतभेदों को सुलझा सकते हैं। द्विपक्षीय वार्ता के बाद दोनों देशों के संबंध सामान्य होने की संभावना बढ़ अवश्य गई है, लेकिन इसमें समय लगेगा, क्योंकि बीते चार वर्षों में चीन ने अपनी हरकतों से भारत का भरोसा खोने का काम किया है। भारतीय प्रधानमंत्री और चीनी राष्ट्रपति के बीच करीब पांच वर्षों के बाद विस्तार से वार्ता इसीलिए हो सकी, क्योंकि चीन देपसांग एवं डेमचोक से अपनी सेनाएं पीछे हटाने और सीमा पर निगरानी की पहली वाली स्थिति बहाल करने पर सहमत हुआ। यह एक अच्छा एवं शुभ संकेत है। प्रधानमंत्री मोदी ने सीमा पर शांति की अपेक्षा करते हुए चीन से कहा है कि आपसी विश्वास एवं सहयोग को बढ़ावा देने के साथ एक-दूसरे की संवेदनशीलता का सम्मान किया जाना चाहिए। यह कहना आवश्यक एवं प्रासंगिक था, क्योंकि चीन यह तो चाहता है कि भारत उसके हितों को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरते, लेकिन खुद उसकी ओर से भारत के प्रति अपेक्षित संवेदनशीलता को लगातार नजरअंदाज करता रहा था। इसका प्रमाण यह है कि वह कभी कश्मीर तो कभी अरुणाचल प्रदेश को लेकर मनगढ़ंत दावे करता रहा है। इसकी भी अनदेखी नहीं कर सकते कि चीन किस तरह पाकिस्तान को भारत के खिलाफ मोहरे की तरह इस्तेमाल करता रहा है। चीन पाकिस्तान के उन आतंकियों का संयुक्त राष्ट्र में बचाव करता रहा है, जो भारत के लिए खतरा हैं। चीन किये गये वायदों एवं समझौतों से पीछे हटता रहा है, चीनी राष्ट्रपति ने दोनों देशों के बीच 1993, 1996, 2005 और 2013 में परस्पर भरोसा पैदा करने वाले समझौतों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने अपनी सेना को भारतीय दावे वाले इलाकों में अतिक्रमण करने का आदेश दिया। इसी का अंजाम रही जून 2020 में गलवान घाटी जैसी घटना। इसके बावजूद भारत के राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व ने बहुत संयम बरता, भड़काने वाली परिस्थितियों में भी उन्होंने धैर्य से काम लिया और बातचीत के जरिये ही मामले का हल निकाला। लेकिन, चिंता कम नहीं हुई है। पिछले साढ़े चार बरसों के दौरान चीनी सेना ने बेहद दुर्गम पर्वतीय इलाकों में पक्के निर्माण कर लिए हैं। आशंका है कि चीन अपने इन सैन्य ढांचागत निर्माण को ध्वस्त कर इलाका पूरी तरह छोड़ देने के लिए तैयार होगा भी या नहीं? ऐसी स्थिति में पूर्वी लद्दाख के सीमांत इलाकों में सैन्य तनाव और परस्पर अविश्वास की स्थिति बनी रहेगी। भारतीय सामरिक पर्यवेक्षकों के बीच चीन के इरादों को लेकर शक बना रहेगा, क्योंकि हमारे इस पड़ोसी का भरोसा तोड़ने का पुराना इतिहास रहा है। लेकिन देर आये दुरस्त आये की कहावत के अनुसार चीन को भारत से दोस्ती का महत्व समझ आ गया है तो यह दोनों देशों के साथ समूची दुनिया के हित में है। भारतीय प्रधानमंत्री और चीनी राष्ट्रपति की मुलाकात के बाद दोनों देशों के विशेष प्रतिनिधि भी शीघ्र टेबल पर बैठकर भरोसे एवं विश्वास बहाली के उपायों पर चर्चा करेंगे, लेकिन भारत को इसकी अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि चीन कहीं दो कदम आगे बढ़कर चार कदम पीछे न हट जाये, ऐसा पहले भी हो चुका है। भारत को चीन से संबंध सामान्य करने की दिशा में आगे बढ़ने के पहले इसकी पड़ताल करनी चाहिए कि कहीं वह फिर से वैसी हरकत तो नहीं करेगा, जैसी डोकलाम, गलवन, देपसांग आदि में की है। यह ध्यान रहे कि अतीत में चीन ने अपने अति महत्वाकांक्षी एवं अतिक्रमणकारी रवैये को तभी छोड़ा है, जब भारत ने यह जताने में संकोच नहीं किया कि वह बहुपक्षीय सहयोग के ब्रिक्स और एससीओ जैसे संगठनों को अपेक्षित महत्व देने से इन्कार कर सकता है। अब चीन को झुकना उसकी विवशता बन गयी है, क्योंकि उसे यह आभास हुआ कि भारत का असहयोग उसके आर्थिक हितों पर प्रतिकूल असर डाल सकता है। ऐसा हुआ भी है कि भारत ने चीन को अपने देश में बाजार नहीं बनने दिया, जिसका बड़ा खामियाजा उसे भुगतना पड़ा है। चीन की अर्थ-व्यवस्था में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका है।

दृष्टि कोण

नायडु का बयान और भाजपा की चुप्पी

आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडु और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने अपने राज्य के लोगों से दो से अधिक बच्चे पैदा करने की मांग की है। सर्वाधिक आश्चर्य यह है कि इन दो राज्यों के मुख्यमंत्रियों की इस मांग के बावजूद भारतीय जनता पार्टी ने चुप्पी साध रखी है। मुसलमानों को दो से अधिक बच्चे पैदा करने पर परोक्ष और प्रत्यक्ष तौर पर कोसने वाली भाजपा इन दो मुख्यमंत्रियों की मांग पर पूरी तरह मौन है। कारण साफ है चंद्रबाबू नायडु ने केंद्र की भाजपा सरकार को अपनी पार्टी तेलगुदेशम पार्टी के सांसदों का समर्थन दे रखा है। दूसरे शब्दों में कहें तो केंद्र की मोदी सरकार नायडु की बैसाखियों पर टिकी है। इसलिए दो से ज्यादा बच्चे पैदा करने के नायडु के बयान पर भाजपा ने मौन रखना ही बेहतर समझा। इसमें भाजपा को देश के लिए वैसा खतरा नजर नहीं आया, जैसा मुसलमानों की जनसंख्या वृद्धि को लेकर दिखाई देता है। नायडु के बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने एक कार्यक्रम में कहा था कि लोगों को 16 बच्चे पैदा करने चाहिएं। यह बात उन्होंने सरकारी विवाह योजना के तहत 31 जोड़ों के विवाह समारोह में कही। स्टालिन का यह सुझाव नायडु द्वारा यह खुलासा किए जाने के एक दिन बाद आया है कि आंध्रप्रदेश में उनकी सरकार एक ऐसा कानून बनाने की योजना बना रही है, जिसके तहत केवल दो से अधिक बच्चों वाले लोगों को ही स्थानीय निकाय चुनाव लडऩे की अनुमति होगी। जनसंख्या के आधार पर संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों को फिर से परिभाषित करने की कवायद 2026 में होने वाली है। इससे लोकसभा सीटों की संख्या 543 से बढक़र 753 हो जाएगी। दक्षिण में क्षेत्रीय दलों को डर है कि इससे अधिक आबादी वाले राज्यों में सीटों की संख्या में भारी उछाल आएगा, जबकि दक्षिण में यह वृद्धि मामूली होगी। इन दलों के नेताओं को लगता है कि पिछले कुछ दशकों में परिवार नियोजन के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए दक्षिणी राज्यों को दंडित किया जा रहा है, क्योंकि जिन राज्यों में जनसंख्या का घनत्व अधिक है, उनका लोकसभा में प्रतिनिधित्व अधिक होगा। वर्ष 2026 में क्षेत्र पुनर्विभाजन हो सकता है, इस अनुमान और उस समय की अनुमानित जनसंख्या के आधार पर कहा जा सकता है कि पुनर्विभाजन में जनसंख्या नियंत्रण के कदम उठाने वाले दक्षिणी राज्यों को भारी नुकसान होगा, जबकि जनसंख्या नियंत्रण नहीं करने वाले हिंदी भाषी राज्य बड़ा फायदा उठाएंगे। उदाहरण के लिए, वर्तमान लोकसभा में हिंदी भाषी राज्यों की हिस्सेदारी 42 प्रतिशत है, जो विस्तारित लोकसभा में 48 प्रतिशत हो जाएगी। दक्षिण भारत के राज्यों की हिस्सेदारी 24 प्रतिशत से घटकर 20 प्रतिशत हो जाएगी। बाकी राज्यों की हिस्सेदारी भी 34 प्रतिशत से घटकर 32 प्रतिशत हो जाएगी। आजादी के बाद जब 1951 में पहली जनगणना हुई, तब देश की आबादी 36 करोड़ के आसपास थी। 1971 तक आबादी बढक़र 55 करोड़ पहुंच गई। लिहाजा, सरकार ने 70 के दशक में फैमिली प्लानिंग पर जोर दिया। इसका नतीजा यह हुआ कि दक्षिणी राज्यों ने तो इसे अपनाया और आबादी काबू में की। मगर, उत्तर के राज्यों में ऐसा नहीं हुआ और आबादी तेजी से बढ़ती गई। ऐसे में उस समय भी दक्षिणी राज्यों की ओर से सवाल उठाया गया कि उन्होंने तो फैमिली प्लानिंग लागू करके आबादी कंट्रोल की और उनके यहां ही सीटें कम हो जाएंगी। सीटें कम होने का मतलब संसद में प्रतिनिधित्व कम होना। इसलिए विवाद हुआ। अभी तमिलनाडु की अनुमानित आबादी 7.70 करोड़ है और वहां लोकसभा की 39 सीटें हैं। जबकि, मध्य प्रदेश की आबादी 8.76 करोड़ है और यहां 29 लोकसभा सीटें हैं। परिसीमन होता है तो अभी की आबादी के हिसाब से मध्य प्रदेश में 87 लोकसभा सीटें हो जाएंगी और तमिलनाडु में 77 सीटें होंगी। सीटों की यह संख्या हर 10 लाख आबादी पर एक सांसद वाले फॉर्मूले के हिसाब से है। इसी तरह केरल की अनुमानित आबादी 3.59 करोड़ है। अभी यहां 20 लोकसभा सीटें हैं, वहीं उत्तर प्रदेश की आबादी 23.80 करोड़ है और यहां 80 सांसद हैं। अगर वही 10 लाख वाला फॉर्मूला लागू किया जाए तो केरल में लोकसभा सीटों की संख्या बढक़र 35 या 36 होगी। जबकि, उत्तर प्रदेश में लोकसभा सीटों की संख्या 235 या उससे ज्यादा भी हो सकती है। इसी वजह से दक्षिणी राज्यों को आपत्ति है। उनका यही कहना है कि हमने आबादी नियंत्रित की, केंद्र की योजनाओं को लागू किया और उनके ही यहां लोकसभा सीटें कम हो जाएंगी। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडु को हर हाल में आंध्रप्रदेश में अपने वोट बैंक को मजबूत रखना है। मुख्यमंत्री नायडु को इससे फर्क नहीं पड़ता कि भाजपा उनके बारे में क्या सोचती है। नायडु से समर्थन लेने की गरज भाजपा की है, नायडु की नहीं।

कुछ अलग

अब तुका भी ग्रो लिस्ट में

इन दिनों इस बात की चर्चा काफी जोरों से है कि तुका एफएटीएफ से पाकिस्तान को ग्रो लिस्ट यानि निगरानी सूची से बाहर निकालने के लिए बड़ी गोलबंदी कर रहा है। पाकिस्तान को तो बाहर निकालने में सफल हुआ नहीं, उल्टे खुद ही एफएटीएफ की ग्रो लिस्ट में शामिल हो गया। दरअसल 2019 से तुका जम्मू-कश्मीर को लेकर पाकिस्तान की भाषा बोल रहा है। भारत उसे कई बार संकेत दे चुका था कि वह हमारे आंतरिक मामले में हस्तक्षेप न करे। तुका भारत ही नहीं, अमेरिका, सउदी अरब और यूरोपियन देशों खासकर प्रांस से भी पंगा लिए हुए है। यहां तक कि उसकी भारत विरोधी और पाक समर्थक चीन से भी नहीं पटती। तुका के खिलाफ एफएटीएफ में वोट देने वाले देशों में चीन भी शामिल है, वहीं पाकिस्तान के खिलाफ वोट देने वालों में सउदी अरब सबसे आगे रहता है। भारत पिछले एक साल से पाकिस्तान के दोस्त तुका को सबक सिखाने के लिए संभावनाएं तलाश रहा है। भारत को अमेरिका का साथ मिलना और यूरोपियन देशों का तुका के राष्ट्र पति रजब तैयब एदरेगान से चिढ़ के कारण एफएटीएफ में आए तुका विरोधी प्रास्ताव का समर्थन भारी मतों से हुआ। तुका में भी एदरेगान लोकप्रिय नहीं हैं। उनके तमाम राजनीतिक दुश्मन बन चुके हैं। असल में तुका की जनता पूरी तरह इस्लाम धर्म मानती है किन्तु वह पूरी तरह धर्मनिरपेक्ष है। वह कभी भी अपने शासक को कठमुल्ला के रूप में नहीं देखना चाहती। तुका की जनता चाहती है कि उसका शासक भी धर्मनिरपेक्ष छवि का हो। एदरेगान ने खुद को इस्लाम का संरक्षक साबित करने के मुगालते में ही भारत और प्रांस से सीधे पंगा लिया है। बहरहाल अब जबकि आतंकियों को वित्तीय मदद देने के आरोप में तुका और पाकिस्तान दोनों एफएटीएफ की निगरानी सूची में शामिल हो चुके हैं तो दुनिया के लिए यह जरूरी है कि समय रहते आतंकवाद की परिभाषा तय कर ली जाए। तुका और पाकिस्तान दोनों ही लोकतांत्रिक एवं धर्मनिरपेक्ष राष्ट्रों के लिए सिरदर्द बन चुके हैं। पाकिस्तान से एफएटीएफ ने स्पष्ट रूप से कह दिया है कि या तो वह दाउद इब्राहिम, हाफिज सईद, जकी उर रहमान लखवी और मसूद अजहर को सजा दिलवाए अथवा उसे भारत को सौंप दे। पाकिस्तान ग्रो लिस्ट में शामिल है इसीलिए उसे आईएमएफ ने और कर्ज देने से मना कर दिया है। पाकिस्तान को छह अरब डालर की विस्तारित कर्ज सुविधा की बहाली के लिए वित्त सचिव यूसुफ खान और इमरान खान के सलाहकार शौकत तारिन को आईएमएफ ने टका-सा जवाब दे दिया। असल में इससे पहले आईएमएफ से जो वित्तीय सहायता मिली थी वह सशर्त मिली थी। उसमें दो बातें महत्वपूर्ण थीं—पहली यह कि उन पैसों का इस्तेमाल चीन का कर्ज वापस करने के लिए न हो और दूसरी—किसी तरह की सब्सिडी न दे। हालत यह हुई कि पाकिस्तान में आजकल 14 प्रातिशत मुद्रास्फीति दर पहुंच गई है। इस बीच पाकिस्तान के लिए एक मुसीबत और आ गई है। 14 जुलाई को पाकिस्तान में चीन के नौ इंजीनियरों की हत्या टीटीपी ने कर दी थी। अब चीन अपने मारे गए इंजीनियरों की मौत पर क्षतिपूर्ति के लिए 3.8 अरब डालर यानि 385 करोड़ रुपए का मुआवजा पाकिस्तान से मांग रहा है। असल में दासु पनबिजली परियोजना पर कम चल रहा था और आतंकियों ने 13 लोगों की हत्या कर दी। इनमें नौ इंजीनियर चीन के थे जो विस्फोट में मारे गए थे।

देश दुनिया से

कोठारी आयोग से पीएम श्री तक शिक्षा की 'परख'

बगैर पूर्वाग्रह के कहा जाए तो किसी शिक्षा नीति में कोई खराबी नहीं रही, परंतु ग्राउंड जीरो पर कार्यांन्वित करते हुए वो वर्क कल्चर विकसित नहीं हो पाया और शिक्षा लडख़ड़ाती रही, हिचकोले खाती रही। ऐसा क्यों हुआ? जवाब में सभी संबंधित हितधारकों के अपने-अपने दावे और दलीलें हैं, अपनी-अपनी शिकायतें और हिकायतें हैं। 1968 में कोठारी आयोग की रिपोर्ट पर आधारित देश की पहली राष्ट्रीय शिक्षा नीति से चलते हुए हम शिक्षा नीति 2020 पर आ गए हैं। इस बीच कई कमेटियां बनीं, कई अभियान व परियोजनाएं चलाई गईं। 1986 में 10 जमा 2 शिक्षा पद्धति को लागू किया गया। फिर सर्व शिक्षा अभियान आया और शिक्षा का अधिकार अधिनियम लागू हुआ। पहली से आठवीं तक 'कोई फेल नहीं' नीति लागू हुई।

यदि एक बच्चे को एक बढिया किताब, एक बढिया कलम, एक बढिया विद्यालय और एक बेहतरीन शिक्षक मिल जाए, तो वह दुनिया को बदलने का माद्दा रखता है। ऐसा नहीं है कि हमारे देश और प्रदेश की सरकारों ने शिक्षा की बेहतरी के लिए नीति बनाने में कोई कसर छोड़ी है। यह अलग बात है कि कोरे-कोरे कागजों पर सुनहरे भविष्य की रौशनी दिखाते शिक्षा के बल्ब ग्राउंड जीरो पर मद्धम पड़ जाते हैं या फ्यूज हो जाते हैं। बगैर पूर्वाग्रह के कहा जाए तो किसी शिक्षा नीति में कोई खराबी नहीं रही, परंतु ग्राउंड जीरो पर कार्यांन्वित करते हुए वो वर्क कल्चर विकसित नहीं हो पाया और शिक्षा लडख़ड़ाती रही, हिचकोले खाती रही। ऐसा क्यों हुआ? जवाब में सभी संबंधित हितधारकों के अपने-अपने दावे और दलीलें हैं, अपनी-अपनी शिकायतें और हिकायतें हैं। 1968 में कोठारी आयोग की रिपोर्ट पर आधारित देश की पहली राष्ट्रीय शिक्षा नीति से चलते हुए हम शिक्षा नीति 2020 पर आ गए हैं। इस बीच कई कमेटियां बनीं, कई अभियान व परियोजनाएं चलाई गईं। 1986 में 10 जमा 2 शिक्षा पद्धति को लागू किया गया। फिर सर्व शिक्षा अभियान आया और शिक्षा का अधिकार अधिनियम लागू हुआ। पहली से आठवीं तक 'कोई फेल नहीं' नीति लागू हुई। इसके पीछे भली मंशा यह थी कि बच्चों के जहनों से परीक्षा का डर खत्म किया जाए, परंतु इस भली मंशा में यह सिद्ध बात नजरअंदाज हो गई कि डर केवल तनाव नहीं देता, बल्कि हमें जागरूक व चौकस भी रखता है। लिहाजा बच्चे परीक्षा के प्रति उदासीन हो गए और इसके महत्व को नहीं जान पाए। देखा-देखी कई योग्य बच्चों की परीक्षा में बेहतर करने की ललक भी गुल हो गई। 'सब पास' के चलते कई माता-पिता भी अपने बच्चों की पढ़ाई से गाफिल हो गए। उधर बहुत से अध्यापक भी चिंतामुक्त हो गए क्योंकि हम उस व्यवस्था के मारे हैं, जहां बिना डर के पत्ता हिलाना मुश्किल जान पड़ता है। रहीम जी की यह बात चरितार्थ हो गई- चाह गई चिंता मिटी, मनुआ बेपरवाह। मस्ती की पाठशाला में सब मस्त हो गए। कहने वाले कहते रहे- ऑल इज वैल। परंतु जब बच्चे छठी व नवीं कक्षा में पहुंचने लगे और विभिन्न सर्वेक्षणों के नतीजे आने लगे, तो ढोल की पोल खुलने लगी। तब शिक्षा के कर्णधारों की तीसरी आंख खुलना लाजिमी थी। हालांकि गुरु को बेहतर गुरु बनने के गुर सिखाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए गए, सेमिनार और कार्यशालाएं आयोजित की जाती रहीं. परंतु उनमें शोर ज्यादा सुनाई दिया, व्यावहारिक जोर और गंभीरता कम दिखाई दी। खेल-खेल में पढ़ाई की अवधारणा कागजों में तो आकर्षक दिखी, परंतु असल में यह हुआ कि पढ़ाई पिछली सीट पर और खेल ड्राइवर सीट पर आ गया। जाने-अनजाने खेल-खेल में शिक्षा से खेला होता रहा। मॉनिटरिंग के लिए टीमें बनीं, पर हासिल क्या हुआ? गुरुजी पर नकेल कसने के लिए उनकी हाजिरी बाइऑमीट्रिक मशीन पर दर्ज की जाने लगी। यहां भी एक यह गड़बड़ हो गई कि बाइऑमीट्रिक मशीनें सेकेंडरी स्कूलों में तो लगीं, परंतु प्राइमरी और मिडल स्कूलों में नहीं लगीं जहां शिक्षा की नींव तैयार होती है। अब कहीं-कहीं, किसी-किसी स्कूल में लगी हों, तो अलग बात है। यह सब हमारी नाक के नीचे हुआ। जब कभी किसी कर्तव्यपरायण व जमीरजीवी चिंतक ने इस बाबत चिंता जाहिर की, तो उसे ये रटा-रटाया राग सुनाया जाता रहा- ऐसा ही चलता है। वाकई शिक्षा ऐसे ही चलती रही और वैसे नहीं चली, जैसे चलनी चाहिए थी। चलते-चलते शिक्षा नीति 2020 आ गई। इसके अनुसार 10 जमा 2 की जगह अब 5 प्लस 3 प्लस 3 प्लस 3 पद्धति को अपनाया जा रहा है। अभी यह आरंभिक दौर में ही है और इसी बीच जब तीसरी, छठी व नवीं के छात्रों के शिक्षा के स्तर की 'परख' हुई तो पाया गया कि अपना प्रदेश पूरे देश में आधारभूत साक्षरता, भाषायी व गणितीय दक्षताओं में 21वें स्थान पर खिसक गया है। अब स्थिति सुधारने के लिए ऊहापोह चल रही है। चिंता का विषय है कि छठी कक्षा का बच्चा दूसरी-तीसरी कक्षा के विषय समझ व पढ़ नहीं पा रहा है और नवीं कक्षा का छात्र छठी कक्षा का ज्ञान नहीं रखता। आगामी राष्ट्रीय सर्वेक्षण परीक्षा 'परख' दिसंबर माह में होगी। इसके लिए मॉक टैस्ट पर जोर दिया जा रहा है। अतिरिक्त कक्षाएं लगवाई जा रही हैं। अगर ऐसा ही जोर समय रहते देते, तो आज इसकी जरूरत न होती। ये हमारे अध्यापन का खोखलापन व शिक्षा व्यवस्था का नकारापन ही है कि आज छात्रों के अगली कक्षा में पहुंचने के बावजूद उन्हें पिछली कक्षाओं की पढ़ाई करवाने के लिए हम मजबूर हैं, वरना अगली कक्षा में पहुंचने के बाद पिछली कक्षाओं की पढ़ाई करने-करवाने की क्या गर्ज! शिक्षा के इस सफर में सरकार ने आदर्श स्कूल बनवाए, उत्कृष्ट स्कूल बनवाए और अब पीएम श्री स्कूल चिन्हित किए गए हैं। स्कूली भवनों की कायाकल्प की जा रही है।

आप का नजरिया

कम हो रहे हैं एड्स के रोगी

आकड़ों पर गौर करें तो पाएंगे की पीड़ितों को मौत के आगोश में सुलाने वाली यह महामारी धीरे ही सही मगर अब पकड़ में आ गईं है। विश्व स्तर पर चेतना और जागरुकता के कारण इस पर विजय हासिल की जा सकी। मगर इसका मतलब यह कतईं नहीं है कि एड्स हमारे पूरी तरह नियंत्रण में आ गया है। भारत अभी भी विश्व के उन पांच देशों में शुमार है जहां एड्स का प्रभाव सर्वाधिक है। संयुक्त राष्ट्र संघ के अनुसार 2030 तक एड्स को जड़ मूल से समाप्त कर दिया जाएगा। दुनिया के सबसे घातक बीमारियों में एक है एड्स। इस बीमारी का मुकम्मल इलाज अभी मुमकिन नहीं हो पाया है लेकिन वुछ रिसर्च हो रहे हैं। जिससे आप उम्मीद कर सकते हैं कि भविष्य में इसका एक मुकम्मल इलाज हो। विश्व एड्स दिवस हर साल एक दिसम्बर को मनाया जाता है। इस दिन इस वायरस और बीमारी से बचने के लिए कईं जागरुकता अभियान चलाए जाते हैं। लेकिन उसके बावजूद आम लोगों के दिमाग में कईं सवाल घूमते रहते हैं। इसी वजह से इस जानलेवा बीमारी को लेकर कईं तरह के मिथक बन जाते हैं। हर कोईं अपनी जानकारी के हिसाब से दूसरे व्यक्ति को सलाह देता है, लेकिन कौन-सी बात कितनी सच है इसको लेकर लोग काफी वंफ्यूजन रहता है। एचआईंवी को लेकर एक चौंकाने वाला तथ्य यह भी सामने आया है कि विश्व में एचआईंवी से पीड़ित होने वालों में सबसे अधिक संख्या किशोरों की है। यह संख्या 20 लाख से ऊपर है। यूनिसेफ की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि वर्ष 2000 से अब तक किशोरों के एड्स से पीड़ित होने के मामलों में तीन गुना इजाफा हुआ है जो कि चिन्ता का विषय है। ये चिन्ता तब और भी बढ़ जाती है जब ये जानने को मिलता है कि एड्स से पीड़ित दस लाख से अधिक किशोर सिर्प छह देशों में रह रहे हैं और भारत उनमें एक है। एड्स हाथ मिलाने, गले लगने, छूने, छींकने से नहीं पैलता. इससे बचने के लिए जरूरी है कि लोग इस बीमारी के प्रति जागरूक हों। अगर एचआईंवी पॉजिटिव हो, तो दवा लें, और अपना और अपने साथी का खास ख्याल रखें। एड्स नामक इस भयानक बीमारी ने देश की एक बड़ी आबादी को अपने प्रभाव में जकड़ रखा है। भारत में 15 से 49 वर्ष की उम्र के बीच के लगभग 25 लाख लोग एड्स से प्रभावित हैं। यह आंकड़ा विश्व में एड्स प्रभावित लोगों की सूची में तीसरे स्थान पर आता है। एचआईंवी आकलन 2012 के अनुसार भारतीय युवाओं में वार्षिक आधार पर एड्स के नए मामलों में 57 प्रतिशत की कमी आईं है। जो एक सुखद स्थिति है। यूनिसेफ ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि अब तक 37.9 मिलियन लोग एड्स के शिकार हुए हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार रोजाना 980 बच्चे एचआईंवी के शिकार होते हैं जिनमें से 320 की मृत्यु हो जाती है। विश्व एड्स दिवस 1988 से हर साल एक दिसंबर को मनाया जाता है। इसे मनाए जाने का मुख्य मकसद लोगों को एचआईंवी संव्रामण से होने वाली बीमारी एड्स के बारे में जागरूक करना है।

भारत पहली पारी में 86 पर चार विकेट गंवाकर संकट में

मुम्बई, 01 नवंबर (एजेंसियां)। रवींद्र जडेजा (पांच विकेट) और वॉशिंगटन सुंदर (चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी के दम पर भारत शुक्रवार को तीसरे टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड को 235 के स्कोर पर समेटने के बाद 86 रन पर रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, मोहम्मद सिराज और विराट कोहली के विकेट गंवाकर संकट में दिखाई दे रहा है।बल्लेबाजी करने उतरी भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने सातवें ही ओवर में कप्तान रोहित शर्मा (18) का विकेट गवां दिया। इसके बाद एजाज पटेल ने यशस्वी जायसवाल (30) को बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। नाईट वॉचमैन मोहम्मद सिराज आते ही शून्य पर पगबाधा हो कर लौट गये। इसके बाद अखिरी ओवर में विराट कोहली (4) गैरजिम्मेदाराना तरीके से रनआउट हुए। दिन का खेल समाप्त होने के समय भारत ने चार विकेट पर 86 रन बना लिये थे और शुभमन गिल (नाबाद 31) और ऋषभ पंत (नाबाद एक) क्रीज पर थे।

न्यूजीलैंड की ओर से एजाज पटेल ने दो बल्लेबाजों को आउट किया। वहीं मैट हेनरी को एक विकेट मिला। इससे पहले आज यहां वानखेड़े स्टेडियम में

न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया है। बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। न्यूजीलैंड ने सुबह के सत्र में भोजनकाल तक तीन विकेट पर 92 बनाये थे। भोजनकाल के बाद शतक की ओर बढ़ रहे विल यंग (71) को 43वें ओवर में जडेजा ने आउट कर न्यूजीलैंड को चौथा झटका दिया। विल यंग और डेरिल मिचेल के बीच चौथे विकेट के लिये 87 रनों की साझेदारी हुई। इसी ओवर में जडेजा ने टॉम ब्लंडल (शून्य) को बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। 53वें ओवर में ग्लेन फिलिप्स (17) को अपना शिकार बनाया। पहले सत्र में न्यूजीलैंड ने 92 पर तीन विकेट गवां थे। वहीं दूसरे सत्र में 100 रन पर तीन विकेट खोये। दूसरे सत्र में दो बल्लेबाजों ने अपने अर्धशतक पूरे किये। तीसरे सत्र की शुरुआत में न्यूजीलैंड ने 43 रन जोड़कर चार विकेट गवांये।

चायकाल के बाद जडेजा ने ईश सोढ़ी (सात) को पगबाधा आउट कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद उन्होंने मैट हेनरी (शून्य) को बोल्ड कर दिया। 66वें ओवर में वॉशिंगटन सुंदर ने डैरिल मिचेल (82) को आउट कर न्यूजीलैंड को बड़ा झटका दिया। इसी ओवर में एजाज पटेल (सात) वॉशिंगटन का चौथे शिकार बने। इसी के साथ न्यूजीलैंड की पहली पारी 65.4 ओवर में 235 पर सिमट गई।

सुबह पहले सत्र में चौथे ओवर में आकश दीप ने डेवने कॉन्वे (चार) को पगबाधा आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये विल यंग ने कप्तान टॉम लेथम के साथ दूसरे विकेट के लिये 44 रन जोड़े।

16वें ओवर में वॉशिंगटन सुंदर ने कप्तान टॉम लेथम (28) को बोल्ड कर भारत की झोली में दूसरा विकेट डाला। इसके बाद रचिन रवींद्र (पांच) को भी वॉशिंगटन ने 20 ओवर में बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। भारत की ओर से रवींद्र जडेजा ने पांच विकेट लिये, वॉशिंगटन सुंदर को चार विकेट मिले। आकाश दीप ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

पैराग्लाइडिंग करते समय गिरने से विदेशी पायलट की मौत

शिमला, 01 नवंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश की पर्यटन नगरी मनाली के प्रमुख पर्यटन स्थल मढ़ी में पैराग्लाइडिंग करते हुए गिरने से विदेशी महिला की मौत हो गई है। देर से प्राप्त रिपोर्ट के मुताबिक यह हादसा गत बुधवार को पेश आया। पुलिस ने मामला दर्जकर छानबीन शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार चेक गणराज्य की नागरिक मिसुर्सवा डिटा केसका मढ़ी में पैराग्लाडिंग कर रही थीं।

मिसुर्सवा खुद ही पैराग्लाइडर को उड़ा रही थीं। अचानक उसका ग्लाइडर क्रेश हो गया। चोट लगने के कारण महिला को मिशन अस्पताल में लाया गया, जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मनाली के पुलिस उपाधीक्षक केडी शर्मा ने शुक्रवार को बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक महिला के परिजनों को दूतावास के माध्यम से सूचना भेजी गई है।

हादसे की वजह का पता नहीं चल पाया है। वहीं, कुल्लू जिला मुख्यालय के साथ लगती लगघाटी के भुट्टी में एक पैराग्लाइडर ने आपात लैंडिंग की है। विदेशी पायलट ने मनाली से उड़ान भरी थी, लेकिन मौसम अनुकूल न होने के चलते उसे आपात लैंडिंग ही करनी पड़ी। गनीमत यह रही कि इस दौरान कोई हादसा पेश नहीं आया। आपात लैंडिंग करने वाला पायलट रूस का नागरिक है। इसका एक सोशल मीडिया भी वीडियो वायरल हो रहा है।

मालविका बंसोड़ और आयुष शेट्टी हाइलो ओपन के सेमीफाइनल में

सारब्रुकन (जर्मनी), 01 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी मालविका बंसोड़ और आयुष शेट्टी ने शुक्रवार को हाइलो ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज करते हुए महिला और पुरुष एकल स्पर्धा के सेमीफाइनल में जगह बना ली। आज यहां बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 टूर्नामेंट में छठी वरीयता प्राप्त मालविका बंसोड़ ने महिला एकल क्वार्टरफाइनल मैच में चौथी वरीयता प्राप्त वियतनाम की गुयेन थ्यू लिन्ह को 21-15, 21-17 से हराया।

23 वर्षीय मालविका बंसोड़ ने पहले गेम की शुरुआत में शानदार खेल का मुजाहिरा किया और 10-2 बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद बैडमिंटन रैंकिंग में मालविका से तीन पायदान ऊपर विश्व नंबर 31 पर काबिज गुयेन थ्यू लिन्ह ने बढ़त को 18-15 से कम कर दिया। हालांकि, भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने इसके बाद तीन लगातार अंक हासिल करते हुए पहला गेम 21-15 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में भी भारतीय शटलर ने अच्छे खेल का प्रदर्शन किया। दूसरे गेम में मालविका 9-3 से लीड कर रही थीं लेकिन गुयेन थ्यू लिन्ह ने इसके बाद कुछ बेहतरीन शॉट्स खेले और स्कोर 17-17 से बराबरी पर ला दिया। भारतीय शटलर ने अंतिम चार अंक हासिल करके सेमीफाइनल में जगह बनाई। सेमीफाइनल में बंसोड़ का मुकाबला डेनमार्क की जूली डावल जैकबसेन से होगा। जैकबसेन ने भारत की 17 वर्षीय रक्षिता श्री संतोष रामराज को 21-12, 21-17 से हराया है।

मालविका बंसोड़ का इस साल यह तीसरा सेमीफाइनल होगा। उन्होंने फरवरी में अजरबैजान इंटरनेशनल जीता और जून में वह यूएस ओपन सेमीफाइनल में पहुंची। उन्होंने चाइना ओपन के क्वार्टरफाइनल में पहुंचकर पेरिस 2024 की कांस्य पदक विजेता इंडोनेशिया की ग्रेगोरिया मारिस्का तुनजुंग को हराया था।

वहीं पुरुष एकल वर्ग मे 19 वर्षीय आयुष शेट्टी ने फिनलैंड के काले कोलजोनेन को 21-18, 21-18 से हराया। फाइनल में जगह बनाने के लिए आयुष शेट्टी का मुकाबला फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव से होगा। क्रिस्टो पोपोव को भारत के सातवीं वरीयता प्राप्त सतीश कुमार करुणाकरण से वॉकओवर मिला है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

2050 तक मुस्लिम ....

बिगड़ने वाले हैं। शोध के अनुसार 2010 में अफगानिस्तान में 0.4 फीसदी हिंदू थे जो जल्द ही गिरकर 0.3 फीसदी होने वाले हैं।

शोध में यह भी दावा किया गया है कि वर्ष 2050 तक ईसाई और इस्लाम के बाद हिंदू धर्म दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा धर्म बन जाएगा। 31.4 प्रतिशत ईसाई और 29.7 प्रतिशत मुस्लिमों के बाद 14.9 फीसदी हिंदुओं की कुल संख्या हो सकती है। लेकिन हिंदू बहुल देश कहे जाने वाले भारत में इस्लाम को मानने वालों की संख्या दुनिया में सबसे अधिक होगी।

तिरुपति मंदिर ...

और पारदर्शिता के साथ निभाएंगे। बीआर नायडू जाने माने सामाजिक व्यक्ति हैं। वह भक्ति

चैनल के साथ-साथ तेलुगु टीवी चैनल भी चलाते हैं।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली आंध्र प्रदेश की एनडीए सरकार ने बुधवार 30 अक्टूबर को टीटीडी के लिए 24 सदस्यों वाला एक नया बोर्ड गठित किया। सरकार ने बीआर नायडू को नवगठित टीटीडी बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त किया है। भारत बायोटेक इंटरनेशनल लिमिटेड की सह-संस्थापक और एमडी सुचित्रा एला को बोर्ड में सदस्य बनाया गया है।

उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले ही तिरुपति मंदिर के प्रसाद में गाय एवं सुअर का मांस और मछली का तेल पाए जाने पर विवाद बढ़ गया था। इसकी जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया था। इसके बाद जगन मोहन रेड्डी के मुख्यमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान तिरुपति मंदिर का प्रशासन करने वाले तिरुपति देवस्थानम बोर्ड से जुड़े लोगों पर सवाल उठाया गया था। रेड्डी सरकार ने तिरुपति देवस्थानम बोर्ड को ईसाई और मुस्लिमों के हाथ में सौंप दिया था। जिसके परिणामस्वरूप पूरे देवस्थान अपवित्र कर दिया गया।

इसी साल फरवरी में तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने कहा था कि वह मुस्लिम भक्तों के तिरुपति की सेवा करने का रास्ता तलाशेगा। ऐसा मुस्लिम भक्तों के अनुरोध पर करने की बात कही गई थी। बोर्ड ने दावा किया था कि कुछ मुस्लिम भक्तों ने भगवान् वेंकटेश्वर की सेवा करने की मांग बोर्ड से की है। इसे श्रीवरी सेवा के नाम से जाना जाता है। यह एक प्रकार की कारसेवा होती है, इसमें बोर्ड हिंदू श्रद्धालुओं को मंदिर से जुड़े कामों में लगाता है। हिंदू भक्त इसे अपनी श्रद्धानुसार कर सकते हैं, इसके लिए रजिस्ट्रेशन करवाना होता है। इसकी शुरुआत टीटीडी ने वर्ष 2000 में की थी। इस सेवा के तहत मंदिर प्रशासन ऐसे श्रद्धालुओं को 60 से अधिक क्षेत्रों, जैसे कि ट्रांसपोर्ट, साफ सफाई जैसे अन्य कार्यों में लगाता है।

देश में रहेगा...

सीआरपीएफ के महिला और पुरुष बाइकर द्वारा साहसी प्रदर्शन, बीएसएफ द्वारा भारतीय मार्शल आर्ट के संयोजन पर एक शो, स्कूली बच्चों द्वारा पाइप बैंड शो, भारतीय वायु सेना द्वारा सूर्य किरण फ्लाईपास्ट आदि शामिल रहा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि विकास और विश्वास की एकता ही एक भारत, श्रेष्ठ भारत के निर्माण को गति देती है। हमारी हर योजना, नीति और नीयत में एकता प्राण शक्ति है। इसे देखकर सरदार साहब की भी आत्मा जहां होगी हमें अवश्य आशीर्वाद दे रही होगी। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को भी उद्धृत किया। उन्होंने कहा कि वह कहते थे कि विविधता में एक होकर रहने की हमारी क्षमता की लगातार परीक्षा होती रहेगी जिसे हमें हर परिस्थिति में पास करना आवश्यक है। खुशी है कि पिछले 10 साल में सरकार ने विविधता में एकता को बढ़ावा दिया है। उन्होंने कहा कि बीते 10 वर्ष का कालखंड भारत की एकता और अखंडता के लिए अभूतपूर्व उपलब्धियों से भरा रहा है। आज सरकार के हर काम हर मिशन में राष्ट्रीय एकता की प्रतिबद्धता दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि आज सरदार पटेल की 150वीं जयंती वर्ष की शुरुआत हो गई है। अगले दो सालों में देश उनकी उपलब्धियां को उत्सव मनाएगा। इस कालखंड में सरकार की हर पहल और मिशन के माध्यम से राष्ट्रीय एकता की दिशा में किए गए प्रयासों और उपलब्धियां को सम्मान की दिया जाएगा। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर छत्रपति शिवाजी महाराज को भी याद किया। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज हमारी प्रेरणा हैं। उन्होंने आक्रांताओं को खदेड़ने के लिए सबको एक किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सरदार वल्लभभाई पटेल की 149वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। सरदार पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि जब भारत को आजादी मिली थी, तब दुनिया में कुछ लोग थे जो भारत के बिखरने का आकलन कर रहे थे। उन्हें उम्मीद नहीं थी कि सैकड़ों रियासतों को जोड़कर एक भारत का निर्माण हो पाएगा, लेकिन सरदार पटेल ने ये करके दिखा दिया। पीएम ने कहा कि ये इसलिए संभव हुआ क्योंकि पटेल व्यवहार में यथार्थवादी, संकल्प में सत्यवादी, कार्य में मानवतावादी और ध्येय में राष्ट्रवादी थे।

प्रधानमंत्री ने कहा, एक सच्चे भारतीय होने के नाते, हम सभी का कर्तव्य है कि हम देश की एकता के हर प्रयास को उत्सव और उमंग से भर दें। ऊर्जा, आत्मविश्वास, हर पल नए संकल्प, नई उम्मीद, नई उमंग यही तो उत्सव है। पीएम मोदी ने जम्मू-कश्मीर मे अनुच्छेद 370 खत्म करने का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, अनुच्छेद-370 को हमेशा-हमेशा के लिए जमीन में गाड़ दिया गया है। पहली बार वहां विधानसभा चुनाव में बिना भेदभाव के मतदान किया गया। पहली बार वहां के मुख्यमंत्री ने भारत के संविधान की शपथ ली है। यह दृश्य भारत के संविधान निर्माताओं को अत्यंत संतोष देता होगा, उनकी आत्माओं को शांति मिलती होगी और ये संविधान निर्माताओं को हमारी विनम्र श्रद्धांजलि है।

उन्होंने आगे कहा, आज पूरे देश को खुशी है कि आजादी के सात दशक बाद देश में एक देश और एक संविधान का संकल्प भी पूरा हुआ है। सरदार साहब को मेरी ये सबसे बड़ी श्रद्धांजलि है। 70 साल तक बाबा साहेब अंबेडकर का संविधान पूरे देश में लागू नहीं हुआ था। संविधान की माला जपने वालों ने संविधान का ऐसा घोर अपमान किया था। कारण था, जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद-370 की दीवार।

कच्चे तेल...

लाख बैरल हो गया। रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय रिफाइनरियों ने उच्च गुणवत्ता वाले पेट्रोल-डीजल व अन्य रिफाइंड उत्पादों की आपूर्ति में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी की है। इससे उन्हें सऊदी अरब को पीछे छोड़ने का मौका मिला। भारत की यह स्थिति आने वाले समय में और मजबूत हो सकती है।

भारत वित्त वर्ष 2023 में मॉस्को के लिए एक प्रमुख बाजार के रूप में उभरा, क्योंकि पश्चिमी प्रतिबंधों और यूरोप में शिपमेंट पर प्रतिबंध के मद्देनजर रूस ने कच्चे तेल पर भारी छूट दी। पश्चिमी आलोचना के बावजूद, भारत ने अपनी ऊर्जा मांग को रूसी तेल के माध्यम से पूरा करना जारी रखा है। यदि ऐसा नहीं किया गया होता, तो बढ़ती तेल कीमतों के कारण आयातित मुद्रास्फीति के परिणामस्वरूप भारत को गंभीर आर्थिक समस्या का सामना करना पड़ता।

रूस अपने मूल्य के आधार पर भारत के लिए कच्चे तेल के प्रमुख निर्यातक के रूप में उभरा। रूस से कच्चे तेल का आयात 3.35 बिलियन अमेरिकी डॉलर था, इसके बाद सऊदी अरब 2.30 बिलियन अमेरिकी डॉलर और इराक से 2.03 बिलियन अमेरिकी डॉलर था। पश्चिम द्वारा लगाया गया 60 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल का मूल्य सीमा रूसी तेल राजस्व को सीमित करने और वैश्विक मूल्य विकार से बचने के लिए तेल के निरंतर प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए था।

हर भारतीय ....

का भी आदान-प्रदान हुआ। शुक्रवार को दोनों देशों ने सीमाई समझौते का पालन करते हुए गश्त भी शुरू कर दी है। बताया गया है कि अभी दोनो देशों की सेनाओं ने इस गश्त को डेमचोक सेक्टर में शुरू किया है। हालांकि, आने वाले दिनों में देपसांग सेक्टर में भी भारतीय और चीनी सैनिकों की गश्त शुरू हो सकती है।

अरुणाचल सीमा पर सैनिकों के साथ दिवाली मनाते हुए केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि सीमा पर बुनियादी ढांचे को देखने के बाद अब हर कोई भारत के सीमा विकास पर गर्व महसूस करेगा। रिजिजू ने अरुणाचल प्रदेश के बुमला में सेना के जवानों के साथ दिवाली मनाई। इससे पहले उन्होंने तवांग में आर्मी हैलीपेड पर जवानों के साथ दिवाली मनाई। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने चीनी सैनिकों से पूछा कि इतनी ऊंचाई पर सांस लेने में कोई दिक्कत महसूस तो नहीं होती है। इस पर चीनी सैनिकों ने जवाब दिया कि नहीं। फिर केंद्रीय मंत्री बोले ऐसी दिक्कत के लिए ऑक्सीजन सिलिंडर तो रहता होगा। इस पर चीन के जवानों ने हामी भरी। इसके बाद केंद्रीय मंत्री ने भारतीय सेना के जवानों से भी मुलाकात की। उन्होंने कहा कि 15 हजार फीट की ऊंचाई पर रहकर देश की सेवा करना गर्व की बात है। उन्होंने जवानों को मिठाई का वितरण किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस बार कच्छ में सेना के जवानों के साथ दिवाली मनाई। पीएम नरेंद्र मोदी ने जवानों का जोश बढ़ाया था। उन्होंने कहा कि जवानों के साथ दिवाली का त्यौहार मनाने का मौका मिलना सबसे बड़ी खुशी है। मैं आप सभी को शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा कि देश में एक ऐसी सरकार है, जो भारत की एक इंच जमीन के साथ समझौता नहीं कर सकती।

खराब मौसम...

संबोधन की शुरुआत एलएसी के साथ कुछ क्षेत्रों में जमीनी स्थिति को बहाल करने के लिए भारत और चीन द्वारा हासिल की गई व्यापक सहमति का जिक्र करते हुए की। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास इस मामले को अग्रिम मोर्चों पर तैनानी खत्म करने से आगे ले जाने का है लेकिन इसके लिए हमें थोड़ा और इंतज़ार करना होगा। राजनाथ सिंह ने भारत के लौह पुरुष सरदार पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित की।

रक्षा मंत्री ने मेजर बॉब खथिंग को भी श्रद्धांजलि अर्पित की। एक असाधारण व्यक्ति खथिंग ने पूर्वोत्तर क्षेत्र और राष्ट्रीय सुरक्षा में अमूल्य योगदान दिया है। राजनाथ ने कहा कि मेजर खथिंग ने न केवल भारत में तवांग के शांतिपूर्ण एकीकरण का नेतृत्व किया, बल्कि सशस्त्र सीमा बल, नगालैंड सशस्त्र पुलिस और नगा रेजिमेंट सहित आवश्यक सैन्य और सुरक्षा ढांचे की स्थापना भी की। शौर्य संग्रहालय अब उनकी बहादुरी और दूरदर्शिता को श्रद्धांजलि के रूप में खड़ा है, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता है।

रक्षा मंत्री ने क्षेत्र की प्रगति में सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने असम और तवांग को जोड़ने वाली सेला सुरंग का विशेष उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में अरुणाचल फ्रंटियर हाइवे प्रोजेक्ट पूरे नॉर्थ ईस्ट क्षेत्र, खासकर सीमावर्ती इलाकों को जोड़ने में बड़ी भूमिका निभाएगा। दो हजार किलोमीटर लंबा यह राजमार्ग इस क्षेत्र के साथ-साथ पूरे देश के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक और आर्थिक सम्पत्ति साबित होगा।

अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (रि.) केटी परनायक, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू, मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह, अरुणाचल प्रदेश के उपमुख्यमंत्री चौना मीन और मेजर बॉब खथिंग का परिवार उद्घाटन स्थल पर उपस्थित था। थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी, जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ (पूर्वी कमान) लेफ्टिनेंट जनरल आरसी तिवारी, जीओसी 4 कोर लेफ्टिनेंट जनरल गंभीर सिंह और अन्य वरिष्ठ नागरिक और सैन्य अधिकारी रक्षा मंत्री के साथ इस कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल हुए।

लेह में भारत...

शुरू किया है, वह अपने आप में बड़ा प्रयोग है। दरअसल, अंतरिक्ष की भाषा में एनालॉग मिशन किसी असली मिशन की नकल की तरह है। इसके तहत वैज्ञानिक कुछ ऐसी जगह चुनते हैं, जो कि अंतरिक्ष या किसी आकाशीय पिंड के वातावरण और माहौल जैसा ही हो। इन जगहों को बाद में तय मानकों के अनुसार तैयार किया जाता है, ताकि ऐसी ही जगहों पर अंतरिक्ष यात्रियों या अन्य आकाशीय पिंडों पर जाने वालो की ट्रेनिंग कराई जा सके।

गौरतलब है कि भारत आने वाले दिनों में कई अहम मिशन की तैयारी कर रहा है। इनमें सबसे अहम है गगनयान मिशन, जिसके तहत भारत पहली बार अंतरिक्ष में यात्री को भेजने वाला है। ऐसे में लेह में इस तरह एनालॉग मिशन की तैयारी अहम है। आने वाले समय में अलग-अलग आकाशीय पिंडों पर मिशन के लिए भी यह एनालॉग मिशन अहम साबित होंगे, जिनके जरिए अंतरिक्ष यात्रियों को प्रशिक्षण मिलेगा।

लद्दाख अपनी भूवैज्ञानिक विशेषताओं के लिए अहम है। यहां की स्थितियां कुछ हद तक चांद और मंगल ग्रह की स्थितियों से मेल खाती हैं। यहां का ठंडा और शुष्क वातावरण, ऊंचाई वाला क्षेत्र अलग-अलग तकनीकों और लंबी अवधि के अंतरिक्ष के मिशनों के लिए तैयारियों को परखने के लिए उपयुक्त माना जाता है।

दंगा पीड़ितों...

विधायक ने दिल्ली वक्फ बोर्ड से मंजूरी लिए बिना ही दिल्ली वक्फ बोर्ड राहत समिति का गठन किया। प्रवर्तन निदेशालय ने यह भी कहा कि एजेंसी ने अमानतुल्ला पर अपने चुनावी हलफनामे में आश्रितों के बारे में पूरी जानकारी नहीं दी थी। मरियम सिद्दीकी की शादी अमानतुल्ला खान से हुई थी और वह अमानतुल्ला खान की पूरी तरह से आश्रित हैं। हलफनामे में यह बताना चाहिए था कि उसके पास आय का कोई ज्ञात स्रोत नहीं है और उसने कोई आयकर रिटर्न दाखिल नहीं किया है।

जांच में यह भी पाया गया है कि अमानतुल्ला खान ने साल 2020 में अपनी दूसरी बीवी मरियम सिद्दीकी के नाम पर 19 लाख रुपए की अचल सम्पत्ति खरीदी थी। उसने इस सम्पत्ति का भुगतान आंशिक रूप से नकद और आंशिक रूप से अपने करीबी सहयोगी जीशान हैदर से ली गई राशि से किया गया था। जिस सम्पत्ति को उसने खरीदा वह सम्पत्ति जावेद इमाम सिद्दीकी की थी।एजेंसी का दावा है कि दिल्ली वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में विधायक के रूप में गलत तरीके से कमाए गए अमानतुल्ला के पैसों का सारा प्रबंधन हैदर और दाऊद नासिर कर रहे थे। इसका इस्तेमाल उसने कौसर इमाम सिद्दीकी के माध्यम से ओखला क्षेत्र में 275-276, टीटीआई तिकोना पार्क में एक सम्पत्ति खरीदने के लिए नकद भुगतान करने के लिए किया। ईडी ने दावा किया है कि कौसर इमाम सिद्दीकी द्वारा हस्तलिखित सफेद डायरी को जब्त करने के बाद उससे पता चला है कि तिकोना पार्क में इस सम्पत्ति की खरीद के लिए अमानतुल्ला के करीबी सहयोगियों द्वारा 27 करोड़ रुपए का नकद भुगतान किया गया था। ईडी ने कहा कि विक्रेता जावेद इमाम सिद्दीकी और उसकी बीवी के बैंक खातों में बड़ी मात्रा में संदिग्ध नकदी जमा मिली है।

इस मामले में अमानतुल्ला खान, हैदर, दाऊद नासिर, कौसर इमाम सिद्दीकी और जावेद इमाम सिद्दीकी को ईडी ने गिरफ्तार किया था। ये सभी फिलहाल न्यायिक हिरासत में जेल में हैं। इस मामले में अमानतुल्ला खान को छोड़कर सभी आरोपियों के खिलाफ पहली चार्जशीट ईडी ने इस साल जनवरी में ही दाखिल कर दी थी। अमानतुल्ला खान के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के दो मामले है दर्ज हैं। एक वक्फ बोर्ड में कथित अनियमितताओं के संबंध में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) का मामला और दूसरी दिल्ली पुलिस की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई द्वारा दर्ज कथित आय से अधिक सम्पत्ति का मामला है। इनमें मनी लॉन्ड्रिंग की जांच ईडी कर रहा है।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली का हिंदू विरोधी दंगा फरवरी 2020 में हुआ था। हालांकि, इसकी तैयारी महीनों पहले से की जा रही थी। इसमें हिंदुओं को निशाना बनाया था। हालांकि, दिल्ली की सरकार ने मुस्लिमों के लिए कई तरह राहत कार्य उपलब्ध कराए थे। दिल्ली वक्फ बोर्ड ने मुस्लिमों के लिए 800 महिलाओं और 700 पुरुषों वाला बिस्तर एक शिविर स्थापित किया था। दिल्ली वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में अमानतुल्ला खान ने जिन मुस्लिमों के घर एवं दुकान बर्बाद हुए थे, उन्हें बनवाने एवं उनकी मरम्मत के लिए 50 लाख रुपए आवंटित किए थे। मार्च 2020 में अमानतुल्लाह खान ने कहा था कि जिन मुस्लिमों के घरों-दुकानों को नुकसान पहुंचा है, उनकी मरम्मत कराने में दिल्ली वक्फ बोर्ड मदद करेगा। इसके लिए कंस्ट्रक्शन समिति का भी गठन किया था।

इसी दौरान वक्फ बोर्ड ने कथित तौर पर क्षतिग्रस्त हुई 19 मस्जिदों की मरम्मत का काम भी शुरू किया था। अमानतुल्ला खान ने कहा था, मरम्मत का काम अशोक नगर की जामा मस्जिद से शुरू हुआ है। इसके लिए वक्फ बोर्ड ने 5 लाख रुपए की अग्रिम राशि जारी कर दी है। बोर्ड ने बोर्ड ने मुस्तफाबाद में भी मुस्लिमों के लिए एक राहत शिविर भी स्थापित किया था।

दुनियाभर में...

बांग्लादेश में भीड़ द्वारा हमला किया जा रहा है और लूटपाट की जा रही है, जो पूरी तरह से अराजकता की स्थिति में है। मेरे कार्यकाल में ऐसा कभी नहीं हुआ होता। कमला और जो बाइडन ने दुनिया भर में और अमेरिका में हिंदुओं की अनदेखी की है। वे इज़राइल से लेकर यूक्रेन और हमारी अपनी दक्षिणी सीमा तक तबाही मचा चुके हैं, लेकिन हम अमेरिका को फिर से मजबूत बनाएंगे और ताकत के जरिए शांति वापस लाएंगे। मेरे प्रशासन के तहत, हम भारत और मेरे अच्छे मित्र प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपनी महान साझेदारी को भी मजबूत करेंगे। साथ ही, सभी को दिवाली की शुभकामनाएं। मुझे उम्मीद है कि रौशनी का यह त्यौहार बुराई पर अच्छाई की जीत की ओर ले जाएगा।

ट्रंप के इस बयान पर भारतीय-अमेरिकियों ने ट्रंप की तारीफ की है। हिंदूज फॉर अमेरिका के संस्थापक और अध्यक्ष उत्सव संदुजा ने कहा कि वह ट्रंप के इस बयान के शुक्रगुजार हैं। उन्होंने कहा कि कमला हैरिस ने अब तक इस मुद्दे पर कुछ नहीं कहा है और लगता है कि इस चुनाव में बड़ा बदलाव आने वाला है। हिंदू एक्शन संस्थान ने भी ट्रंप के बयान के लिए उनका शुक्रिया जताया। संस्थान ने कहा, जैसा कि उन्होंने (ट्रंप ने) सही जिक्र किया कि बांग्लादेश में हिंदुओं की स्थिति बदतर है। आपका शुक्रिया कि आपने नैतिक स्पष्टता दिखाई और बांग्लादेश में हिंदू विरोधी हिंसा की निंदा की।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 02 नवंबर, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

रेवंत सरकार ने सरकारी छात्रावासों के छात्रों को दिया दिवाली तोहफा

आहार और कॉस्मेटिक शुल्क भत्ते में 40 फीसदी की बढ़ोतरी

हैदराबाद, 01 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना सरकार ने प्रदेश में सरकारी छात्रावास के छात्रों को दिवाली उपहार देते हुए एससी, एसटी, बीसी, अल्पसंख्यक और तेलंगाना गुरुकुल विद्या संस्थान सोसाइटी (टीआरईआईएस) छात्रावासों सहित सभी सरकारी छात्रावासों में आहार और कॉस्मेटिक शुल्क 40 प्रतिशत बढ़ा दिया है।

तेलंगाना पंचायत राज और आदिवासी विकास मंत्री धनसारी अनसूया सीताक्का ने शुक्रवार को बयान जारी करके छात्रों की जरुरतों को समझने तथा आहार और कॉस्मेटिक भत्ते में अभूतपूर्व 40 प्रतिशत की वृद्धि करने के लिए मुख्यमंत्री की सराहना की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पिछले 16 वर्षों में आहार शुल्क में इतनी उल्लेखनीय बढ़ोतरी नहीं की गई है। उन्होंने पूर्ववर्ती भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार पर आरोप लगाया कि उनके कार्यकाल में आहार शुल्क में मामूली वृद्धि की गई थी और सरकारी छात्रावासों में बुनियादी ढांचे की उपेक्षा की गई, जिससे छात्रों को अपर्याप्त सुविधाएं मिलीं। उन्होंने कहा, नई सरकार छात्रों को आवश्यक बुनियादी ढांचा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और अब 7.65 लाख छात्र इस वृद्धि से लाभान्वित होंगे।

डॉ. सीताका ने यह भी घोषणा की कि आहार और कॉस्मेटिक शुल्क ग्रीन चैनल के माध्यम से वितरित किए जाएंगे, जिससे धन की त्वरित और निर्बाध पहुंच सुनिश्चित होगी। उन्होंने जोर दिया कि इस वृद्धि से छात्रों और उनके परिवारों पर वित्तीय बोझ कम होगा। उन्होंने इस पहल को तेलंगाना के छात्रों के लिए सच्ची दिवाली भेंट निरुपित किया। प्रदेश के प्रमुख सचिव (शिक्षा) बुर्रा वेंकटेशम ने विभिन्न कल्याण विभागों के सचिवों के साथ मिलकर वृद्धि के लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का आभार व्यक्त किया और कहा कि इससे छात्रों को काफी लाभ होगा। उन्होंने छात्रों के लिए बेहतर पोषण सुनिश्चित करने के लिए आहार को समायोजित करने के मुख्यमंत्री के निर्देश की सराहना की, जिसमें नई आहार योजना को 10 दिनों के भीतर लागू किया जाना है। उन्होंने कहा कि बढ़ी हुई फीस से प्रदेश भर के लगभग 7.65 लाख छात्र लाभान्वित होंगे।

मां दुर्गा कृपा संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट की दीपावली सेवा आयोजित

हैदराबाद, 01 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मां दुर्गा कृपा संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट की दीपावली सेवा दीपावली के दिन गुरुवार 31 अक्तूबर को नुमाइश मैदान के समीप आयोजित की गई। एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा ट्रस्ट के प्रचार व प्रसार संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि नुमाइश मैदान के क़रीब बांस की टोकरियाँ बुनने वाले आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के लोग झोपड़ियों में निवास करते है उनकी सेवा करने हेतु दीपावली का पर्व मनाने हेतु उनके परिवार के क़रीब 100 नन्हे बालकों में मिठाई, खारा एवं पटाखे संतोष अग्रवाल- मुकुंद लाल अग्रवाल परिवार के सौजन्य से वितरित किए गए। इसी कड़ी में अमेरिका में स्थित वनाजा की ओर से बच्चों में चॉकलेट एवं खिलौने वितरित किए गए। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि ट्रस्ट पिछले 6 वर्षों से सेवा भाव में समर्पित हैं जिसकी स्थापना विनय किशोर तायल एवं एडवोकेट हेमा मालिनी तायल द्वारा की गई थी। धीरे धीरे आज ट्रस्ट एक वटवृक्ष का रूप धारण कर चुका है । ट्रस्ट द्वारा गर्मियों के मौसम में सरकारी प्रसूति गृह, पेटला ब्रुज के समीप हर रविवार को छाँच, लस्सी, नींबू पानी, ठंडाई का वितरण क़रीब 1,000 राहगीरों में किया जाता है । प्रति मास अन्नदान सेवा में पूरी, सब्ज़ी, चावल, सांभर, जलेबी, खारी बूंदी, शुद्ध जल की सेवा निरंतर की जाती है । गणेश चतुर्थी, हनुमान जयंती, खाटू श्याम के वार्षिक उत्सव के समय विशेष सेवाएँ प्रदान की जाती है। नवरात्रि के समय कन्या पूजन व प्रसाद का विशेष आयोजन किया जाता है। सैदाबाद के पास स्थित आदरना चिल्ड्रन होम में क़रीब 250 बच्चों में अल्पाहार की व्यवस्था की जाती है। उप्पल के सामीप लहरी वृद्धाश्रम में अल्पाहार एवं मध्याह्न भोजन की व्यवस्था की जाती है। समय समय पर शहर के विभिन्न अनाथाश्रम, वृद्धाश्रम, विद्यालयों में जाकर उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति की जाती है । बाज़ार घाट पर स्थित निलोफर अस्पताल में उनकी आवश्यकता अनुसार समान की पूर्ति की जाती है। कन्या विवाह हेतु सारा सामान कन्याओं को प्रदान किया जाता है। हर दिवाली, संक्रांति, होली जैसे त्योंहारों में बच्चों को सामग्री वितरित की जाती है। इस दीपावली की सेवा में ट्रस्ट के संस्थापक सदस्य विनय किशोर तायल, एडवोकेट हेमा मालिनी तायल, वरिष्ठ सदस्य मुकुंद लाल अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, शारदा अग्रवाल, नमिता अग्रवाल, संतोष गोयल, हितेश तायल, संजय अग्रवाल, कोमल गोयल आदि उपस्थित थे। अंत में संस्थापक विनय किशोर तायल सभी उपस्थित सदस्यों का धन्यवाद करते हुए ट्रस्ट के सभी सदस्यों को दीपावली की बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएँ प्रदान की।

सही डिजिटल उपाय पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाते हैं : अमिताभ

एनएमडीसी में चल रहे सतर्कता जागरूकता सप्ताह का समापन

हैदराबाद, 01 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक एनएमडीसी ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह का समापन अखंडता और नैतिक प्रथाओं के महत्व को रेखांकित करते हुए एक समारोह के साथ किया। 16 अगस्त 2024 से प्रारम्भ होकर 15 नवंबर तक चलने वाले तीन महीने के जागरूकता अभियान में परियोजना स्थलों और मुख्यालय में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। 28 अक्टूबर 2024 को प्रारम्भ हुए सतर्कता जागरूकता सप्ताह का समापन मुख्यालय में सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि विषय पर महेश एम. भागवत, अपर पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था), हैदराबाद के मुख्य भाषण सत्र के साथ संपन्न हुआ। जिसके बाद सतर्कता विभाग की गृह पत्रिका सुबोध का विमोचन किया गया तथा विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने वाले बच्चों, कर्मचारियों और हितधारकों को पुरस्कार वितरित किया गया। समापन कार्यक्रम में अमिताभ मुखर्जी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (अतिरिक्त प्रभार),

विनय कुमार, निदेशक (तकनीकी) और (कार्मिक, अतिरिक्त प्रभार) और बी विश्वनाथ, मुख्य सतर्कता अधिकारी सहित एनएमडीसी के वरिष्ठ नेतृत्व ने एनएमडीसी कर्मचारियों के साथ भाग लिया। मुख्य अतिथि महेश एम. भागवत, ने सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता प्रतिबद्धता और निष्ठा के महत्व पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने वयस्कों के व्यवहार को आकार देने वाले विकासात्मक चरणों पर सिगमंड फ्रायड के सिद्धांत का उदाहरण देते हुए बताया कि संचालन के लिए अखंडता किस प्रकार महत्वपूर्ण है। उन्होंने कर्मचारियों को ड्यूटी के अलावा सतर्कता का व्यवहार विकसित करने और एक निष्पक्ष और भरोसेमंद कार्यस्थल बनाने की साझा जिम्मेदारी के लिए प्रोत्साहित किया।उपस्थित समूह को संबोधित करते हुए सीएमडी (अतिरिक्त प्रभार) अमिताभ मुखर्जी ने सतर्कता टीम की वर्षभर लगातार किए गए प्रयासों के लिए सराहना की। उन्होंने कहा कि सतर्कता संगठन दोष-खोजने वाली संस्था से कहीं अधिक है। एनएमडीसी ने 100 मिलियन टन लक्ष्य की प्राप्ति के लिए क्षमता निर्माण में उल्लेखनीय प्रगति की है । यह एक बडा कदम है, जिसके लिए हमें सुव्यवस्थित, सुविचारित निर्णय लेने की आवश्यकता है। सही डिजिटल उपाय पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाते हैं। निवारक सतर्कता से प्रक्रियाएं बेहतर और प्रणालीबद्ध बनती हैं जिससे व्यक्तिगत विवेक से निर्णय लेने की निर्भरता सीमित हो जाती है। उन्होंने प्रतिभागियों से निवारक सतर्कता गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल होने, पारदर्शिता के लिए प्रणालियों को मजबूत करने और सरकारी दिशानिर्देशों के अनुरूप मानक खरीद प्रथाओं का पालन करने का आग्रह किया।

बी. विश्वनाथ, मुख्य सतर्कता अधिकारी ने संगठनों के भीतर निष्पक्ष, नैतिक और सुस्थिर प्रक्रियाओं को अपनाने में सीवीसी के दिशानिर्देशों की भूमिका पर बल दिया। उन्होंने क्षमता-निर्माण पहल की सफलता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हैदराबाद, बैलाडीला, जगदलपुर, नगरनार, पन्ना और दोणिमलै में 28 से अधिक स्कूलों और कॉलेजों में सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें 1,800 से अधिक छात्र शामिल हुए। हैदराबाद में हमने 1,000 छात्रों को विभिन्न स्किट और अन्य गतिविधियों में शामिल किया। कार्यक्रम के दौरान इन-हाउस सतर्कता पत्रिका सुबोध के चौथे संस्करण का विमोचन किया गया, जो कर्मचारियों और हितधारकों के लिए एक मूल्यवान संसाधन के रूप में काम करेगा।

पूरे सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान, विभिन्न परियोजनाओं में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं, स्लोगन लेखन, भाषण, निबंध लेखन और सर्वोत्तम हाउसकीपिंग पहल शामिल हैं।

इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को समापन सत्र के दौरान सम्मानित किया गया और संगठन के भीतर नैतिक प्रथाओं को बढ़ावा देने में उनके योगदान की सराहना की गई।एनएमडीसी ने इस सप्ताह के दौरान 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया। दौड को मुख्य सतर्कता अधिकारी बी. विश्वनाथ और सीजीएम जी.प्रियदर्शिनी ने हरी झंडी दिखाकर प्रारम्भ किया। एनएमडीसी कर्मचारियों ने विभिन्न स्कूलों केछात्रों के साथ उत्साहपूर्वक भाग लेकर भारत के लौह पुरुष को श्रद्धांजलि अर्पित की और सप्ताह की एकता और अखंडता की भावना को मजबूत किया।

अपने निवास एमएलए कॉलोनी, बंजारा हिल्स में दीपावली की पूजा करते हुए अग्रवाल समाज तेलंगाना के मैरेज डेटा कमेटी के चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल एवं पत्नी संतोष अग्रवाल।

सनतनगर में दीपावली मनाते हुए भाजपा नेता सपना गुप्ता, विमल गुप्ता, विनीत गुप्ता, भाग्य श्री।

दीपावली के पावन अवसर पर पूजा-अर्चनाकर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करते हुए प्रवासी समाज बन्धु ।

धोखाधड़ी के अलग-अलग मामले में दो व्यक्ति गिरफ्तार

हैदराबाद, 01 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना पुलिस ने धोखाधड़ी के अलग-अलग मामलों में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने असामान्य रूप से उच्च रिटर्न का वादा करके फर्जी निवेश योजनाओं के माध्यम से जनता से सात करोड़ रुपए की धोखाधड़ी करने के आरोपी एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि एक शिकायत के आधार पर साइबराबाद पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने हैदराबाद में डीबी स्टॉक ब्रोकिंग कंसल्टेंसी कुकटपल्ली शाखा के प्रबंधक एवं आंध्र प्रदेश के काकीनाडा के मूल निवासी विज्जी जगदीश चंद्र प्रसाद को गिरफ्तार किया है। आरोपी डीबी स्टॉक ब्रोकिंग कंसल्टेंसी में प्रबंधक के रूप में काम करता था, जहां उसने और एक अन्य आरोपी डीबी स्टॉक ब्रोकिंग कंसल्टेंसी के मालिक दीपांकर बर्मन ने कथित तौर पर इस योजना को अंजाम दिया। पुलिस के मुताबिक बर्मन को पहले गुवाहाटी में इसी तरह के अपराधों के लिए असम पुलिस ने गिरफ्तार किया था।

पुलिस ने बताया कि आरोपी ने हैदराबाद के कुकटपल्ली में कंपनी की स्थापना की और कई तरह की निवेश योजनाएं शुरू कीं, जो असाधारण रूप से उच्च रिटर्न की पेशकश करती थीं। धोखाधड़ी

वाली योजनाओं में योजना ए: एक साल में 120 प्रतिशत रिटर्न का वादा करने वाली वार्षिक योजना, योजना बी: छह महीने में 54 प्रतिशत रिटर्न देने वाली अर्ध-वार्षिक योजना, योजना सी: तीन महीने में 24 प्रतिशत रिटर्न देने वाली त्रैमासिक योजना और योजना डी: एक महीने में सात प्रतिशत रिटर्न देने वाली मासिक योजना शामिल है। इन योजनाओं ने हैदराबाद और आसपास के इलाकों से कई मासूम निवेशकों को आकर्षित किया, जिन्होंने सामूहिक रूप से लगभग 07 करोड़ रुपए का निवेश किया। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने जुलाई 2024 तक अपना व्यवसाय बंद कर दिया और निवेश किए गए धन को वापस करने में विफल रहे तथा कथित तौर पर पीड़ितों को धोखा दिया। आरोपियों ने हैदराबाद के अलावा कथित तौर पर इसी तरह की योजनाओं के तहत अन्य राज्यों में भी काफी धन इकट्ठा किया और उच्च रिटर्न के नाम पर लोगों को धोखा दिया।धोखाधड़ी के एक अन्य मामले में साइबराबाद पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने साई सूर्या डेवलपर्स के मालिक एवं हैदराबाद के रायदुर्गम निवासी कंचेरला सतीश चंद्र गुप्ता को गिरफ्तार किया है, जो मूल रूप से आंध्र प्रदेश के नेल्लोर जिले के रहने वाला है। पुलिस के मुताबिक गुप्ता कथित तौर पर वट्टिनागुलापल्ली गांव में एक फर्जी और अनधिकृत लेआउट में प्लॉट बेचने के बहाने ग्राहकों से पैसे इकट्ठा करके जालसाजी, धोखाधड़ी और साजिश करने में शामिल था। उसने कथित तौर पर प्लॉट देने के अपने वादे को पूरा किए बिना शिकायतकर्ता से 1.45 करोड़ रुपये वसूल कर लिये।

पुलिस ने बताया कि आरोपी ने भाग्यनगर प्रॉपर्टीज लिमिटेड के प्रबंध निदेशक नरेंद्र सुराना के साथ मिलकर वट्टिनागुलापल्ली में एक ही जमीन पर साई तुलसी एन्क्लेव और शानमुख निवास नाम से अनधिकृत लेआउट बनाने की योजना बनाई। दोनों ने 3.25 करोड़ रुपये मूल्य के एक प्लॉट के लिए बिक्री समझौता किया और फरवरी 2023 में शिकायतकर्ता से 1.45 करोड़ रुपये का अग्रिम भुगतान स्वीकार किया, लेकिन प्लॉट को पंजीकृत करने या बिक्री को पूरा करने में विफल रहे। इस तरह से आरोपियों ने शिकायतकर्ता को धोखा दिया। पुलिस के मुताबिक गुप्ता पहले भी इसी तरह के 11 आपराधिक मामलों में शामिल रहा है, जिसमें उसने करोड़ों रुपये इकट्ठा करने के लिए इसी तरह के तौर-तरीकों का इस्तेमाल किया है।

दीपावली अमावस्या के शुभ अवसर पर बजरंग सेना तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव ने कोटि के रानी पार्क के पास प्रतिष्ठित नल्ला पोचम्मा मंदिर में महा आरती समारोह का नेतृत्व किया। लक्ष्मण राव ने देवी मां नल्ला पोचम्मा के सम्मान में महा आरती की और सभी के लिए शांति, समृद्धि और सुरक्षा का आशीर्वाद मांगा। महा आरती के बाद इकट्ठे हुए भक्तों को अन्न प्रसादम वितरित किया गया। प्रभु बिरादर के साथ, रवि, श्रीकांत, विट्ठल, रघु, नरेश और अन्य ने भाग लिया।

जुमेरात बाजार, जिन्सी चौराहा स्थित पूजा स्वीटस् एंड कैटरर्स द्वारा दिपावली पर सम्मानित ग्राहक । अवसर पर उपस्थित प्रबंधक घाँसी महाराज व अन्य।

शशिकांत अग्रवाल, राष्ट्रीय संघटन मंत्री, अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन द्वारा तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष जी. प्रसाद कुमार को उनके निवास बंजारा हिल्स में भेंट कर दीपावली की बधाई दी और संस्था द्वारा तेलंगाना में की जा रही जनहित सेवाओं की जानकारी दी। साथ में हैं डॉ जैनुल्लाहबेदीन खान ।

राजस्थानी प्रगति का द्वारा दीपावली सम्मेलन 10 को

हैदराबाद, 01 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राजस्थानी प्रगति समाज द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी दीपावली सम्मेलन का आयोजन आगामी रविवार 10 नवम्बर को होटल ताजमहल, आबिड्स में किया जायेगा । उक्त जानकारी यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कार्यक्रम संयोजक रमेश कुमार बंग द्वारा दी गई ।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में राजस्थानी प्रगति समाज के मानद मंत्री गोविन्द राठी ने बताया कि सभी राजस्थानी समाज बन्धुओं से 10 नवम्बर को रात्रि 7:30 बजे से आयोजित 'दीपावली सम्मेलन' में पधारकर कार्यक्रम की शोभा बढाने का आग्रह किया है ।

राजस्थानी प्रगति समाज के अध्यक्ष कमलनारायण अग्रवाल ने सभी को दीपावली की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि दीपोत्सव सभी के लिए मंगलमय हो । उन्होंने कहा कि प्रगति समाज द्वारा पिछले कई वर्षों से लगातार दीपावली सम्मेलन का आयोजन करता आ रहा है । दीपावली सम्मेलन के आयोजन के पीछे उद्देश्य समग्र राजस्थानी समाज को एक मंच पर लाकर एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएँ प्रेषित करने का अवसर प्रदान करना है ।

उन्होंने सभी से अपने व्यस्ततम समय में से समय निकाल कर दीपावली सम्मेलन में सम्मिलित होकर दीपावली स्नेह मिलन का लाभ उठाने का आग्रह किया है ।

ईसामिया बाजार स्थित नारायण सेवा संस्थान में दीपावली के अवसर पर आयोजित पूजा कार्यक्रम में भाग लेते हुए जसमत पटेल, उत्तम डामराणी, अलका चौधरी, दैवज्ञ शर्मा, अभय चौधरी, अक्षत जैन, महेन्द्र सिंह रावत एवं अन्य ।

अग्रवाल समाज कार्यालय में दीपावली पूजा आयोजित

हैदराबाद, 01 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा कार्यालय में दीपावली पर पूजा-अर्चना की गई। इस अवसर पर बिहार अग्रवाल संगटन के पदाधिकारियों द्वारा आगामी 5 नवंबर को दीपावली स्नेह मिलन ड्रीमलैंड गार्डन, बालमराई में आयोजित होने वाले कार्यक्रम के अंतर्गत अग्रवाल समाज के अध्यक्ष एवं सभी पदाधिकारियों को अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया।

पूजा में समाज के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, उपाध्यक्ष पुरूषोतम अग्रवाल, मानद मंत्री कपूर चंद गुप्ता, संयुक्त मंत्री श्रीमती कंचन अग्रवाल, कोषाध्यक्ष नवीन कुमार अग्रवाल, भूतपूर्व अध्यक्ष अंजनी कुमार अग्रवाल, अग्रवाल समाज बैंक्विट हॉल के अध्यक्ष राकेश कुमार जालान, बिहार अग्रवाल संग के अध्यक्ष विकास केशन, मानद मंत्री भीम फिटकरी वाला, सयुक्त मंत्री अनूप झुनझुनवाला, कोषाध्यक्ष बिकी सराफ, अर्जुन फिटकरी वाला, आग्रमंजुष के प्रधान संपादक अशोक आर डाणी, श्रीमती सुमन गुप्ता, श्रीमती दीपा अग्रवाल, पवन डोकानिया, शीतल अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, आदि उपस्थित थे।

तेलंगाना में अगले 24 घंटों में बिजली गिरने के साथ आंधी के आसार

हैदराबाद, 01 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के कई जिलों में अलग-अलग स्थानों पर अगले 24 घंटों के दौरान बिजली गिरने के साथ आंधी आने के आसार हैं। मौसम विज्ञान केंद्र ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मौसम विभाग ने बताया कि राज्य के मनचेरियल, जगतियाल, राजन्ना सिरसिल्ला, करीमनगर, पेद्दापल्ली, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, महबुबाबाद, वारंगल, हनमकोंडा, रंगारेड्डी, हैदराबाद, मेडचल, मल्काजगिरी और कामारेड्डी जिले में बिजली गिरने के साथ आंधी आने का अनुमान है।

यहां दैनिक मौसम रिपोर्ट में कहा गया है कि अगले चार दिनों के दौरान राज्य में अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने का अनुमान है। तेलंगाना में पांच, छह और सात नवंबर को शुष्क मौसम रहने के आसार हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में अलग-अलग स्थानों पर बारिश हुई।

श्री बालवीर हनुमान मंदिर में अन्नकूट महोत्सव 10 नवम्बर को

हैदराबाद,, 01 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी श्री बालविर हनुमान मंदिर नामपल्ली रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म नं. 1 पर अन्नकूट महोत्सव का भव्य आयोजन आगामी रविवार 10-11-2024 आंवला नवमी को आयोजित किया जाएगा। उक्त कार्यक्रम का निमंत्रण पत्र का लोकार्पण श्री श्री प्रभुदास जी महाराज द्वारा किया गया।

इस अवसर पर भेरुलाल उपाध्याय, रामेश्वरलाल उपाध्याय (एसके), रामदेव नागला, घनश्याम दमावत, द्वारका प्रसाद तिवारी, मुरलीधर तिवारी, नरेश पांड्या, विष्णु गोपाल उपाध्याय, विष्णु कोलरिया, ज्ञानचंद व अन्य उपस्थित थे।

बिहार एसोसिएशन द्वारा छठ की तैयारी शुरू

हैदराबाद, 01 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बिहार एसोसिएशन के कार्यकारी मंडल अध्यक्ष हरे राम सिंह के नेतृत्व में महापर्व छठ पूजा के तैयारी शुरू कर दी गई।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में बिहार एसोसिएशन हैदराबाद के महासचिव प्रभास कुमार ने बताया कि छठ के बारे में दिलीप कुमार ने बताया की लोक मान्यता के अनुसार उत्तर भारत के राज्यों में छठ का विशेष महत्व है। छठ सिर्फ एक पर्व नहीं है, बल्कि लोक आस्था का पवित्र महापर्व है जिसका नहाए-खाए से शुरू होकर आस्ताचल एवं उदयाचल सूर्य को अर्घ्य पूजा के साथ समापन होता है। पारिवारिक सुख-समृद्धि एवं मनोवांछित फल प्राप्ति के लिए यह पर्व बहुत ही फलदायी माना गया है, इसका ऐतिहासिक महत्व रहा है स हिंदू मान्यता के अनुसार छठ पर्व की शुरुआत महाभारत काल से हुई थी। इस पर्व को सबसे पहले सूर्यपुत्र कर्ण ने सूर्य की पूजा करके शुरू किया था।

इसी क्रम में एसोसिएशन अध्यक्ष हरे राम सिंह, मानवेंद्र मिश्रा, उत्तम यादव, भरत सिंह, योगेंद्र योझा, सतीश झा, नवीन झा, प्रभास मिश्रा, प्रभास कुमार, अजय ओझा, आदित्यनाथ ओझा, भाग्य नारायण दास, जितेंद्र ओझा एवं श्याम सुंदर झा इत्यादि गणमान्य द्वारा टैंकबणड तथा अन्य छठ घाटों का निरीक्षण किया गया।

तिरुमला तिरुपति देवस्थानम के चेयरमैन मनोनित होने पर बी.आर. नायडू का अभिनंदन करते हुए सरसवती मां उपासक देवज्ञ शर्मा ।

श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी के शतघटाभिषेक में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

यदाद्रिगुट्टा, 01 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। यदाद्रि श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर के पुजारियों ने स्वाति नक्षत्र में दही और मंगला वाद्य यंत्रों के साथ वैदिक मंत्रों के बीच नरसिम्हा का शतघटाभिषेक किया। स्वामी की अष्टोत्तर शतघटाभिषेकम पूजा में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों और भक्तों ने भाग लिया। यदाद्रि मंदिर के साथ-साथ संबद्ध मंदिर में भी उत्सव हमेशा की तरह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में जिला कलेक्टर एम. हनुमंत राव, मंदिर ईओ भास्कर राव, डीईओ डी. भास्कर शर्मा, मंदिर के कर्मचारी, स्थानीय लोग और श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल हुए और पहाड़ी की परिक्रमा की।

अखिल भारतीय प्राचीन मंदिर जीर्णोद्धार ट्रस्ट के अध्यक्ष आरके जैन, सचिव रिदेश जागीरदार और सरस्वती माता उपासाकु दिवज्ञ शर्मा ने श्री भाग्य लक्ष्मी माता जी का आशीर्वाद लिया। अवसर पर मंदिर की ट्रस्टी सुश्री शशिकला व अन्य उपस्थित थे।

चारमीनार स्थित भाग्यलक्ष्मी माता मंदिर में दीपावली पर विशेष पूजा-अर्चना करते हुए जामबाग डिविजन पार्षद राकेश जायसवाल ।

इंटीग्रेटेड मार्केट भवन के अंदर दोपहिया वाहनों से लोग परेशान

मंचेरियाल, 01 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बेलमपल्ली के नए इंटीग्रेटेड मार्केट भवन के अंदर दोपहिया वाहनों के जाने से ग्राहकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बाजार भवन के प्रवेश द्वार के सामने बने गेट से वाहन न सिर्फ अंदर जाते हैं बल्कि वहीं खड़े भी हो जाते हैं। इससे सब्जी खरीदने आने वाले लोगों को कई

तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सब्जी बेचने वाले विक्रेताओं को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

रायल प्लाजा कोम्पलेक्स में दीपावली के अवसर पर आयोजित महालक्ष्मी माता एवं गौपूजा की पूजा करते हुए एटलास एडवर्टाईजिंग के जया जागीरदार। साथ मे है धारीणी पारस, तोरल रिद्धीश एवं लक्ष जागीरदार।

चेन्नूर विधायक ने किया एम्बुलेंस सेवा का उद्घाटन

मंचेरियाल, 01 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

चेन्नूर विधायक विवेक वेंकटस्वामी ने जिला कलेक्टर कुमार दीपक के साथ गुरुवार को चेन्नूर शहर के सामाजिक स्वास्थ्य केंद्र में दो 108 एम्बुलेंस सेवाओं का उद्घाटन किया। विधायक ने कहा कि सीएसआर फंड से दो 108 वाहन उपलब्ध कराए गए हैं। विधानसभा क्षेत्र के लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए एंबुलेंस सेवा शुरू करने की घोषणा की गई।

विधायक ने किए कल्याण लक्ष्मी और शादी मुबारक के चेक वितरित

मंचेरियाल, 01 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मंचेरियाल निर्वाचन क्षेत्र के विधायक कोक्कीराला प्रेम सागर राव ने मंचेरियाल एमआरओ कार्यालय में कल्याण लक्ष्मी के 18 लाभार्थियों को 18,02,088 रुपए के चेक और शादी मुबारक के चेक सौंपे। इस कार्यक्रम में संबंधित अधिकारियों, मंचेरियाल नगर उपाध्यक्ष, पार्षदों, जन प्रतिनिधियों, नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

पाकिस्तान में ब्लास्ट से 7 की मौत, 23 घायल

मरने वालों में 5 बच्चे और पुलिसकर्मी शामिल

मोटरसाइकिल में आईईडी लगाकर ब्लास्ट किया

इस्लामाबाद, 01 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में शुक्रवार को एक ब्लास्ट में 7 लोगों की मौत हो गई है। मरने वालों में 5 बच्चे समेत एक पुलिसकर्मी भी शामिल है। इसके अलावा अन्य 23 लोग घायल भी हुए हैं। ब्लास्ट को अंजाम देने के लिए एक मोटरसाइकिल पर रिमोट कंट्रोल्ड आईईडी बम लगाया गया था। यह ब्लास्ट मस्तुंग जिले के सिविल अस्पताल चौक पर कन्या माध्यमिक विद्यालय के पास हुआ। स्थानीय पुलिस अधीक्षक रहमत उल्लाह ने बताया कि इस हमले का निशाना वह पुलिस वैन थी, जो पोलियो टीकाकरण टीम को लेने जा रही थी।

एक अन्य पुलिस अधिकारी अब्दुल फतह ने एएफपी न्यूज एजेंसी को बताया कि ब्लास्ट में एक पुलिसकर्मी और एक दुकानदार की भी मौत हो गई है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस हमले की निंदा की है। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगाटी ने इस ब्लास्ट की निंदा करते हुए इसे अमानवीय करार दिया। मुख्यमंत्री ने कहा, हम मासूम बच्चों और नागरिकों की हत्या का बदला लेंगे। इसके अलावा उन्होंने नागरिकों से आतंकवादियों के प्रति सतर्क रहने की अपील की। धमाके के बाद, क्वेटा के सभी अस्पतालों में इमरजेंसी लागू की गई है। इसमें कहा गया कि सभी डॉक्टर, फार्मासिस्ट, स्टाफ नर्स और अन्य चिकित्सा स्टाफ को तुरंत बुलाया गया है। हमले को लेकर किसी भी संगठन ने जिम्मेदारी नहीं ली है। हालांकि बलूच और तालिबानी मिलिटेंट इस प्रांत में सुरक्षाबलों को निशाना बनाते रहते हैं।

मंगलवार को भी पोलियो टीकाकरण अभियान से जुड़े एक स्वास्थ्य कार्यालय पर हमले में एक पुलिसकर्मी की हत्या कर दी गई थी। यह हमले उस समय हो रहे हैं जब पाकिस्तान में सोमवार से तीसरा राष्ट्रीय पोलियो अभियान शुरू किया गया है। इस अभियान के तहत 71 जिलों में 4.5 करोड़ से पांच साल से कम उम्र के बच्चों को पोलियो से बचाव का टीका देना है। यह अभियान बलूचिस्तान और सिंध प्रांतों में बढ़ते पोलियो मामलों के मद्देनजर शुरू किया गया है। 2023 में पाकिस्तान में पोलियो के मामलों में कमी आई थी, जो 2022 में 20 से घटकर 6 रह गए थे। पाकिस्तान और अफगानिस्तान दुनिया के ऐसे दो देश हैं जहां अभी भी पोलियो का प्रकोप जारी है।

हवाई जहाज से उतरते वक्त गिरे पाकिस्तानी राष्ट्रपति जरदारी, पैर की हड्डी टूटी

इस्लामाबाद, 01 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी एक नई मुश्किल में फंस गए। दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विमान से उतरते समय उनके पैर की हड्डी टूट गई। यह घटना बुधवार रात को हुई, लेकिन पाकिस्तान के राष्ट्रपति के कार्यालय ने इसकी पुष्टि गुरुवार देर रात की। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति भवन ने बताया कि जरदारी विमान से उतरते समय गिर गए। इसके बाद उन्हें तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने जांच के बाद उनके पैर में प्लास्टर चढ़ा दिया। चार सप्ताह तक प्लास्टर रहेगा। उन्हें फिलहाल अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। घर भेज दिया गया है और आराम की सलाह दी गई है।

पाकिस्तान की मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 69 वर्षीय राष्ट्रपति को हाल के वर्षों में कई स्वास्थ्य समस्याएं हुई हैं। मार्च 2023 में संयुक्त अरब अमीरात में उनकी आंख की सर्जरी हुई थी। इससे पहले साल 2022 में उन्हें सीने में संक्रमण के इलाज के लिए एक सप्ताह के लिए कराची के डॉ. जियाउद्दीन अस्पताल में भर्ती कराया गया था। खराब स्वास्थ्य की अफवाहों के बीच उनके निजी चिकित्सक और करीबी सहयोगी डॉ. आसिम हुसैन ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पुष्टि की थी कि राष्ट्रपति की सेहत ठीक है। उनके बेटे और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी के अनुसार, जुलाई 2022 में उनमें कोरोना वायरस से संक्रमण की पुष्टि हुई थी, उनमें कोविड-19 के हल्के लक्षण थे।

जरदारी को पाकिस्तान में मिस्टर 10% कहा जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि वे बेनजीर के प्रधानमंत्री रहने के दौरान किसी भी प्रोजेक्ट या सरकार से लोन की इजाजत दिलवाने के बदले 10% कमीशन की मांग करते थे। जरदारी को फर्जी बैंक अकाउंट के जरिए पाकिस्तान से बाहर पैसे भेजने के एक मामले में नेशनल अकाउंटेबिलिटी ब्यूरो (एनएबी) गिरफ्तार भी किया था। आसिफ अली जरदारी अपना कार्यकाल पूरा करने वाले पाकिस्तान के पहले राष्ट्रपति हैं।

1988 में एक प्लेन क्रैश में पाकिस्तान के तत्कालीन तानाशाह जनरल जिया-उल-हक की मौत हो गई। इसके बाद बेनजीर की पार्टी ने आम चुनावों में जीत हासिल की और भुट्टो देश की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं। जरदारी ज्यादातर बेनजीर सरकार से दूर ही रहते थे। हालांकि, इस दौरान सरकार से जुड़े कई मामलों में जरदारी पर घोटाले के आरोप लगने लगे। पाकिस्तान के पूर्व केयरटेकर पीएम गुलाम मुस्तफा जटोई ने जरदारी ने उनके खिलाफ घोटालों की जांच शुरू की थी। बेनजीर की सरकार गिरने के बाद उनके देश छोड़ने पर भी पाबंदी लगा दी गयी थी। इसके बाद जरदारी के ऊपर भ्रष्टाचार, किडनैपिंग, बैंक फ्रॉड और हत्या की साजिश जैसे कई आरोप लगे। उन्हें 1997 से 2004 तक जेल में रखा गया। नवंबर 2004 में उन्हें जमानत मिल गई। हालांकि, हत्या के मुकदमे की सुनवाई में शामिल न होने के बाद उन्हें फिर से गिरफ्तार कर लिया गया।

TIBCON
CAPACITORS
It's all about
SAVING ENERGY
AND MONEY
GARG
Garg Power Products Pvt. Ltd.
Cell: -91 99 12 4444 26
-91 99 48 1234 59

शेयर मार्केट

बीएसई : 79,724.12
+335.06 +0.42% ↑
एनएसई :24,299.55
+94.20 (0.39%) ↑

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 81,124/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 97,670/-
(प्रति किलोग्राम)

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 33^0
न्यूनतम : 24^0

दुनियाभर में नेताओं ने मनाई दिवाली,कमला हैरिस ने जलाई फुलझड़ी

ब्रिटिश पीएम ने आरती की, व्हाइट हाउस में ओम जय जगदीश हरे बजा

वॉशिंगटन/लंदन/नई दिल्ली, 01 नवंबर (एजेंसियां)। फेस्टिवल ऑफ लाइट्स यानी दिवाली के त्योहार को लेकर भारत समेत दुनिया भर में जश्न मनाया गया। इस दौरान दुनिया के प्रमुख नेताओं ने दिवाली का त्योहार मनाया और शुभकामनाएं दीं। अमेरिका में राष्ट्रपति पद की प्रत्याशी कमला हैरिस ने पेंसिल्वेनिया के एक मंदिर में दिवाली मनाई। उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने कहा, आज हम अमेरिका और दुनियाभर में एक अरब से ज्यादा लोगों के साथ मिलकर दीये जला रहे हैं। हम उनके साथ मिलकर बुराई पर अच्छाई, अज्ञान पर ज्ञान और अंधकार पर प्रकाश की लड़ाई का जश्न मना रहे हैं।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने भी दिवाली का त्योहार मनाया। उन्होंने पूजा की थाली लिए हुए एक तस्वीर साझा की है। उन्होंने लिखा- यूके में दिवाली मनाने वाले सभी लोगों को बहुत बधाई। मैं आपको और आपके परिवार को दिवाली की शुभकामनाएं देता हूं। इससे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति आवास में बुधवार रात दिवाली जश्न मनाया गया। इस दौरान मिलिट्री बैंड ने आरती गीत ओम जय जगदीश हरे बजाया। इस वीडियो को इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड की डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर गीता गोपीनाथ ने शेयर किया है।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री स्टार्मर ने ब्रिटिश भारतीय समुदाय के लिए अपने संदेश में कहा- आज की दुनिया में अंधकार पर प्रकाश की विजय अहम है, क्योंकि हम अब पहले से कहीं ज्यादा अस्थिर दुनिया में रह रहे हैं। ऐसा लगता है कि दुनिया भर में बहुत अधिक अंधकार है और अंधकार पर प्रकाश की विजय का जश्न मनाना बहुत जरूरी है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने पूर्व पीएम ऋषि सुनक को उनकी सेवाओं के लिए धन्यवाद भी दिया। सुनक ने गुरुवार को दिवाली के मौके पर विपक्षी नेता के पद से इस्तीफा दिया है। सुनक ने कहा कि 2 साल पहले वे दिवाली पर ही कंजरवेटिव पार्टी के नेता बने थे और आज दीवाली के दिन ही अपना पद छोड़ रहे हैं। पाकिस्तान में भी बुधवार को दिवाली का जश्न मनाया गया। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज हिंदुओं और सिखों के साथ सेलिब्रेशन में शामिल हुईं। सीएम मरियम ने दीपक जलाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। साथ ही वर्चुअल आतिशबाजी भी की। लोगों को संबोधित करते हुए मरियम ने कहा कि अगर कोई अल्पसंख्यकों के साथ अत्याचार करता है तो वो पीड़ितों के साथ खड़ी रहेंगी। मरियम ने कार्यक्रम के दौरान हिंदू महिलाओं से बातचीत भी की। साथ ही 1400 हिंदू परिवारों को 15-15 हजार रुपए के चेक भी दिए।

नई दिल्ली स्थित नार्वे के दूतावास में भी दिवाली का जश्न मनाया गया। यहां नार्वियन राजदूत मे एलिन स्टेनर ने हिंदी फिल्म स्त्री 2 के गाने पर डांस किया। भारत में फ्रांस के दूतावास में बुधवार को दिवाली का जश्न मनाया गया। इस दौरान फ्रांसीसी राजदूत थियेरी मथाउ मिठाई लेने के लिए दिल्ली के बंगाली मार्केट पहुंचे। मथाउ ने यहां एक मिठाई की दुकान से काजू कतली खरीदी। इसके लिए उन्होंने यूपीआई के जरिए पेमेंट भी किया।

अमेरिका के न्यूयॉर्क में बुधवार को वन वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर दिवाली का जश्न मनाया गया। इस दौरान लाइट शो का आयोजन हुआ। वन वर्ल्ड सेंटर अमेरिका की सबसे ऊंची इमारत है। न्यूयॉर्क में मौजूद भारत के वाणिज्य दूतावास ने जश्न की तस्वीरों को एक्स पर पोस्ट भी किया। भारत में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने 30 अक्टूबर को दिल्ली स्थित दूतावास पर दिवाली सेलिब्रेशन किया। अमेरिकी दूतावास पर दिवाली पार्टी का आयोजन किया गया। इस दौरान अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी कुर्ता पायजामा में देसी अंदाज में नजर आए। यहां एरिक ने बॉलीवुड मूवी बैड न्यूज के गाने तौबा-तौबा पर डांस भी किया। एरिक के डांस वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। सुनीता विलियम्स ने भी दिवाली के मौके पर लोगों को शुभकामनाएं दीं। सोमवार को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) से सुनीता ने वीडियो मैसेज भेजा। अपने संदेश में सुनीता ने कहा- इस साल मुझे अंतरिक्ष स्टेशन पर पृथ्वी से 400 किमी ऊपर दिवाली मनाने का अनोखा अवसर मिला है।

कमला हैरिस का ट्रंप पर वार, कहा

ट्रंप बदले की भावना-शिकायती रवैये से भरे हैं, व्हाइट हाउस में दुश्मनों की सूची लाएंगे

फिलाडेल्फिया, 01 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में अब चंद दिनों का समय बचा है। इस बीच डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस ने अपने रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप पर हमले जारी रखे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रंप लगातार अस्थिर हो रहे हैं। वे बदले की भावना से भरे हैं और बिना निगरानी वाली जबरदस्त ताकत रखते हैं।

लास वेगास में एक रैली के दौरान हैरिस ने कहा कि ट्रंप का सबकुछ नफरत पर आधारित है। वह लोगों को और ज्यादा बांटना चाहते हैं। कमला हैरिस ने कहा कि वह व्हाइट हाउस मे दुश्मनों की एक लिस्ट लेकर आएंगे, जबकि वह खुद कामों की लिस्ट लाएंगी।

कमला हैरिस के इस कार्यक्रम में गायिका और अभिनेत्री जेनिफर लोपेज भी शामिल रहीं। इस दौरान डेमोक्रेट उम्मीदवार ने कहा, हम जानते हैं कि डोनाल्ड ट्रंप कौन हैं। वह कोई ऐसे शख्स नहीं हैं, जो आपकी जिंदगी को बेहतर बनाएंगे। वह कुछ ऐसे हैं, जो आपके जीवन को और अस्थिर करेंगे।

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव 5 नवंबर को होने वाले हैं, जिसमें उपराष्ट्रपति कमला हैरिस पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति और रिप-ब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ चुनाव लड़ेंगी। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व्हाइट हाउस में वापसी की कोशिशों में जुटे हैं, वहीं उपराष्ट्रपति कमला हैरिस अमेरिका की पहली महिला राष्ट्रपति बनकर इतिहास रचने के करीब हैं।

CHANGE OF NAME
I, NALINI KUMARI, is legal Mother of No-15225459N, Rank-NK, Name-ASHISH N, residing at H.No-52, Kallencheriveedu, Vill Veeranakavu, PO- Panniyodu, Teh Nedumangadu, Dist-Trivindrum, Kerala. PIN-695575, I have to changed my Name from - **NALINI KUMARI** to **NALINIKUMARI G** for all purpose vide affidavit dated: 29/10/2024.

नेपाल ने नोट छापने का ठेका चीनी कंपनी को दिया

100 रुपए की 30 करोड़ प्रतियां छपेंगी, नोट पर बने मैप में 3 भारतीय इलाके

काठमांडू, 01 नवंबर (एजेंसियां)। नेपाल के केंद्रीय बैंक नेपाल राष्ट्र बैंक ने चीन की एक कंपनी को 100 रुपए के नए नेपाली नोट छापने का कॉन्ट्रैक्ट दिया है। न्यूज एजेंसियों के मुताबिक, इन नोटों पर बने नक्शे में भारत के लिपुलेख, लिंपियाधुरा और कालापानी इलाके को नेपाल का हिस्सा दिखाया गया है। इस इलाके को लेकर भारत-नेपाल के बीच करीब 35 साल से विवाद है। रिपोर्ट के मुताबिक चीन के बैंक नोट प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉर्पोरेशन कंपनी को नोट छापने का ठेका मिला है। चीन की कंपनी नेपाली नोट की नोट की 30 करोड़ प्रतियां छापेगी। इस पर करीब 75 करोड़ भारतीय रुपए का खर्च आएगा। यानी 100 रुपए के 1 नेपाली नोट छापने की कीमत करीब 2.50 भारतीय रुपए होगी।

नेपाल में नेपाल राष्ट्र बैंक के पास नोटों के डिजाइन बदलने का अधिकार है। हालांकि, इसके लिए उन्हें सरकार से मंजूरी लेनी पड़ती है। नेपाल के मंत्रिमंडल ने इस साल मई में इस नोट के डिजाइन में बदलाव को मंजूरी दी थी। तब नेपाल में पुष्प कमल दहल प्रचंड प्रधानमंत्री थे। केपी शर्मा ओली इस सरकार का समर्थन कर रहे थे। 12 जुलाई को ओली ने प्रचंड सरकार सरकार से समर्थन वापस ले लिया था। अब वे नेपाल के पीएम हैं। उनका समर्थन नेपाली कांग्रेस के नेता और पूर्व पीएम शेर बहादुर देउबा कर रहे हैं। नेपाल ने 18 जून 2020 को देश का नया पॉलिटिकल मैप जारी किया था। इसमें लिपुलेख, लिंपियाधुरा और कालापानी को नेपाल का हिस्सा दिखाया गया था। इसके लिए नेपाल के संविधान में भी बदलाव किया गया था। तब भारत सरकार ने नेपाल के इस कदम को एकतरफा बताते हुए इसका विरोध किया था। भारत, नेपाल और चीन सीमा से लगे इस इलाके में हिमालय की नदियों से मिलकर बनी एक घाटी है, जो नेपाल और भारत में बहने वाली काली या महाकाली नदी का उद्गम स्थल है। इस इलाके को कालापानी भी कहते हैं। यहीं पर लिपुलेख दर्रा भी है। यहां से उत्तर-पश्चिम की तरफ कुछ दूरी पर एक और दर्रा है, जिसे लिंपियाधुरा कहते हैं। अंग्रेजों और नेपाल के गोरखा राजा के बीच 1816 में हुए सुगौली समझौते में काली नदी के जरिए भारत और नेपाल के बीच सीमा तय की थी। समझौते के तहत काली नदी के पश्चिमी क्षेत्र को भारत का इलाका माना गया, जबकि नदी के पूर्व में पड़ने वाला इलाका नेपाल का हो गया। काली नदी के उद्गम स्थल, यानी ये सबसे पहले कहां से निकलती है, इसे लेकर दोनों देशों के बीच विवाद रहा है। भारत पूर्वी धारा को काली नदी का उद्गम मानता है। वहीं नेपाल पश्चिमी धारा को उद्गम धारा मानता है और इसी आधार पर दोनों देश कालापानी के इलाके पर अपना-अपना दावा करते हैं। लिंपियाधुरा-कालापानी-लिपुलेख उत्तराखंड के कुमाऊं मंडल में पिथौरागढ़ जिले का हिस्सा हैं। ये तीनों इलाके 370 वर्ग किमी में फैले हुए हैं। यहां रहने वाले लोगों की नागरिकता भारतीय है और वे भारत में टैक्स का भुगतान करते हैं।

उत्तराखंड के पिथौराढ़ जिले में स्थित कालापानी भारत, तिब्बत और नेपाल के बीच ट्राई-जंक्शन पर है। इसलिए यह सामरिक तौर पर काफी अहम जगह है। कालापानी से भारत बहुत आसानी से चीनी सेना पर नजर रख सकता है। भारत ने पहली बार 1962 के युद्ध में यहां सेना तैनात की थी। इलाके के महत्व को देखते हुए इन दिनों यहां भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) तैनात है। वहीं, लिपुलेख दर्रा उत्तराखंड को तिब्बत से जोड़ता है। भारत से मानसरोवर जाने वाले तीर्थयात्री लिपुलेख दर्रे से होकर गुजरते हैं। 1962 में चीन के हमले के बाद भारत ने लिपुलेख दर्रे को बंद कर दिया था। 2015 में चीन के साथ व्यापार और मानसरोवर यात्रा को सुगम बनाने के लिए इसे दोबारा खोला गया। मई 2020 में भारत ने कैलाश मानसरोवर यात्रा को सुगम बनाने के लिए पिथौरागढ़ से लिपुलेख दर्रे तक 80 किमी लंबी नई सड़क का उद्घाटन किया था, जिसे लेकर नेपाल ने नाराजगी जताई थी। लिंपियाधुरा दर्रा क्षेत्र पर नेपाल का दावा कालापानी पर उसके दावे से उपजा है। यह तिब्बत की नगारी सीमा के पास भारत से सटा हुआ है। अंग्रेजों के साथ संधि के करीब 100 साल बाद तक इस इलाके को लेकर कोई विवाद नहीं हुआ। यहां तक कि भारत ने 1962 में चीनी आक्रमण को रोकने के लिए इस इलाके में अपनी सेना तक तैनात कर दी थी। अभी भी इस इलाके के कई हिस्सों में भारतीय सेना तैनात है। 1990 में नेपाल के राजशाही से लोकतंत्र की ओर बढ़ाते ही इस इलाके को लेकर विरोध के सुर उठने लगे। ये विवाद 2015 में तब गहराया जब कम्युनिस्ट नेता केपी ओली नेपाल के प्रधानमंत्री बने। ओली ने नेपाल के परंपरागत दोस्त भारत के बजाय चीन से नजदीकियां बढ़ाईं।

DAILY शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिंदी दैनिक समाचार पत्र
में
दुःखद समाचार जैसे
स्वर्गवास, उठावना,
पगड़ी रस्म, श्रद्धांजलि,
पुण्यतिथि का विज्ञापन
अब मात्र रु.500/- में
साईज : 12 X10 cm
विज्ञापन एवं अधिक जानकारी के लिए
सम्पर्क करें
77991 44471, 8688868345

हैदराबाद हवाईअड्डे पर दो यात्रियों से सात करोड़ रुपए की हाइड्रोपोनिक वीड जब्त

हैदराबाद, 01 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) के अधिकारियों ने दिवाली पर मादक पदार्थ की तस्करी के प्रयास को विफल करते हुए यहां शमशाबाद स्थित राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दो भारतीय यात्रियों से करीब सात करोड़ रुपये की हाइड्रोपोनिक वीड जब्त की है। डीआरआई ने शुक्रवार को जारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी।विज्ञप्ति के मुताबिक विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार डीआरआई अधिकारियों ने गुरुवार को आरजीआईए में बैंकॉक से आ रहे दो भारतीय यात्रियों को रोका। उनके चेक-इन सामान की व्यवस्थित तलाशी लेने पर चॉकलेट के पैकेट के अंदर 13 वैक्यूम-पैक पारदर्शी पैकेट पाए गए। सभी 13 पैकेटों से गांठदार रूप में एक हरा पदार्थ बरामद किया गया। फील्ड टेस्ट किट से जांच किये जाने पर उसमें मारिजुआना होने का संकेत मिला। विज्ञप्ति में कहा गया है कि 7.096 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक खरपतवार वाले पैकेट जब्त कर लिए गए हैं। दोनों यात्रियों को एनडीपीएस अधिनियम, 1985 के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। मामले की अग्रिम जांच जारी है।

मंचेरियाल निर्वाचन क्षेत्र के विधायक कोक्कीराला प्रेम सागर राव ने संबंधित अधिकारियों के साथ मंचेरियाल आईबी स्क्वायर में सरकारी अस्पताल का निरीक्षण किया। इस कार्यक्रम में संबंधित अधिकारियों मंचेरियाल नगर उपाध्यक्ष पार्षदों, जन प्रतिनिधियों, नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

कांग्रेस के शासन में राज्य की आर्थिक वृद्धि पर लग गया विराम : केटीआर

बीआरएस तेलंगाना में निकालेगी प्रदेशव्यापी पदयात्रा

हैदराबाद, 01 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव ने पार्टी कार्यकर्ताओं की भारी मांग के परिप्रेक्ष्य में प्रदेशव्यापी पदयात्रा निकालने की घोषणा की है।

श्री रामाराव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर नेटिज़न्स के सवालों के जवाब में आश्वासन दिया कि पदयात्रा का उद्देश्य बीआरएस पार्टी को मजबूत करना और राज्य भर के नागरिकों से जुड़ना होगा। उन्होंने कहा कि यह पदयात्रा देश भर में अन्य पार्टी नेताओं द्वारा इसी तरह के प्रयासों के जवाब में है, जो जनता के समर्थन को मजबूत करने में अपनी भूमिका पर जोर देती है।

करीब एक घंटे तक चली बातचीत के दौरान श्री रामाराव ने राज्य में सत्तारुढ़ कांग्रेस सरकार की तीखी आलोचना की और इसे तेलंगाना के लिए अभिशाप बताया। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के शासन में राज्य की आर्थिक वृद्धि पर विराम लग गया है और

सामाजिक कल्याण प्रयासों को कमजोर कर दिया है। पिछले 10 महीनों में कोई ठोस लाभ नहीं हुआ है। उन्होंने सत्तारूढ़ पार्टी पर चुनावी वादों को पूरा करने में विफल रहने और अपनी कमियों से ध्यान हटाने के लिए राजनीतिक उत्पीड़न में शामिल होने का आरोप लगाया।

उन्होंने कांग्रेस के शासन में तेलंगाना की आर्थिक गिरावट पर चिंता व्यक्त की और बेरोजगारी में वृद्धि, व्यवसायों का पलायन तथा सभी क्षेत्रों में बिगड़ते बुनियादी ढांचे का हवाला दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस की दूरदर्शिता की कमी के कारण तेलंगाना पिछड़ गया है। उन्होंने राजनीतिक भ्रष्टाचार और मूसी नदी की सफाई जैसी सार्वजनिक परियोजनाओं में धन के कथित दुरुपयोग पर चिंता जताई और इसे सबसे बड़े भ्रष्टाचार घोटालों में से एक करार दिया।

उन्होंने प्रभावशाली डेवलपर्स की अनदेखी करते हुए छोटे और मध्यम वर्ग के समुदायों को चुनिंदा रूप से लक्षित करने के लिए सरकार की आलोचना की और कहा कि बीआरएस पार्टी पारदर्शिता और जवाबदेही की वकालत करेगी।

उन्होंने कांग्रेस को जवाबदेह ठहराने और तेलंगाना के नागरिकों से किए गए उनके वादों को लागू करने को सुनिश्चित करने का वादा किया। उन्होंने अपनी पदयात्रा और भविष्य के अभियानों के माध्यम से लोगों पर केंद्रित एजेंडे के साथ नेतृत्व करने की अपनी प्रतिबद्धता जताई।

हैदराबाद में धार्मिक तनाव को लेकर शांति समिति की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 01 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने शुक्रवार को बंजारा हिल्स स्थित टीजीसीएंडसीसी में शहर के सभी क्षेत्रों के प्रतिनिधियों वाली केंद्रीय शांति एवं कल्याण समिति के साथ बैठक की और हालिया संवेदनशील धार्मिक मुद्दों पर चर्चा की।बैठक के दौरान उपस्थित लोगों ने सर्वसम्मति से कुछ व्यक्तियों द्वारा हाल ही में उत्पन्न किए गए व्यवधानों की निंदा की और समुदायों के बीच सम्मानजनक संवाद के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने मुद्दों के प्रभावी और समय पर समाधान के लिए समुदायों तथा कानून प्रवर्तन के बीच संचार चैनलों को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्धता जताई।

समिति ने विभिन्न धार्मिक समूहों के बीच आपसी समझ और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए सामुदायिक जुड़ाव पहल का भी प्रस्ताव रखा।बैठक में सहिष्णुता और विविधता के प्रति सम्मान को बढ़ावा देने के लिए शैक्षणिक कार्यक्रमों सहित निवारक रणनीतियों पर चर्चा की गई। समिति ने गलत सूचना और अफवाहों के खतरों को लेकर भी चर्चा की (जो तनाव को तेजी से बढ़ा सकते हैं) और इन जोखिमों को कम करने के लिए जागरूकता अभियान प्रस्तावित किए। श्री आनंद ने संभावित सवेदनशील इलाकों के लिए एक सक्रिय दृष्टिकोण की आवश्यकता पर जोर दिया और समिति के सदस्यों से अपने समुदायों में शांति के राजदूत के रूप में कार्य करने का आग्रह किया। उन्होंने हैदराबाद के माहौल को सौहार्दपूर्ण बनाए रखने में शांति समिति के सहयोग का आह्वान किया (खासकर अप्रत्याशित परिस्थितियों में) और हैदराबाद की शांतिपूर्ण शहर की छवि को बनाए रखने के लिए उनके चल रहे प्रयासों की प्रशंसा की।

इस दौरान शांति एवं कल्याण समिति ने अपना पूरा समर्थन देने का आश्वासन दिया और असामाजिक तत्वों का मुकाबला करते हुए आगामी त्योहारों के दौरान शांतिपूर्ण माहौल में योगदान देने का संकल्प लिया। उन्होंने सामुदायिक कार्यशालाओं के आयोजन के लिए भी प्रतिबद्धता जताई, जो एकता, समावेशिता और संघर्ष समाधान को प्रोत्साहित करती हैं। बैठक में हैदराबाद में शांति एवं सद्भाव बनाए रखने के लिए सामूहिक प्रतिबद्धता को मजबूत किया गया, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि सभी समुदाय सुरक्षित, सम्मानित और मूल्यवान महसूस करें। बैठक में अतिरिक्त सीपी (एल एंड ओ, हैदराबाद) विक्रम सिंह मान, अतरिक्त पुलिस आयुक्त ट्रैफिक विश्व प्रसाद, सभी जोन के डीसीपी, श्रीकिशन शर्मा जनरल सेक्रेटरी, शशिकांत अग्रवाल अध्यक्ष सेंट्रल जोन, नारायण रेड्डी, अध्यक्ष ईस्ट जोन, तेजो कुमारी अध्यक्ष वेस्ट जोन, मोज़म अली अध्यक्ष साउथ वेस्ट जोन, उमेंद्र कुमार अध्यक्ष नॉर्थ जोन, खाजा ग़ाज़ी-उद्दीन अध्यक्ष साउथ ईस्ट जोन एवं सभी सदस्य उपस्थित थे।

आंध्र में प्याज बम में विस्फोट एक की मौत, पांच घायल

एलुरु (आंध्र प्रदेश), 01 नवम्बर (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के एलुरु के तुरपु वीधी इलाके में गंगनम्मा मंदिर में गुरुवार को एक अजीबोगरीब घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि तीन युवक पटाखों से भरा एक बैग अपने घर ले जा रहे थे। स्कूटर का अगला पहिया गड्ढे में गिर गया, जिससे जोरदार झटका लगा और पटाखों से भरा बैग फट गया, जिससे सुधाकर नामक युवक की तत्काल मौत हो गई। मृतक सुधाकर स्कूटर पर पीछे बैठा था और इस भयानक दुर्घटना में उसके टुकड़े-टुकड़े हो गए।स्कूटर का सवार और पीछे बैठा दूसरा व्यक्ति विस्फोट में गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें जीजीएच में भर्ती कराया गया। दुर्घटना में सड़क पर खड़े तीन लोग भी घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि तीनों लोग एक बैग में पटाखे लेकर जा रहे थे, जिसे स्थानीय भाषा में प्याज बम कहा जाता है। यह पटाखे स्कूटर पर अचानक झटके लगने से फट गए। घायलों में टी साई, एस शेषी, एस के खादिर, सुरेश और सतीश का इलाज जीजीएच में चल रहा है। पुलिस उपाधीक्षक श्रवण कुमार, सर्किल इंस्पेक्टर सत्यनारायण और एसआई मदीना बाशा ने घटनास्थल का दौरा किया और मामला दर्ज किया।

पक्षियों की चहचहाहट से गुलजार हुआ जन्नाराम कव्वाल टाइगर जोन

टाइगर रिजर्व में 300 से अधिक पक्षी प्रजातियां, विदेशी पक्षियों का भी आगमन शुरू

मंचेरियाल, 01 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जन्नाराम में जंगली जानवरों का घर बन चुका कव्वाल टाइगर अब पक्षियों का बसेरा बनता जा रहा है। वन अधिकारी वन्यजीवों के संरक्षण के साथ-साथ पक्षियों की विभिन्न प्रजातियों के संरक्षण पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। पक्षी महोत्सव के तहत जन्नारम के जंगलों में आए पक्षी प्रेमियों ने पक्षियों की कई नई प्रजातियां देखीं। अधिकारियों ने इन पक्षियों की विशेषताओं की जानकारी दी। अधिकारियों का कहना है कि कव्वाल टाइगर रिजर्व में 300 से अधिक पक्षी प्रजातियां हैं। अब तक 200 प्रकार के पक्षियों का विवरण एकत्र किया जा चुका है।

जन्नाराम वन प्रभाग में सारस, उली गर्दन वाली चिंगारी, गौरैया, तोते, कठफोड़वा बटेर, चिकुमुकी पित्, दूध बटेर, गिद्ध जंगली कबूतर, बाज, किंगफिशर, कोयल, गोरिंगा, गल, काली गर्दन वाले पक्षी जैसे कई प्रकार के पक्षी हैं। अधिकारियों ने बताया कि इनके अलावा कव्वाल टाइगर जोन में विभिन्न देशों के पक्षियों की 50 प्रजातियों की पहचान की गई है। प्रवासी पक्षी हर साल आते हैं और बाद में वे वापस चले जाते हैं। हर साल हम पक्षियों की पहचान करते हैं। इस वर्ष पक्षियों का प्रवास शुरू हो गया है। अन्य क्षेत्रों के पक्षी फरवरी में लौट जाते हैं। उच्च अधिकारियों के आदेशानुसार हम टाइगरज़ोन में विभिन्न प्रकार के पक्षियों की पहचान कर रहे हैं। विभिन्न देशों से पक्षी कव्वाल टाइगरज़ोन के क्षेत्र में प्रवास करते हैं। जनवरी और फरवरी के महीने में ये प्रजनन करके वापस चले जाते हैं। नवंबर के पहले सप्ताह तक यहां हर तरह के पक्षी आ जाते हैं। पक्षियों की सुरक्षा के लिए वन विभाग कड़ी मेहनत करता है।

पुष्पा फिल्म की तर्ज पर गांजा की तस्करी

वांकिडी चेक पोस्ट पर 72.50 रुपए का गांजा किया गया जब्त

आसिफाबाद, 01 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पुष्पा फिल्म तो आपको याद ही होगी, उस फिल्म में टैंकर में लाल चंदन की तस्करी करते हैं। ठीक ऐसी ही योजना के तहत कुछ लोगों ने गांजा तस्करी की वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस ने शक होने पर जांच की तो असली मामला सामने आया। यह घटना गुरुवार को कुमरम भीम आसिफाबाद जिले में हुई। हालांकि, पुलिस चाहे कितने भी कदम उठा ले गांजा और ड्रग्स की तस्करी नहीं रुक रही है।पु लिस के मुताबिक जब पुलिस वांकिडी चेक पोस्ट पर चेकिंग कर रही थी तो एक टैंकर आकर रुका। संदेह होने पर पुलिस ने टैंकर को एक तरफ खड़ा कर जांच की तो उसमें गांजा मिला।

जब पुलिस वांकिडी चेक पोस्ट पर वाहनों की जांच कर रही थी, तो आसिफाबाद की ओर से महाराष्ट्र जा रहे एक टैंकर को संदिग्ध रूप से देखा गया। पुलिस ने जांच की तो भारी मात्रा में गांजा मिला। टैंकर के बीच में विशेष रूप से बनाई गई अलमारियों पर मारिजुआना पाया गया। चालक बलवीरसिंह की पहचान मध्य प्रदेश राज्य के मूल निवासी के रूप में की गई।

पुलिस ने बताया कि महाराष्ट्र के अरबिंद नाम के शख्स ने ड्राइवर को गांजा सप्लाई के लिए राजमुंदरी भेजा था। उन्होंने बताया कि गांजे के 145 पैकेट थे, प्रत्येक पैकेट करीब 2 किलो का था, जिसका वजन 290 किलो था और इसकी कीमत करीब 72.50 लाख रुपये होगी। आरोपी के पास से टैंकर के साथ एक मोबाइल फोन भी बरामद हुआ है। आसिफाबाद जिले के एसपी डी.वी. श्रीनिवास राव ने बताया कि टैंकर चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है।

बीआरएस ने जनता पर बिजली शुल्क का बोझ पड़ने से रोका : दिवाकर राव

मंचेरियाल, 01 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल के पूर्व विधायक नदीपेल्ली दिवाकर राव कहा कि विपक्ष की स्थिति में बीआरएस पार्टी ने 18,500 करोड़ रुपए के बिजली शुल्क के बोझ को रोका जिसे राज्य सरकार लोगों पर थोपना चाहती थी।

बिजली शुल्क का बोझ रोकने के लिए जिला केंद्र के आईबी चौरास्ता पर पार्टी नेताओं के साथ पूर्व सीएम केसीआर की तस्वीर की पूजा की गई। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बीआरएस शासन के दस वर्षो के दौरान कभी भी बिजली शुल्क नहीं बढ़ाया गया।

उन्होंने कहा कि यह पहली बार है कि ईआरसी ने विपक्षी दल के तर्क की तर्कसंगतता और न्यायसंगतता को सुनने के बाद शुल्क वृद्धि के प्रस्ताव को खारिज कर दिया।

इस कार्यक्रम में बीआरएस नेता नलमास कांतैया, एरम तिरूपति, अंकम नरेश, गोगुला रविंदर रेडी, पडाला रविंदर और पेंटा प्रदीप ने भाग लिया।

पूर्व सांसद बीबी पाटिल के जन्मदिन पर किया गया फल वितरण

मदनूर, 01 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी भाजपा मंडल अध्यक्ष तुकाराम तेपावर के नेतृत्व में जहीराबाद विस क्षेत्र के पूर्व सांसद बीबी पाटील के जन्मदिन के अवसर पर स्थानिक भाजपा नेताओं ने केक काटकर बड़े ही उत्साह के साथ जन्म दिन मनाया। भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं ने पाटील के जन्मदिन पर मरीजों में फल वितरण किया। इस सअवसर पर पाटील की लंबी उम्र की कमाना की गई। भाजपा मंडल अध्यक्ष तुकाराम थेप्पावर, कृष्णा पटेल, ओबीसी जुक्कल संयोजक तुलावार संतोष, सोसायटी निदेशक बालकिशन, प्रवीण अंजना, शिवाजी, सुभाष व अन्य नेताओं व कार्यकर्ताओं ने इस कार्यक्रम ने भाग लिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.